शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दशहरा कुश्ती टूर्नामेंट का किया उद्घाटन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 24 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-263

यूएन ने मानी भारत की ताकत

वीटो पावर की मांग को संयुक्त राष्ट्र का समर्थन

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत की लंबे समय से चली आ रही मांग-सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार और स्थायी सदस्यता-अब ठोस आकार ले रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने खुलकर यूएनएससी सुधार का समर्थन किया है, जिसमें भारत को बहुपक्षीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण आवाज बताते हुए 1945 की पुरानी संरचना के बजाय 2025 की वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने की बात कही गई है। यह बयान न्यूयॉर्क में चल रही 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र के दौरान आया, जो भारत की कूटनीतिक सफलता का प्रतीक है। हालांकि, स्थायी सदस्यता का अंतिम फैसला सदस्य देशों पर निर्भर करेगा।

भारत वर्षों से यूएनएससी में सुधार की वकालत करता आया है, खासकर वीटो पावर के एकाधिकार को चुनौती देते हुए। वर्तमान में केवल पांच देश-अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन-के पास वीटो की शक्ति है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की दुनिया को दर्शाती है। भारत का कहना है कि या तो यह एकाधिकार समाप्त हो या विकासशील देशों को भी समान ताकत मिले। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एएनआई को बताया, महासचिव गुटेरेस यूएनएससी सुधार के बहुत समर्थक हैं ताकि यह 1945 की बजाय 2025 की दुनिया का अधिक प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने भारत को बहुपक्षीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण आवाज करार

चीन-अमेरिका-पाकिस्तान के लिए झटका

दिया और कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का अभिन्न अंग है, जो बहुपक्षवाद का मजबूत समर्थक है। दुजारिक ने स्पष्ट किया कि स्थायी सदस्यता किन देशों को मिलेगी, यह सदस्य देश ही तय करेंगे। फिर भी, यह बयान भारत की दावेदारी को मजबूती देता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में राज्यसभा में कहा था कि भारत के पास सुधारित और विस्तारित यूएनएससी का स्थायी सदस्य बनने के सभी गुण हैं, जो समकालीन वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे। दुनिया के कई देश अब भारत के साथ खड़े हो गए हैं। फ्रांस, ब्रिटेन और रूस ने भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है, जबकि अमेरिका ने भी हाल ही में क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत की दावेदारी को दो-हराया। गुटेरेस ने कहा कि सुधार संयुक्त राष्ट्र को अधिक चुस्त, प्रभावी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएंगे। हालांकि, चीन ने भारत की सदस्यता का समर्थन किया है, लेकिन शर्त रखी है कि यह जापान के साथ न जोड़ा जाए-जो जी 4 (भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील) समूह का हिस्सा है। पाकिस्तान, जो भारत का विरोधी रहा है, इस सुधार के खिलाफ खड़ा है, जबकि अमेरिका का समर्थन सशर्त है। यह सुधार झ5 के दो-तिहाई बहुमत और सभी सदस्य देशों की सहमति से ही संभव है।

यह बयान यू एन जी ए के 80वें सत्र के बीच आया, जहां जलवायु महत्वाकांक्षा शिखर सम्मेलन और बीजिंग घोषणा के 30 वर्ष जैसे आयोजन हो रहे हैं। गुटेरेस ने सुधार को वर्ष का केंद्रीय विषय बताया, जो यूएन को वैश्विक चुनौतियों-जैसे गाजा, यूक्रेन युद्ध-का सामना करने में सक्षम बनाएगा। भारत ने पैक्ट फॉर द फ्यूचर दस्तावेज में यूएनएससी ▶10पर

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दोहराया दावा

सात महीनों में सात युद्ध खत्म किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष भी रोका

न्यूयॉर्क, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संबोधन में फिर वही पुराना दावा दोहराया कि उन्होंने सात महीनों में सात अकल्पनीय युद्धों को समाप्त कर दिया। इनमें भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को भी शामिल करते हुए उन्होंने ईरान-इजरायल युद्ध समाप्त करने का श्रेय लिया। हालांकि, भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है, जबकि पाकिस्तान ने ट्रंप की मध्यस्थता की सराहना की है। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र की भी आलोचना की, कहा कि संगठन अपनी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर रहा। ट्रंप का यह संबोधन ऐसे समय आया जब संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया भर के नेता इकट्ठे हैं, और वैश्विक मुद्दों जैसे गाजा, यूक्रेन और

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा हो रही है। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी ताकत की बहाली का प्रतीक बताया।

ट्रंप ने दावा किया कि सात युद्ध समाप्त ट्रंप ने कहा, सिर्फ सात महीनों में, मैंने सात ऐसे युद्धों का अंत किया जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। ये अकल्पनीय हैं और कुछ तो 31 साल से चल रहे थे। उनमें से दो, 31-31 साल तक चले। एक 36 साल का था, एक 28 साल का था। उन्होंने सूचीबद्ध किया कि कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कांगो-रवांडा, पाकिस्तान-भारत, इजरायल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया, और आर्मेनिया-अजरबैजान। ▶10पर

ट्रंप के भाषण से पहले न्यूयॉर्क में मोबाइल नेटवर्क ठप करने की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के बीच, जहां दुनिया भर के 150 से अधिक नेता इकट्ठा हुए हैं, अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने न्यूयॉर्क क्षेत्र में एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया

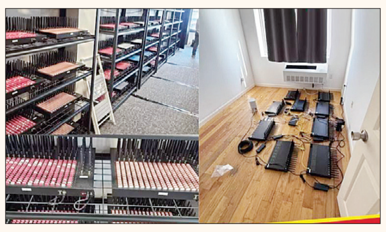

है। यूएस सीक्रेट सर्विस ने न्यूयॉर्क के 35 मील के दायरे में फैले एक अवैध टेलीकॉम नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया, जो मोबाइल नेटवर्क को ठप करने, 911 इमरजेंसी सेवाओं को बाधित करने और गुमनाम टेलीफोनिक हमलों के लिए इस्तेमाल हो सकता था। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन देने वाले थे। एजेंसी ने 300 से अधिक सिम सर्वर और एक लाख सिम कार्ड जब्त किए हैं, जो साइबर जासूसी और संचार व्यवधान के लिए तैयार थे। सीक्रेट सर्विस के अनुसार, यह नेटवर्क केवल मोबाइल टावरों को निष्क्रिय करने तक सीमित नहीं था, बल्कि डिनायल-ऑफ-सर्विस हमलों, एन्क्रिप्टेड संचार और अपराधी समूहों के बीच गुप्त संपर्क के लिए भी इस्तेमाल हो सकता था। ▶10पर

आयुष्मान भारत योजना स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति लेकर आई : मोदी

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के सात वर्ष पूरे होने पर इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांति बताते हुए कहा है कि इसने लाखों नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को नए सिरे से परिभाषित किया है।

श्री मोदी ने नागरिकों के विचारों के आदान-प्रदान से संबंधित सरकारी पोर्टल ममाईगोवइंडियाफ पर एक पोस्ट के जवाब में मंगलवार को कहा , आज आयुष्मान भारत के सात वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह एक ऐसी पहल थी जिसने भविष्य की आवश्यकताओं का आकलन किया और लोगों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली और किफ़ायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया। इसके कारण भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांति का साक्षी बन रहा है। इस योजना ने लाभार्थियों के लिए वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया है। भारत ने दिखाया है कि कैसे इसका विस्तार, करुणा और तकनीक मानव सशक्तिकरण को और आगे बढ़ा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2018 में मआयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजनाफ की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराना है। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और गरीब आबादी को सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शुरू की गयी थी।

पिछले वर्ष इस योजना के व्यापक विस्तार को मंज़ूरी दी गयी थी। इस के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, उनकी आय चाहे जो भी हो, स्वास्थ्य बीमा सुविधा दी जा रही है। इससे करीब साढे चार करोड़ परिवारों को लाभ हो रहा है जिनमें 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। उन्हें प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा सुविधा दी जा रही है।

मोदी सरकार इस जन आरोग्य योजना को और सुगम तथा सरल बनाने की कोशिश में जुटी है, ताकि अधिक-से-अधिक गरीब परिवार इसका लाभ उठा सकें।

मोरक्को में बनेंगे भारत के सुरक्षा उत्पाद

राजनाथ ने किया विदेशी धरती पर लगे पहले प्लांट का उद्घाटन

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने विदेशी धरती पर अपनी पहली रक्षा विनिर्माण सुविधा की स्थापना कर दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को के समकक्ष अब्देलतीफ लौदियी के साथ कैसाब्लांका में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड की नई विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। यह मोरक्को में पहला भारतीय रक्षा उद्यम है और भारत-मोरक्को रक्षा सहयोग में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। ▶10पर

भारत-श्रीलंका के बीच बढ़ेगा रक्षा सहयोग

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा संबंधों को और मज़बूत करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी चार दिवसीय दौरे पर श्रीलंका पहुँच गए हैं। श्रीलंका पहुँचने पर उन्होंने नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल कंचन्ना बनागोड़ा से मुलाकात की। इस दौरे के दौरान, एडमिरल त्रिपाठी श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात करेंगे। वे समुद्री सुरक्षा, क्षमता वृद्धि, प्रशिक्षण और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए श्रीलंका के तीनों सेना अध्यक्षों के साथ भी द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

नौसेना प्रमुख कोलंबो में आयोजित होने वाले गॉल डायलॉग 2025 के 12वें संस्करण में भी हिस्सा लेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सम्मेलन का विषय ममैरिटाइम आउटलुक ऑफ द इंडियन ओशन अंडर चेंजिंग डायनेमिक्सफ है। भारतीय नौसेना और श्रीलंकाई नौसेना नियमित रूप से वार्षिक रक्षा वार्ता, स्टाफ वार्ता और अन्य ऑपरेशनल चर्चाओं में भाग लेती हैं। दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच साझा नौसैनिक अभ्यास (स्लिनेक्स), जलमार्ग अभ्यास, प्रशिक्षण और हाइड्रोग्राफी संबंधी सहयोग भी होता है। ▶10पर

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह

मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के, शाहरुख-विक्रांत को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और रानी मुखर्जी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मलयालम फिल्मों के अभिनेता मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2023 से आज सम्मानित किया। जबकि शाहरुख खान एवं विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब मिला है। सर्वश्रेष्ठ फिल्म के तौर पर 12वीं फेल को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का खिताब मिला है।

विज्ञान भवन में आयोजित 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में इन विजेताओं को सम्मानित किया गया। विगत एक अगस्त को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म पुरस्कारों का ऐलान किया था। ये पुरस्कार साल 2023 में रिलीज हुईं फिल्मों के आधार पर दिए जा रहे हैं।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। अभिनेता मोहनलाल ने वर्ष 1978 से अब तक 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने के बाद मोहनलाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सिनेमा उनके लिए उनकी आत्मा की धड़कन है। यह अवार्ड मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि यह अवार्ड मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को समर्पित है। यह सम्मान उनके लिए सिर्फ कोई सपना सच होने जैसा नहीं है, बल्कि उससे कहीं ज़्यादा बड़ा है। यह अहसास जादुई भरा और पवित्र है। उन्होंने कहा कि मलयालम फ़िल्म उद्योग के प्रतिनिधि के रूप में, वे इस राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित होने वाले सबसे कम उम्र के और राज्य के दूसरे व्यक्ति हो गए हैं। यह सम्मान सिर्फ़ उनका नहीं है बल्कि यह पूरे मलयालम सिनेमा जगत का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि वे इस पुरस्कार को मलयालम उद्योग, विरासत, रचनात्मकता ▶10पर

आपा नेता सत्येंद्र जैन पर ईडी ने की बड़ी कार्रवाई

7.44 करोड़ की संपत्ति को किया जब्त

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र कुमार जैन द्वारा कथित रूप से नियंत्रित कंपनियों से जुड़ी 7.44 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। यह कार्रवाई 15 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। एजेंसी की मनी लॉन्ड्रिंग जाँच 2017 में दर्ज सीबीआई के एक मामले से शुरू हुई है, जिसमें जैन पर फरवरी 2015 से मई 2017 के बीच आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जम्मू-कश्मीर से 71 सीआरपीएफ कंपनी वापस बुलाने के आदेश

जम्मू-कश्मीर में सिर्फ 14 कंपनियां रहेंगी तैनात, नक्सलियों के खिलाफ होगी बड़ी कार्रवाई!

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में तैनात सीआरपीएफ की 85 कंपनियों (8500 जवान) में से 71 कंपनियों को वहां हटने के आदेश दिए गए हैं। इन सभी कंपनियों को उनके मूल सेक्टर में वापस जाने को कहा गया है। केवल 14 कंपनियां ही जम्मू-कश्मीर में तैनात रहेंगी। सूत्र इसके पीछे की एक बड़ी वजह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश को मार्च 2026 से पहले नक्सलमुक्त करने के ऐलान को भी मान रहे हैं। जिसमें टारगेट पूरा करने के लिए जल्द ही छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और झारखंड जैसे नक्सली प्रभावित राज्यों में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा सकता है। जिसकी तैयारियों के तहत यह कदम उठाया गया है। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की

तरफ से यह आदेश इस महीने की शुरूआत में गृह मंत्रालय द्वारा इस मामले में दिए गए आदेशों को ध्यान में रखते हुए आईजी (ऑपरेशंस) द्वारा दिए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि अमरनाथ यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर में लगाई गई सीएपीएफ के साथ सीआरपीएफ की 85 कंपनियों में से 71 को हटाकर उनके मूल सेक्टर वापस भेजा जाए। इन कंपनियों को छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा और बिहार समेत 10 सेक्टरों में वापस भेजे जाने के आदेश दिए गए हैं। जबकि चार सेक्टर की 14 कंपनियों को अभी जम्मू-कश्मीर में ही तैनात रहने के लिए कहा गया है।

सूत्रों का कहना है कि अमरनाथ यात्रा खत्म होने के बाद सीएपीएफ की कंपनियों को वापस बुलाने के आदेश के पीछे केंद्र सरकार की एक बड़ी मंशा देश को नक्सलमुक्त कराने के टारगेट को पूरा करने की भी है। इसके लिए जल्द ही छत्तीसगढ़ समेत देश के उन राज्यों में सरकार कोई बड़ा अभियान चलाने की योजना बना रही है। जहां-जहां नक्सली अधिक सक्रिय हैं। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,17,720/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,39,320/- (प्रति किलोग्राम)

दो दिवसीय जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन लीग का भव्य समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दो दिवसीय जीतो बेंगलूरु साउथ जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन लीग का आयोजन अद्भुत प्रदर्शन के साथ पूरा हुआ। लीग का दूसरा दिन 21 सितंबर को कर्नाटक बैडमिंटन एसोसिएशन, वसंतनगर में बड़े उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन लीग के मुख्य एवं ट्रॉफी प्रायोजक क्राफ्टर्स, पॉवर्ड बाय प्रायोजक ईआईएमआर बिजनेस स्कूल, फूड प्रायोजक महावीर मेडी-सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, जर्सी प्रायोजक अरिहंत डेंटल सेंटर और किट प्रायोजक कावेरी टैंक थे। दूसरे दिन की शुरुआत 16 टीमों के बीच 16 रिले मैचों के साथ हुई, जिसमें से 8 टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गईं। क्वार्टर फाइनल में कड़ी टक्कर हुई और 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर गईं। सेमीफाइनल मैचों में दिव्यदृष्टि एक्केस ने मुणोत रैकेटर्स को और कानूंगा रॉयल्स ने हाउस ऑफ ब्रांड्स को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मैच में दिव्यदृष्टि एक्केस टीम ने जीत हासिल की और प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। कानूंगा रॉयल्स टीम ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंततः उपविजेता रही। महिला वर्ग में मुणोत रैकेटर्स टीम ने ट्रॉफी जीती, असाधारण कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया।

जियानी टीम उपविजेता रही, पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार जेन अल्फा (आयु 12-18), युवराज जैन (टीम दिव्यदृष्टि एक्कोस), जेन जेड (आयु 19-33), गौरव गादिया (टीम कानूंगा रॉयल्स), मिलेनियल्स (आयु 34-44), कमलेश बोहरा (टीम दिव्यदृष्टि एक्कोस) और जेन एक्स (आयु 45 प्लस), राजेश गादिया (टीम कानूंगा रॉयल्स) को पुरुष वर्ग और तन्वी मुणोत को महिला वर्ग में दिया गया, जो उनकी टीमों की सफलता में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है।

ट्रॉफी और पुरस्कार एपेक्स निदेशक नरेंद्र सिंह सामर, पावर्ड बाय स्पॉन्सर दीपक श्रीश्रीमल, रणजीत सोलंकी चेयरमैन जीतो बेंगलूरु साउथ, मुख्य सचिव नितिन लुनिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, खेल संयोजक चेतन बोहरा, सह-संयोजक श्रेयांश राखेचा, इवेंट संयोजक अरुण भंसाली, खेल टीम के सदस्य रौनक गु-लेच्छा, महावीर कानूंगा और टीना खांटेड, निदेशक मंडल और जीतो बेंगलूरु साउथ की प्रबंध समिति ने प्रदान किए। रणजीत सोलंकी चेयरमैन, जीतो बेंगलूरु साउथ ने सभी प्रायोजकों, टीम स्वामियों, आइकन खिलाड़ियों, कप्तानों और खिलाड़ियों को इस लीग में उनके महत्वपूर्ण सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन उच्च स्तर पर हुआ, सभी प्रतिभागियों और दर्शकों ने लीग के दौरान प्रदर्शित संगठन और खेल भावना की सराहना की।

कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 45 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा गोल्डन जुबली बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के तत्वावधान तथा प्लॉजिक के सहयोग से आयोजित प्रमाणित व्यावहारिक लेखांकन, टैली-जीएसटी और कराधान पर आधारित 45 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन 22 सितंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन समारोह में संस्था के अध्यक्ष एस.पी. शशिमठ ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। हमें विश्वास है कि इस प्रशिक्षण से लाभान्वित छात्र अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होंगे। प्रशिक्षण सत्रों में चार्टर्ड अकाउंटेंट विनायक हिरेमठ सहित विभिन्न उद्योग विशेषज्ञों ने लेखांकन, टैली, जीएसटी, टीडीएस, एडवांस एक्सेल, पेरोल, ईपीएफ, ईएसआई जैसे व्यावहारिक विषयों पर गहन मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रत्येक प्रशिक्षु को स्वतंत्र कंप्यूटर, अध्ययन सामग्री और नौकरी संदर्भ एवं आवेदन हेतु विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अभिनव प्रशिक्षण मॉडल का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान देना था, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए व्यावहारिक रूप से तैयार करना भी था। शिविर में कुल 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण उनके करियर निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और लाभकारी कदम सिद्ध हुआ है।

इस अवसर पर संयुक्त मानद सचिव महेंद्र सिंघी ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा इस प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल हैं। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा। समापन समारोह के दौरान अध्यक्ष एस.पी. शशिमठ, उपाध्यक्ष प्रवीण आगाडी, मानद सचिव रविन्द्र एस. बालिगारा एवं संयुक्त मानद सचिव महेंद्र सिंघी की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

अमानुल्ला हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा के नए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव ने मोहम्मद वेंपली अमानुल्ला को हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा के अगले कार्यकाल का नया राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया।

अमानुल्ला जो विकलांग होते हुए भी समाज तथा देशहित, मंदिरों, मस्जिदों तथा निर्माण के कार्यों में सहयोग प्रदान करने के साथ ही बाढ़ राहत कार्यों में सेवाएं प्रदान करते हैं। फिलहाल वे एनआईडीसीसी के दक्षिण भारत के चेयरमैन पद पर हैं तथा कुछ कंपनियों के डायरेक्टर भी है।

पूर्व में यह मैदानपल्ली के कांग्रेस सचिव तथा राष्ट्रीय लोक जन शक्ति पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रह चुके है।

नि:शुल्क ऑर्थोपेडिक शिविर का 300 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से नि:शुल्क रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट कैम्प और विशेषज्ञ परामर्श का आयोजन लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोडवाड़ भवन में किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि ललिता सिंघवी, डॉ. नरपतजी सोलंकी, सरिता रांका ने दीप प्रज्वलन कर किया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि शिविर में रोबोटिक समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट और उससे जुड़ी आधुनिक चिकित्सा जानकारी पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि यह शिविर मुख्यतः बुजुर्गों एवं मध्यम आयु के उन लोगों के लिए है जिनमें घुटना, कूल्हा या कंधे के जोड़ों में दर्द, अकड़न या चलने-फिरने में कठिनाई हो रही है। शिविर का उद्देश्य समय पर स्क्रीनिंग, सही सलाह और आवश्यक उपचार योजना के लिये रोगियों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराना था। अहमदाबाद के जैन नी एंड हिप क्लिनिक के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. जीतेंद्र चौधरी जैन ने जानकारी दी कि रोबोटिक एडेड जॉइंट रिप्लेसमेंट में सर्जन रोबोटिक सिस्टम और पूर्व निर्धारित सटीक योजना की मदद से हड्डियों की कटाई और इम्प्लांट की पोजिशनिंग को अधिक सटीक बना पाते हैं।

इससे इम्प्लांट की सटिकता और जोड़ की स्थिरता बेहतर होने की संभावना रहती है।

सचिव रेशमा बडोला ने जानकारी दी की प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक चले इस शिवर में लगभग 300 से अधिक लोगों ने जांच करवाया।

शिविर संयोजिका नीलम ललवानी ने बताया कि इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को जांच के बाद राशन सामग्री भी दी गई। इस अवसर पर जयंतीलाल बालर, चैनराज ओस्तवाल, पारसमल जैन, अशोक नागोरी, कांता महा-वीरचंद समदड़िया, पुष्पा बाफना, रत्नीबाई मेहता, बबिता श्रीश्रीमाल, मनीषा सालेचा, मीना सोनिगरा, पुष्पा सोनिगरा, मधु तातेड़, रीटा जैन, कविता जैन, त्रिशला दांतेवाडिया, रिंकू श्रीश्रीमाल, कंचन जैन, पवन राठौड़, रेणु गांधी, सुनीता भंडारी, मंगला खांटेड, गीता संचेती, मोनिका पारलेचा और पवन ओस्तवाल आदि उपस्थित थे।

खुद की गलती मानने वाला ही सच्चा भक्त: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि शुद्ध हृदय वाला ही भक्त कहलाता है। मन में कपट नहीं रखने वाला भक्त होता है। कपट की जगह सहजता होना जरूरी है। अपनी गलती को गलती मानने वाला सच्चा भक्त होता है। मन साफ होने वाला ही भक्त होता है। सच्चा भक्त किसी के प्रति गलत नहीं बोलता है। सभी के प्रति आदर सम्मान रखता है। कभी भी घमंड नहीं करता है। जहां समर्पण है वहां विजय है। जो झुकता है वहीं उठता है। झुकने वाला जीवन में बहुत आगे जाता है। सच्चा भक्त बनना बहुत मुश्किल होता है। सबके प्रति आदर सम्मान रखना होता है। सामने वाला कुछ भी कहे फिर भी शांत रहने वाला ही सच्चा भक्त होता है। ऐसे भक्त हमेशा जीवन को पार लगाने की सोचते है। धन और धर्म की राशि एक होती है। लेकिन धन डूबोता है जबकि धर्म पार लगाता है। मनुष्य धन के पीछे भाग कर जीवन बेकार कर रहा है। पुराने समय में लोग धर्म, संस्कृति को महत्व देते थे। लेकिन अब के समय में लोग धर्म नहीं धन को ज्यादा महत्व देते हैं। पहले के समय में लोगों के पास कितना भी पैसा क्यों न हो लेकिन बहुत ही सरल हुआ करते थे। कभी भी दिखावा नहीं करते थे। जीवन में मनुष्य को धन नहीं धर्म ही काम आना है। वर्तमान में मनुष्य सभी संस्कार और संस्कृति को भूल चुका है। समय के हिसाब से अगर काम होगा तो उसका मजा ही अलग होगा। एक बार समय निकलने के बाद कुछ नहीं मिलेगा। धर्म हो, ध्यान हो, शादी हो चाहे व्याह हो अगर समय पर नहीं किया तो सब मामला गड़बड़ हो जाता है। इसलिए कहते हैं समय रहते धर्म ध्यान कर लेना चाहिए। समय के हिसाब से किया गया कार्य ही जीवन को बदल सकता है।

मनुष्य को धन के पीछे नहीं बल्कि धर्म के पीछे भागना चाहिए। धन संसार तक ही सीमित है, लेकिन धर्म जन्म जन्मांतर तक साथ देगा। मनुष्य को संसार में सब मिल जाता है। इसलिए भगवान से सुमति मांगने का प्रयास करना चाहिए। एक सुमति आ गया तो जीवन का बेड़ा पार हो जाएगा। सभा में हनुमंत नगर महिला मंडल की विशेष उपस्थिति रही। उसकी अध्यक्ष मंजू बालिया, मंत्री संगीता धोखा, उपाध्यक्ष मंजू बुरड़, कोषाध्यक्ष इन्दू बोहरा के नेतृत्व में महिला मंडल ने एक गित प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने सभी का स्वागत किया एवं संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

सेवा से संतोष के अंतर्गत अन्न सेवा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा ने पितृपक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर अपने अभियान सेवा से संतोष के अंतर्गत अन्न सेवा का आयोजन किया। यह सेवा कार्यक्रम बन्नेरघट्टा रोड स्थित हुलिमावु ट्रैफिक पुलिस स्टेशन जंक्शन के बाहर संपन्न हुआ। यह शाखा की चौथी अन्न सेवा थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पितृपक्ष के अंतिम दिन अन्न दान की महत्ता को समाज तक पहुँचाना था। दोपहर 12 से 2 बजे तक चले इस आयोजन में 800 से अधिक राहगीरों को भोजन परोसा गया। ट्रैफिक पुलिस प्रशासन ने भी इस सेवा कार्य में शानदार सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में मंच के कई राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी शामिल हुए जिनमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जोन 5) साकेत रितोलिया, राष्ट्रीय सहायक कोषाध्यक्ष नितेश टिबरेवाल, प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, और बेंगलूरु शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू सपरिवार शामिल हुए। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने इस सफल आयोजन के लिए कार्यकारी समिति एवं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और विशेष रूप से दीपक जैन, कुणाल जालान, प्रदीप अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल के योगदान को सराहा। अन्य सामाजिक संस्थाओं के अनेक सदस्य उपस्थित थे। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता में मंच के सदस्यों के परिवारों की सक्रिय उपस्थिति और सहयोग का विशेष महत्व रहा, जिन्होंने पूरे मनोयोग से सेवा कार्य में भाग लेकर इसे और अधिक गरिमामय बनाया। जन सेवा संयोजक अभिनव डोकानिया ने हुलिमावु ट्रैफिक पुलिस टीम एवं विभिन्न शाखाओं से आए सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा यह अन्न सेवा कार्यक्रम कर्नाटक प्रांत में एकता और समर्पण की सच्ची झलक है।

बदला लेने से अच्छा खुद को बदल डालो: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बदला लेने से अच्छा खुद को बदल डालो, फिर देखो बदलाव। जो पास्ट में जीते हैं वो स्ट्रेस में जीते हैं, जो फ्यूचर में जीते हैं वो फ्रेस में जीते हैं और जो लोग प्रेजेंट में जीते हैं वो चियर्स में जीते हैं। दुःख पीछे की ओर देखता है और चिन्ता इधर-उधर देखती है, केवल विश्वास ही है जो हमेशा आगे की ओर देखता है। इसलिए विश्वास की ज्योति कभी बुझने ना दे।

जब तक एक दूसरे की मदद करते रहेंगे, तब तक कोई भी नहीं गिरेगा, चाहे व्यापार हो परिवार हो या फिर समाज हो। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि जनम हुआ, बड़े हुए, परिवार-धंधा बढ़ाया, बूढे हुए और मर गये। जिंदगी का सफर पूरा हो गया। पूरा जीवन बीत जाने के बाद भी आपको यह पता नहीं लगेगा कि आखिर में जीवन क्या है? आप पूरी दुनिया को जानते हो लेकिन खुद को नहीं जानते, यह कितनी खेद की बात है। आप दुनिया को जानते हो पर अपने-आपको नहीं जानते तो दुनिया की जानकारी व्यर्थ है। आप जीवन में सफल बन गए, श्रेष्ठ बन गए, प्रसिद्ध भी हो गए, पर जीवन का मर्म पकड़ नहीं पाए तो जीवन का केंद्र बिंदु ही खाली रह जाता है। आप गलत धारणा के शिकार हो जाते हो। आप अपने जीवन के मालिक नहीं रह पाते। कोई और आप के जीवन को चलाता है। अहंकार, क्रोध, मत्सर, माया जैसी निगेटिव भावनाएं आपके मन पर कब्जा कर लेती हैं। आप शरीर नहीं हो, विचार नहीं हो, भावना भी नहीं हो, आप आत्मा हो। यह बात स्पष्ट हो जाती है तो जीवन का केंद्र बिंदु ही बदल जाता है। महेंद्र जैन ने बताया कि 28 सितम्बर को मां भगवती सरस्वती देवी सामूहिक महापूजन का आयोजन श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ के तत्वावधान में रखा गया है। 108 उवस्सगहरं और अखंड शांति धारा का अभिषेक संघवी अनिलकुमार, घेवरचंद बालगोत्र ने किया। बाहर गांव से पधारे अतिथिगण का श्री शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र जैन संघ द्वारा बहुमान किया गया। भंवरलाल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दशहरा कुश्ती टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहलवानों की पीठ थपथपाकर नादहब्बा मैसूरु दशहरा महोत्सव-2025 कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने शहर के कर्नाटक प्रदर्शनी प्राधिकरण परिसर स्थित श्री डी. देवराजू उर्स बहुउद्देशीय स्टेडियम में आयोजित दशहरा कुश्ती प्रतियोगिता का आनंदपूर्वक अवलोकन किया और पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। पशुपालन एवं रेशम उत्पादन मंत्री के. वेंकटेश, सांसद सुनील बोस, विधायक ए.आर. कृष्णमूर्ति, रविशंकर डी., श्रीवत्स, अनिल चिक्कमडु, विधान

परिषद सदस्य डॉ. डी. थिम्मैया, गारंटी योजना की राज्य उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पावती अमरनाथ, प्रदर्शनी प्राधिकरण के अध्यक्ष अयूब खान, जिला कलेक्टर जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी और अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री के साथ प्रतियोगिता देखी। मैसूरु के महादेपुरा पहलवान विकास और दावणगेरे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पहलवान किरण के बीच पहला 30 मिनट का कुश्ती मुकाबला काफी रोमांचक रहा। अंत में, पहलवान विकास 22 मिनट में विजयी हुआ। बेंगलूरु की महिला पहलवान पुष्पा और बेलगावी की नंदिनी के बीच कुश्ती में नंदिनी ने 1 मिनट 10 सेकंड में जीत हासिल की। अथानी के पहलवान सुरेश लंकोटी और दावणगेरे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पहलवान हनुमंत विट्ठल नेविनु मारा के बीच कुश्ती मुकाबला रोमांचक रहा।

बुरुडे गिरोह को वित्तीय सहायता देने वाले 11 लोगों को नोटिस जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एसआईटी ने अपनी जाँच तेज कर दी है और बुरुडे गिरोह की आर्थिक मदद करने वाले 11 लोगों को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया है। एसआईटी ने न केवल चिन्नैया और उनकी पत्नी के खातों में पैसे ट्रांसफर करने वालों की जानकारी जुटाई है, बल्कि उनके परिवार के प्रत्येक सदस्य के बैंक खाते की जानकारी भी खंगाल रही है। एसआईटी की जाँच से पता चला है कि महिलाओं के खातों से चिन्नैया के बैंक खाते में भी पैसे ट्रांसफर किए गए थे। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी बुरुडे मामले में शामिल लापता लोगों की जाँच कर रही है और इस मामले में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

फिलहाल, एसआईटी अधिकारियों ने महेश शेट्टी टिमरोडी के समर्थकों सहित 11 लोगों को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया है, और 6 लोगों से पहले ही पूछताछ हो चुकी है। एसआईटी अधिकारी पिछले एक साल में हुए धन हस्तांतरण की भी जाँच कर रहे हैं। जैसे-जैसे जाँच आगे बढ़ रही है, जानकारी मिली है कि इस मामले में और लोगों ने आर्थिक मदद की है, और संभावना है कि उन्हें भी एसआईटी नोटिस जारी किए जाएँगे।

यद्यपि इस षडयंत्र में कई लोगों की भूमिका के बारे में पहले ही आरोप लगाए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

ऐशो-आराम की जिंदगी के लिए 13 मंदिरों को लूटने वाले गिरफ्तार

भगवान के 14 लाख के आभूषण जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बनशंकरी पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जो एक देवता के गर्भगृह में विलासितापूर्ण जीवन जीने के लिए घुस गए और मूर्तियाँ चुराकर भाग गए। उनके पास से 5 किलो चाँदी, 67 ग्राम सोने के आभूषण और 14 लाख रुपये मूल्य के पीतल और तांबे के आभूषण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शिवमोग्गा निवासी संतोष उर्फ केजीएफ (31) और हेब्बागोडी निवासी प्रवीण भट (51) शामिल हैं। पुलिस जाँच में पता चला है कि ये दोनों एक दोपहिया वाहन चुराकर विभिन्न मंदिरों में घूमते और चोरी करते थे। बनशंकरी थाना अंतर्गत सिद्धि महागणपति मंदिर के गर्भगृह में पुजारी का वेश

धारण कर देवता के आभूषण और दीपस्तंभ चुराकर भाग गया। मंदिर अध्यक्ष ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच जारी रखी और जानकारी जुटाकर गोट्टीगेरे के पास दो लोगों को दोपहिया वाहन के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्होंने एक मंदिर में चोरी की थी। आरोपियों से लंबी पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्होंने शहर के विभिन्न मंदिरों के ताले तोड़कर ऐशो-आराम की जिंदगी जी और देवताओं की मूर्तियों पर रखे सोने, चाँदी के सामान और हुंडी में रखे पैसे चुराए। इंस्पेक्टर कोटराशी और उनकी टीम ने दोनों आरोपियों के पास से लगभग 14 लाख रुपये कीमत की 5 किलो चाँदी की वस्तुएँ, 67 ग्राम सोने के आभूषण, 1.426 किलो पीतल की वस्तुएँ और 353 ग्राम तांबे की वस्तुएँ जब्त की हैं। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ, कुल 13 मामलों का पता चला है, जिसमें बनशंकरी पुलिस स्टेशन से दो मंदिर चोरी के मामले, जयनगर, सुब्रह्मण्यपुरा, कुमारस्वामी लेआउट, राजराजेश्वरी पुलिस स्टेशन, कडुगोंडानहल्ली, केंगेरी, सम्पीगे हल्ली, तलघट्टापुरा और जिगानी पुलिस स्टेशन से एक-एक मंदिर चोरी का मामला और गिरिनगर पुलिस स्टेशन से दो मंदिर चोरी के मामले शामिल हैं।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी जांच के लिए कोई समय सीमा तय नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि धर्मस्थल मामले की एसआईटी जाँच जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा तय करने, अंतरिम रिपोर्ट प्राप्त करने या जाँच सीआईडी को सौंपने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा मामला है। अगर किसी को सच्चाई सामने लाने में कोई समस्या, जान का डर या अन्य चिंताएँ आती हैं, तो सरकार आवश्यक सुरक्षा प्रदान करेगी।

अगर चिन्नैया की पत्नी ने जान का डर बताकर सुरक्षा की माँग की है, तो पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि मामला सीआईडी को सौंपने पर कोई चर्चा नहीं हुई है, एसआईटी जाँच जारी रहेगी। अंतरिम रिपोर्ट

या आरोप-पत्र मिलने की कोई संभावना नहीं है। हमने जाँच जल्द पूरी करने को कहा है। लेकिन हमने कोई समय-सीमा तय नहीं की है। उन्होंने कहा कि हमने उपलब्ध साक्ष्यों और सबूतों के आधार पर जल्द ही रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। दशहरा उत्सव के मुद्दे को लेकर लंबे समय से चल रहा असमंजस दूर हो गया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की उपस्थिति में, बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक ने दशहरे का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र के लिए एक आदर्श है। बानू मुश्ताक और मुख्यमंत्री ने पुष्प अर्पित किए और राज्य के लिए सौभाग्य और सभी की समृद्धि की कामना की। धर्म की परवाह किए बिना शांति और अमन की प्रार्थना करना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि दशहरे का उद्घाटन बिना किसी मतभेद या भ्रम के हुआ। हिंदू धर्म का मूल सभी को शामिल करना है। संविधान में भी यही भावना है। धर्म का सार भी एकता है। उन्होंने कहा कि मैसरु में भी यही हुआ।

तुमकुरु में आयोजित नवरात्रि और दशहरा समारोह के दूसरे दिन, मैंने अपने परिवार के साथ धार्मिक समारोह में भाग लिया और राज्य में अच्छी फसल और बारिश के लिए प्रार्थना की। मैं घर पर पूजा नहीं करता। मेरी पत्नी पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ ब्रह्मचर्य की मूर्ति की पूजा की जाती है। सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण पर सवाल उठाते हुए कई लोग अदालत गए हैं। उन्होंने कहा कि वे इंतजार करेंगे और देखेंगे कि अदालत का फैसला क्या आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें मंत्रिमंडल फेरबदल के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

दो दमकल गाड़ियां विजयपुरा हवाई अड्डे पर पहुंचीं

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।
बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने बताया कि यहां उद्घाटन के लिए तैयार ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए आवश्यक दो अत्याधुनिक दमकल गाड़ियाँ सुदूर ऑस्ट्रिया से आ गई हैं। इस संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उन्होंने बताया कि ये दमकल गाड़ियाँ कम्प्यूटरीकृत हैं और एक वैश्विक निविदा के तहत आपूर्ति की गई हैं।

इनकी अनुमानित लागत 24 करोड़ रुपये है। ये आपात स्थिति में 160 मीटर तक पानी फेंककर आग बुझाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा बताई गई एक और आवश्यकता पूरी हो गई है। ये दमकल गाड़ियाँ जमीन पर लगी आग बुझा सकती हैं और तेज गति से आगे बढ़ सकती हैं। विजयपुरा हवाई अड्डे के मूल डिजाइन में ये सुविधाएँ शामिल नहीं थीं। बाद में, इसके अलावा कई और सुविधाएँ जोड़ी गईं। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रिया से जहाज द्वारा मुंबई पहुँचे इन वाहनों को वहाँ से ट्रक द्वारा विजयपुरा पहुँचाया गया। दमकल गाड़ियों के आने से हवाई अड्डे के उद्घाटन की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ गया है। पाटिल ने बताया कि अब केवल पर्यावरणीय मंजूरी बाकी है और उसे प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जो लोग कहते हैं कि गड्ढे हैं, उन्हें मोदी के आवास के सामने जाकर देखना चाहिए: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि राजधानी बेंगलूरु में गड्ढों का महिमामंडन करने वालों को दिल्ली जाकर देखना चाहिए। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर की सड़क पर गड्ढों की संख्या गिननी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हम अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। बेंगलूरु में बारिश के बावजूद, हम हर नगर निगम में हर दिन लगभग 200 से

1,000 गड्ढे भर रहे हैं। गड्ढे सिर्फ बेंगलूरु में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में आम हैं। यह समस्या दूसरे राज्यों में भी है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी बड़े-बड़े गड्ढे हैं। उन्होंने मीडिया और बड़ी आईटी कंपनियों को सलाह दी कि वे बेंगलूरु में गड्ढों का महिमामंडन और उसे बदनाम करना बंद करें और विकास में सहयोग करें। विपक्षी भाजपा इसे तूल दे रही है और इसकी आलोचना कर रही है। अगर भाजपा सरकार के समय सड़कों का रखरखाव ठीक से होता, तो अब समस्या क्यों होती? उन्होंने उन पर हमला करते हुए कहा है कि चुनाव नजदीक होने के कारण वे राजनीतिक आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बिहार के पटना में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हो रही है। वह इसमें भाग लेने के लिए बिहार के लिए रवाना हो रहे हैं, और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भी पहुँचेंगे। डी.के. शिवकुमार ने कहा कार्यसमिति पूरी होने के बाद हम बुधवार को वापस आएँगे।

कोर्ट ने फिल्म टिकट की कीमत 200 रुपये तय करने के सरकार के आदेश पर लगाई रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए सिद्धरामैया सरकार द्वारा राज्य भर के सभी सिनेमाघरों में फिल्म टिकटों की कीमत 200 रुपये तय करने के आदेश पर रोक लगा दी है। मल्टीप्लेक्स और होम्बले फिल्म्स ने सरकार के मूल्य निर्धारण आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाओं पर कार्रवाई करते हुए, उच्च न्यायालय ने सरकार के निर्देश पर अंतरिम रोक लगा दी है। दशकों से, फिल्म उद्योग गैर-कन्नड़ फिल्मों के प्रभुत्व और अत्यधिक टिकट शुल्क का हवाला देते हुए एक समान टिकट मूल्य निर्धारण प्रणाली की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर कई चर्चाएँ, तर्क और प्रतिवाद हुए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए, राज्य सरकार ने एक समान टिकट दर 200 रुपये तय की थी। हालाँकि, 200 रुपये की सीमा का जल्द ही विरोध शुरू हो गया, और यह तर्क दिया गया कि इससे बड़े बजट की फिल्मों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अंततः, सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए उच्च न्यायालय में याचिकाएँ दायर की गईं।

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति रवि होसमानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने सरकारी आदेश पर रोक लगा दी और आगे की कार्यवाही स्थगित कर दी।

पूर्व मंत्री सुरेश कुमार की माँ सुशीलम्मा का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री और राजाजीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक एस. सुरेश कुमार की माँ सुशीलम्मा का मंगलवार को निधन हो गया। शिक्षिका के रूप में सेवानिवृत्त हुईं सुशीलम्मा सार्वजनिक जीवन में सबकी शिक्षिका के रूप में जानी जाती थीं। सुरेश कुमार ने स्वयं सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा मेरी माँ, जिन्होंने मुझे पाला, बड़ा किया, सबकी सुशीलम्मा शिक्षिका, अब नहीं रहीं। सुबह उन्होंने मुझे छोड़ दिया। शिक्षिका सुशीलम्मा ने सेवानिवृत्ति के बाद बेंगलूरु स्थित लक्ष्मी नारायण सहकारी बैंक की निदेशक के रूप में कार्य किया

था। वह कुल 8 बार निदेशक चुनी गईं। सुशीलम्मा के निधन पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधायक के. गोपालैय्या और डॉ. अश्वथ नारायण सहित कई लोगों ने प्रार्थना की है कि ईश्वर उस परिवार को, जिसने अपनी माँ को खो दिया है, यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

ग्रामीणों ने अवैध रूप से गोमांस ले जा रहे वाहन में लगाई आग

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के कागवाड़ तालुका के ऐनापुर गाँव में रात के समय अवैध रूप से गोमांस ले जा रहे एक वाहन में ग्रामीणों द्वारा आग लगाने की घटना घटी। रायभागा तालुका के कुदाची कस्बे से हैदराबाद ले जाया जा रहा लगभग 7 क्विंटल गोमांस और वाहन जलकर राख हो गए। गोमांस ले जाए जाने की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने वाहन का घेराव कर उसे रोक लिया।

वाहन की जाँच करने पर उसमें गोमांस पाया गया। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने चालक को बाहर खींच लिया, उसकी पिटाई की और फिर वाहन में आग लगा दी।

घटना की सूचना मिलने के बाद कागवाड़ थाना पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। फिलहाल, एहतियात के तौर पर ऐनापुर गाँव में कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है और दो डीएसपी, चार सीपीआई और आठ पीएसआई सहित सौ से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस ने घटना की जाँच शुरू कर दी है और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कदम उठाए हैं।

कर्नाटक में बस किराए में संशोधन के लिए सरकार ने समिति गठित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य परिवहन निगमों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और किराया वृद्धि को राजनीतिकरण से बचाने के लिए, कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक विद्युत नियामक आयोग (केईआरसी) की तर्ज पर एक सार्वजनिक परिवहन किराया नियामक समिति (पीटीएफआरसी) के गठन हेतु एक मसौदा अधिसूचना जारी की है।

यह समिति राज्य परिवहन निगमों के बस किराए में संशोधन के लिए जिम्मेदार होगी। सरकार ने कहा कि बढ़ती परिचालन लागत के बावजूद, राजनीतिक कारणों से किराए में संशोधन में अक्सर देरी होती रही है। पिछले एक दशक में डीजल की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। 2014 में, दैनिक व्यय 7 करोड़ रुपये था, जो 2025 तक बढ़कर 13 करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि के दौरान, कर्मचारियों की लागत 6 करोड़ रुपये से बढ़कर 12 करोड़ रुपये प्रतिदिन हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों पर बोझ कम करने के लिए किराए में धीरे-धीरे वृद्धि की जा रही है। मसौदा अधिसूचना के अनुसार, कर्नाटक मोटर वाहन नियम, 1989 के तहत, समिति की अध्यक्षता सरकार के एक सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य सचिव या कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे। इसके दो सदस्य होंगे - एक सेवानिवृत्त मुख्य सचिव या कानूनी शिक्षा प्राप्त सचिव, और एक उद्योग या वित्त विशेषज्ञ। केएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

समिति सड़क परिवहन निगमों की वित्तीय स्थिति का अध्ययन करेगी और समय-समय पर किराया संशोधन की सिफारिश करेगी। इसके पास निगमों के वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन में सुधार के लिए विभिन्न अधिभार और शुल्क लगाने का सुझाव देने का भी अधिकार होगा। निर्देश के अनुसार, समिति को प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल के बाद विधानमंडल के दोनों सदनों में अपनी सिफारिशों की प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। वार्षिक रिपोर्ट 31 दिसंबर तक प्रस्तुत की जानी चाहिए।

साइबर बदमाशों ने भाजपा सांसद की पत्नी से डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले में 14 लाख रुपये ठगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साइबर धोखाधड़ी के एक नाटकीय मामले में, चिक्कबल्लापुर के भाजपा सांसद और पूर्व मंत्री डॉ. के. सुधाकर की पत्नी डॉ. प्रीति सुधाकर को मुंबई साइबर अपराध अधिकारी बताकर जालसाजों ने 14 लाख रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने एक विस्तृत वीडियो कॉल के जरिए एक फर्जी 'डिजिटल गिरफ्तारी' की योजना बनाई। मुंबई साइबर विभाग के अधिकारी होने का दावा करते हुए, अपराधियों ने डॉ. प्रीति पर विदेशों में अवैध वित्तीय लेनदेन से जुड़े होने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके निजी दस्तावेजों का सीमा पार मनी लॉन्ड्रिंग में दुरुपयोग किया गया है और कानूनी परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। जालसाजों ने 26 अगस्त को वीडियो कॉल के जरिए उनसे संपर्क किया और धमकी दी कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सत्यापन के लिए उनसे धनराशि स्थानांतरित करने की माँग की और उन्हें आश्वासन दिया कि आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार 45 मिनट के भीतर धनराशि वापस कर दी जाएगी। उनके दावों पर भरोसा करके, उन्होंने बताए गए खाते में 14 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए। पैसे मिलने के बाद, जालसाजों ने संपर्क तोड़ दिया और गायब हो गए। ठगी का एहसास होने पर, डॉ. प्रीति ने बेंगलूरु के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए, एक प्राथमिकी दर्ज की और धोखाधड़ी वाले बैंक खाते को फ्रीज कर दिया।

चूँकि शिकायत बेहद जरूरी 'सुनहरे समय' में की गई थी, इसलिए अधिकारियों ने पूरे 14 लाख रुपये सफलतापूर्वक वसूल लिए। साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का पता लगाने के लिए जाँच जारी है। हालाँकि, अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

डीसी ने अत्याचार के मामलों में त्वरित राहत के निर्देश दिए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपायुक्त दर्शन एच.वी. ने निर्देश दिया है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत पंजीकृत सभी मामलों में शीघ्र राहत स्वीकृत की जाए। वे सोमवार को उपायुक्त कार्यालय में जिला सतर्कता एवं निगरानी समिति और घुमंतू विकास निगम समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद बोल रहे थे। उपायुक्त ने बताया कि अधिनियम के तहत जिले में दर्ज सभी अत्याचार के मामलों में मुआवजा स्वीकृत कर दिया गया है।

उन्होंने अधिकारियों को न्यायालय में लंबित आपराधिक मामलों में प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठाने के निर्देश दिए। 1 जनवरी से 15 सितंबर, 2025 तक जिले में कुल 42 अत्याचार के मामले दर्ज किए गए हैं। समाज कल्याण विभाग की उप निदेशक हेमलता ने बताया कि अब तक 34.10 लाख रुपये मुआवजे के रूप में वितरित किए जा चुके हैं और 22 मामलों में आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं। जिला पंचायत के सीईओ नरवड़े विनायक करबारी, पुलिस अधीक्षक अरुण के, पुलिस उपायुक्त मिथुन, मेंगलूरु उप-विभागीय अधिकारी मीनाक्षी आर्य और अन्य उपस्थित थे।

मदारिया साजनान संघ का ऐतिहासिक स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु स्थित मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ का वार्षिक समागम स्नेह मिलन 2025 अत्यंत उत्साह, भव्यता और सक्रिय सहभागिता के साथ ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न हुआ। संघ अध्यक्ष ललित कुमार मांडोत के नेतृत्व में पंकज श्रीमाल द्वारा मंगलाचरण और उसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रमुख वक्तव्य में अध्यक्ष ललित मांडोत ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी का साथ समाज के प्रत्येक आयोजन को गौरवान्वित करता है। हम सभी संगठित होकर संघ को नई दिशा देंगे और समाज को मजबूत बनाएंगे। आंजना संघ अध्यक्ष ईश्वर श्रीमाल ने कहा मदारिया साजनान संघ का 105 वर्षों का गौरवशाली इतिहास रहा है। हमें मर्यादाओं और नियमों का पालन करते हुए युवा पीढ़ी को इसे और आगे बढ़ाने की प्रेरणा देनी चाहिए। सुरेश दक ने कहा समाज का नेतृत्व शिष्टता, इष्टता और निष्ठता पर आधारित होना चाहिए। संघ सेवा, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम प्रस्तुत कर रहा है। हमें अपने अर्जन का विसर्जन समाजहित में करना चाहिए। आंजना संघ मंत्री महावीर पोखरना ने कहा समाज के पदाधिकारियों को सदैव मर्यादित एवं अनुशासनप्रिय रहना चाहिए। अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार और सुझाव रखें। आयोजन के प्रमुख आकर्षण में 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों का सम्मान, मेधावी विद्यार्थियों का प्रोत्साहन एवं सम्मान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर उल्लेखनीय रहे। सभी समाजबंधुओं की परिवार सहित उपस्थिति एवं सहयोग से यह आयोजन केवल एक स्नेह मिलन न होकर मेवाड़ की परंपराओं, संस्कारों और समाज की एकता का उत्सव बन गया। मुंबई से पधारे 'शानदार' शांतिलाल गोलेच्छा द्वारा संस्कार प्रेरणा पर अविस्मरणीय प्रस्तुति दी गई। मशहूर गायक सुनील बाफना द्वारा पारिवारिक संगीत स्नेह संगम की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। जीतो के तेजराज गोलेच्छा की विशेष उपस्थिति रही।

संयोजक दिनेश पोखरणा और उनकी टीम के अथक परिश्रम, समर्पण और अद्धितीय टीम भावना का प्रत्यक्ष प्रमाण रहा। आयोजन की सफलता के लिए उन्होंने सभी टीम सदस्यों के सहयोग एवं अवसर के लिए अभिवादन किया। सभी प्रायोजक परिवारों का सम्मान स्मृतिचिह्न, शाल व माला से किया गया। इस अवसर पर मैसूरु अध्यक्ष विमल पितलिया, मंत्री नेमीचंद श्रीमाल, हैदराबाद अध्यक्ष सुरेश कोठारी, मंत्री महावीर भटेवरा व चेन्नई सहित अन्य नगरों के पदाधिकारियों सदस्यों की उपस्थिति रही। स्नेह मिलन में वरिष्ठ पर्यवेक्षकगण, मंत्रीमंडलगण, समन्वय समिति, प्रभारीगण, सहप्रभारीगण, कार्यकारिणी, संयोजकगण एवं संघ से जुड़ी सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। आभार ज्ञापन सह मंत्री नेमीचंद दलाल एवं संगठन मंत्री प्रवीण दक ने व्यक्त किया।

प्रतिक्रमण आत्मा को पावन-पवित्र करता है: साध्वी उपमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन धर्म के छह आवश्यकों में से चौथा आवश्यक प्रतिक्रमण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है जीवन में हुए दोषों या गलतियों का पश्चाताप करना और उनसे मुक्त होना।

साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपमा ने अपने प्रवचन में कहा अतिक्रमण का अर्थ है मर्यादा का उल्लंघन करना, और प्रतिक्रमण का अर्थ है आत्मा का परीक्षण करना। प्रतिक्रमण पीछे मुड़कर आत्मनिरीक्षण करने की साधना है। दोषों की आलोचना ही प्रतिक्रमण है। पूर्व में हमसे जो पाप हुए हैं, उनसे मुक्त होने का साधन प्रतिक्रमण है। मन, वचन और काया के अशुभ योगों से शुभ योगों की ओर आने का मार्ग प्रतिक्रमण ही है। जिस प्रकार हम प्रतिदिन शरीर की शुद्धि करते हैं, उसी प्रकार आत्मा की शुद्धि भी प्रतिदिन प्रतिक्रमण द्वारा करनी चाहिए। प्रतिक्रमण से पापों का दायरा सीमित होता है, व्रतों में सिद्धि आती है और आस्था बढ़ती है। आत्मा पवित्र बनती है। जब भी हम दोषों के भागीदार बनें या मन में बुरे विचार आएँ, तुरंत प्रतिक्रमण करना चाहिए। प्रतिक्रमण प्रायश्चित द्वारा दोषों को मिटाने का साधन है, जिससे आत्मा हल्की हो जाती है और कर्म क्षीण हो जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी कार्य को यदि शुद्ध भावों से नहीं करेंगे तो वह सार्थक नहीं होगा। प्रतिदिन प्रतिक्रमण के अभ्यास से हम अपने जीवन को शुद्ध, सार्थक और सफल बना सकते हैं। इसी अवसर पर त्रिशला महिला मंडल द्वारा श्राविकाओं के लिए 'दया' का आयोजन किया गया, जिसमें सौ से अधिक महिलाओं ने दया के प्रत्याख्यान लिए। साथ ही संघ के तत्वावधान में चल रहा अष्टदिवसीय एक्यूप्रेशर शिविर बुधवार को संपन्न होगा। आभार ज्ञापन युवाध्यक्ष धीरज नाहर ने किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

नई कार्यकारिणी एव भामाशाहों का किया अभिनन्दन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शिव गौसेवा भजन मण्डल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में नव गठित ट्रस्ट की कार्यकारिणी तथा भामाशाहों का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संस्थापक हनुमानराम पंवार, सभापति मोतीलाल गहलोत, अध्यक्ष बाबूलाल तंवर, उपाध्यक्ष राकेश कुमावत, मंत्री पर्वत सिंह राजपुरोहित, सह मंत्री प्रकाश भाटी, कोषाध्यक्ष राम किशन प्रजापत, कैलाश पटेल, सह कोषाध्यक्ष रामरतन शर्मा, सलाहकार पारस सीरवी, प्रकाश जैन, संगठन मंत्री किशन राजपुरोहित, सलाहकार मंत्री माधुराम सीरवी, रामपाल प्रजापत, सचिव सुनील सुंदेशा, व्यवस्था मंत्री हनुमानराम प्रजापत, सह संगठन मंत्री विष्णु सोनी, प्रचार मंत्री मीठालाल भाटी, संस्कृति मंत्री मेहराम प्रजापत, सूचना मंत्री रमेश सुंदेशा, कार्यकारिणी सदस्य सुनील सेन, रामप्रसाद प्रजापत, विक्रम देवासी का ट्रस्ट की ओर से अभिनन्दन किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा आरपीसी लेआउट में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने गणपति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। हर्ष मुतालिक एवं नवीन सेठ ने मुणोत को सम्मानित किया।

वृक्षारोपण अभियान के साथ अश्व प्रतिमा का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वच्छता ही सेवा 2025 के एक भाग के रूप में, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने सोमवार को पर्यावरणीय स्थिरता और जन जागरूकता पर केंद्रित कई कार्यक्रमों के साथ इस अभियान का आयोजन किया। इस दिन का एक प्रमुख आकर्षण बेंगलूरु मंडल के कई स्थानों पर आयोजित बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान था। केएसआर बेंगलूरु स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर, मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा पौधे लगाए गए। कृष्णराजपुरम, सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, यशवंतपुर, श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम, हिंदूपुर, धर्मपुरी, होसूर और बंगारपेट में भी इसी तरह की वृक्षारोपण गतिविधियाँ की गईं, जिनमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दिन का एक अनूठा आकर्षण यशवंतपुर के कोचिंग डिपो में एक घोड़े की मूर्ति का अनावरण था। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान की अपशिष्ट से कला पहल के तहत बनाई गई यह मूर्ति स्प्रिंग, लोहे की छड़, ट्रॉली के पहिये, बोल्ट, नट और पहियों जैसी बेकार सामग्री का उपयोग करके बनाई गई थी। इसे सी.पी. श्रीधर, वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर, कैरिज एंड वैगन, यशवंतपुर द्वारा डिजाइन किया गया था। इस संरचना का उद्घाटन डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह ने किया। उनके साथ एडीआरएम परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी धर्मेंद्र सीरवी और कोचिंग डिपो अधिकारी प्रशांत सिंह भी मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर क्षेत्र के भाजपा विधायक सुरेश कुमार की माताजी सुशीलम्मा (अध्यापिका) का निधन बसवेश्वरनगर स्थित निवास स्थान में हो गया। जिसके बाद तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर ने राजाजीनगर तेरापंथ सभा के पूर्व मंत्री महावीर मेहता से वार्तालाप कर नेत्रदान करने हेतु प्रेरित करने का आग्रह किया। महावीर मेहता ने विधायक से बात कर नेत्रदान हेतु स्वीकृति ली। उसके बाद डॉ. राजकुमार ऑई बैंक (नारायण नेत्रालय) द्वारा नेत्रदान करवाया गया। नेत्रदान के पश्चात प्रमाणपत्र दिया गया। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, सुरेश कुमार की धर्मपत्नी डॉ.सावित्री, महालक्ष्मी लेआउट क्षेत्र के भाजपा विधायक गोपालैय्या की भी उपस्थिति रही। तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर एवं सभा के पूर्व मंत्री महावीर मेहता का विशेष सहयोग रहा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने धूमधाम से मनाई महाराज अग्रसेन की 5149वीं जयंती

महाराज अग्रसेन के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन सेंटर 3 में महाराज अग्रसेनजी की 5149वीं जयंती को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस भव्य कार्यक्रम में आईटी मंत्री श्रीधर बाबू, तेलंगाना सरकार के सलाहकार वेणुगोपाल चारी, पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी और अर्बन कंपनी के सीईओ वरुण खेतान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने सभी अग्रबंधुओं को जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेनजी द्वारा 5000 साल पहले स्थापित एक रुपया, एक ईंट और समाज सेवा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समाज तभी विकसित हो सकता है जब हम सभी को साथ लेकर चलें। मंत्री ने अग्रवाल समाज की देश के राजस्व में 20 प्रतिशत के योगदान की सराहना की और कहा कि जहाँ भी सेवा का कार्य होता है, वहाँ अग्रवाल समाज का नाम अवश्य होता है।

उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना सरकार सभी वर्गों, जैसे किसान, युवा और महिलाओं को साथ लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना निवेश के क्षेत्र में देश में सबसे आगे है और मुख्यमंत्री की उदार नीतियों के कारण कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ यहाँ अपना काम शुरू कर चुकी हैं। मंत्री ने अग्रवाल समाज के उद्यमियों और व्यापारियों से भविष्य में भी राज्य के विकास में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने समाज द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों जैसे अन्नदान, गौ सेवा, विधवा पेंशन और महिला सशक्तिकरण की भी प्रशंसा की।

डॉ. वेणुगोपाल चारी ने अग्रवाल समाज को एकजुटता के साथ सेवा कार्यों में योगदान देने के लिए बधाई दी और इसे सभी के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया। उन्होंने 'राइजिंग तेलंगाना' के मुख्यमंत्री के लक्ष्य में निवेश कर राज्य की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अपने 81 दिनों के कार्यकाल के दो प्रमुख लक्ष्यों के बारे में बताया। पहला, सदस्यता अभियान के तहत एक लाख समाजबंधुओं को जोड़ना और दूसरा, प्रिविलेज कार्ड की सुविधा प्रदान करना, जिससे 400 से अधिक सर्विस प्रोवाइडर्स को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों को दिसंबर तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। सलाहकार बद्रीविशाल बंसल ने बताया कि सदस्यता अभियान के पहले चरण में 11,000 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ. गिरीश संघी और अर्बन कंपनी के सीईओ वरुण खेतान (उनके पिता नरेंद्र खेतान ने यह सम्मान ग्रहण किया) को अग्र रत्न से सम्मानित किया गया। सह-मंत्री और जयंती की प्रधान संयोजक डॉ. सीमा जैन ने सभी का स्वागत करते हुए दानदाताओं, प्रायोजकों, समाज बंधुओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राजीव गांधी एयरपोर्ट के डीआईजी एस. के. मोहनका, कमांडेंट ओम हरि सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी, शाखा अध्यक्ष, संयोजक और बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में समाज अध्यक्ष: अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष: रूपेश अग्रवाल, मानद मंत्री: विकास केशान, सह सचिव और मुख्य संयोजिका: डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और सहसंयोजक: अचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष: मनीष गुप्ता तथा अन्य पदाधिकारियों में दिनेशचंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया, दीपा भालोटिया, बद्रीविशाल बंसल, डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल, चंद्रकांत डाकोतिया, विनोद कुमार अग्रवाल, हरीश गुप्ता, शरद बी. पित्ती, सुरेंद्र अग्रवाल, डॉ. आर. एन. गुप्ता, सुरेश कुमार सिंघल, रामकुमार गोयल, विनय सी. अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, करोड़ीमल अग्रवाल, अजीत गुप्ता, मेघराज अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद नरेठा, सुभाष अग्रवाल, नरेश कुमार चौधरी, गोविंद अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, पुरुषोत्तम गुप्ता, कपिश अग्रवाल, सुभाषचंद अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, हेमंत डियोरा, अंशुल अग्रवाल, रोशन अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, शिखा गोयल, संजीव कुमार अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, डिम्पल अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, मुकेश कुमार अग्रवाल, उमेश गुप्ता, प्रवीण कुमार जैन, नवीन बंसल, सुनील कुमार अग्रवाल, अनिल कुमार केड़िया, कैलाशचंद केड़िया, नकुल गुप्ता, ऊषा अग्रवाल, संजय गोयल, सुमित कुमार बंसल, तरुण तुलस्यान, अशोक पोद्दार, अशोक अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, शशि कुमार जालान, प्राची अग्रवाल, हरिकिशन सौंथलिया, डॉ. दिलीप पंसारी, रीना गुप्ता, संजीव गुप्ता, विनीत कुमार गोयल, बृजराज अग्रवाल, गीता अग्रवाल, के.पी. अग्रवाल, अनिल धरसुवाला, दीपा अग्रवाल, उमेश कुमार जिंदल, प्रिया अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, सज्जन कुमार सराफ, संजय कुमार अग्रवाल, महेश कानोडिया, साई प्रसाद गुप्ता, अमित अग्रवाल, सरला शाह, अशोक जिंदल, निशा गुप्ता, काश्वी जैन, राजकुमार पंसारी, संजय कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, पवन नरेठा, महेंद्र खेतान, मुन्नालाल अग्रवाल, पंकज कुमार संघी, करण गोयल, रेखा अग्रवाल, हर्ष बंसल, प्रशांत अग्रवाल, राहुल गोयल, हृदय अग्रवाल, विनय कुमार गुप्ता, हेमलता, वर्षा अग्रवाल, विनोद गुप्ता, सीए जयप्रकाश गोयल, दिनेश शाहबाजपुरिया, प्रदीप कुमार अग्रवाल, हार्दिक अग्रवाल, दीपक गोयल, समीक्षा केड़िया, गोपाल अग्रवाल, प्रशांत धनावत, रिंकु गर्ग, मोहित अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, जितेंद्र कुमार मित्तल, सोनू अग्रवाल, रानी मित्तल, गर्व अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल, धीरज खेतान, मांगीलाल धानुका, प्रतिमा अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, अनिल गोयल, सीमा मोदी, कविता अग्रवाल, उमा शंकर गोयनका, कृष्ण कुमार अग्रवाल, रतीश केड़िया, प्रफुल्लचंद, पूर्वा गुप्ता, पंकज मित्तल, दीपा भालोटिया, रितु अग्रवाल, विमल सराफ, दौलत नरसिंहपुरिया, सर्वेश कानोडिया, प्रवीण अग्रवाल, मनोज मित्तल, सुशील जालान, पूजा गुप्ता, हनुमानदास अग्रवाल, संजय भालवाले, नवीन कुमार अग्रवाल, प्रशांतदेव गुप्ता, राकेश कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गनेरीवाल, महेश कुमार अग्रवाल, पवन कुमार टिबड़ेवाल, संजय अग्रवाल, नवलकिशोर अग्रवाल, रमेश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, दुर्गाप्रसाद बंसल, नवीन कुमार अग्रवाल, विजय कुमार जैन, समीर भगत, सुरेश धुवालिया, नरेश गोयल, सतीश कुमार गोयल, अनिल कुमार गर्ग, प्रदीप अग्रवाल, विशम्भर अग्रवाल, संतोष टांटिया, सुरेश अग्रवाल, राकेश पचेरिया, सज्जन अग्रवाल, राजेंद्र शशि, सुनील अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, विपिन कुमार अग्रवाल, रमा बाजोरिया, अजय अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राजेश कुमार गोयल, महेंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, रमेशचंद्र अग्रवाल, महेश नरेठा, अनिल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, सुरेशचंद गुप्ता, रितेश अग्रवाल, अनु केड़िया, रोहित जैन, शिव कुमार अग्रवाल, हरिगोविंद प्रसाद, सतीश कुमार अग्रवाल, रामगोपाल दादावाले, सुनील कुमार केड़िया, प्रतीक कुमार नरसरिया, सुभाष गर्ग, गिरध-ारीलाल अग्रवाल, पवन टिबरेवाल, अशोक बंसल, हेमचंद गुप्ता, संजय गुप्ता, दीपक अग्रवाल, संदीप मित्तल, गोविंद पित्ती, पंकज गोयनका, राकेश कुमार जालान, श्यामसुंदर अग्रवाल, रमेश गुप्ता, शिवशंकर भगेरिया, सुमन गुप्ता, नरेंद्र कुमार गोयल, आनंद अग्रवाल, राजेश सिंघल, सचिन गोयल, कैलाश बंसल, बीना अग्रवाल, निधि अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, ममता अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, प्रीति गोयल, सुनैना नरसरिया, बिंदु गुप्ता, कविता गोयल, कविता संघी, आरती अग्रवाल, सुनीता तुलस्यान, प्रियंका डोकानिया, सुमन अग्रवाल, शिल्पा धानुका, किरण अग्रवाल, शीतल रूंगटा, चिराग गादिया, लोकेश संघाई, अर्पित गोयल, शिवेश गोयल, महक संघी, राम अग्रवाल, अभिनव मोर, अभय अग्रवाल, जया अग्रवाल, केशव सराफ, रजत केड़िया, अमन बंसल, राहुल कुमार गुप्ता, मयंक अग्रवाल, कृष्णा खेतान, हर्ष अग्रवाल, तान्या अग्रवाल, कनक अग्रवाल, उत्कर्ष तालुका, ऋषभ जैन, विनीत कुमार अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, सुधांश अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, सूर्यकमल गुप्ता, संजय पंसारी, दिनेशचंद अग्रवाल, कमल अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, सुरेश टंडन, प्रेम अग्रवाल, जिला समन्वयक महेंद्र अग्रवाल, मुकुंदलाल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, टी. सुनील कुमार, डी. पी. अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव में भाग लिया

हैदराबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी के साथ मिलकर महाराज अग्रसेसन जयंती के अवसर पर हैदराबाद के बंजारा हिल्स में स्थापित महाराजा अग्रसेन की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

यह आयोजन बंजारा हिल्स स्थित महाराजा अग्रसेन चौक, रोड नंबर 12 पर 5149वें जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ, उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद, हैदराबाद की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी और खैरताबाद के विधायक दानम नागेन्दर ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने समाज बंधुओं को महाराजा अग्रसेन की 5149वीं जयंती की शुभकामनाएँ दीं। डॉ. गिरीश कुमार संघी की अध्यक्षता में, समाज बंधुओं ने सभी अतिथियों का मंच पर पुष्पमाला और शॉल भेंट कर विशेष सम्मान किया।

श्री फलौदी खीचन लोहावट जैन संघ का तृतीय सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री फलौदी खीचन लोहावट जैन संघ का तृतीय सम्मेलन श्री त्रिभुवन पार्श्वनाथ 72 जिनालय, मेदचल में धूमधाम से संपन्न हुआ। संघ के सदस्य बाजे-गाजे के साथ मेदचल तीर्थ पहुँचे। नाश्ते के बाद, सभी ने पूजा के वस्त्र धारण किए और अष्टप्रकारी पूजा सामग्री के साथ प्रभु के दर्शन किए। इस धार्मिक कार्यक्रम में योगेश जी झबक और राकेश जी झबक की टीम द्वारा स्नात्र पूजा की गई। पूजा के बाद, सभी भक्तों ने भोजन किया और फिर संघ का सम्मेलन हुआ। सुनील पारिख और धर्मेंद्र झबक ने पूरे वर्ष के कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। सम्मेलन के दौरान कई तरह के खेल भी आयोजित किए गए और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सम्मेलन का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रकाशजी, अशोकजी, सुभाषजी लूनिया, सुरेशजी, किशोरजी गो-लेचा, पृथ्वीराजजी, सुनीलजी, अनिलजी, कुशलजी, स्वरूपजी, दिलीपजी, विकासजी पारख, मधुरजी बाफना, धर्मेंद्रजी, विजयजी, शुभम जी कोचर, मनोजजी, संजयजी, करुणजी, ललितजी, महावीरजी बैद, धर्मेंद्रजी, योगेशजी, राकेशजी, तनुजजी झबक, महावीरजी लालवानी और कई अन्य सदस्यों ने भाग लिया। अंत में, प्रकाश जी लूनिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया।

अ. भा. तेरापंथ महिला मंडल अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर पर महानगर श्रेणी में हैदराबाद महिला मंडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 50वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन अहमदाबाद में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में 270 से अधिक क्षेत्रों से लगभग 1200 बहनों ने भाग लिया।

हैदराबाद से वर्तमान अध्यक्ष नमिता सिंघी, निवर्तमान अध्यक्ष कविता आच्छा, मंत्री निशा सेठिया, उपाध्यक्ष सुशील मोदी और प्रभा दुगड़, सह-मंत्री मीनाक्षी सुराणा और प्रचार-प्रसार मंत्री मनीषा सुराणा और हर्ष लता दूधोडिया ने इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर गुरुदेव ने कहा कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तेरापंथ की सक्रिय संस्थाओं में से एक है और सराहनीय कार्य कर रही है। साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा जी ने भी बहनों के निस्वार्थ सेवाभाव की सराहना की और उन्हें पद पर रहते हुए या पदमुक्त होने के बाद भी संघ सेवा की भावना से कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने हैदराबाद तेरापंथ महिला मंडल को एक सक्रिय संस्था बताते हुए कहा कि इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीतकर ऊँचाइयों को छुआ है।

अधिवेशन में दो वर्षों (2023-25) के कार्यों का मूल्यांकन किया गया। इसी कड़ी में, हैदराबाद महिला मंडल को महानगर श्रेणी में पूरे भारत में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, मंडल को 22 ट्राफियों और सम्मान पत्रों से सम्मानित किया गया, जो उनके विभिन्न कार्यों जैसे प्रवर्धन कार्यशाला, श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत, श्री उत्सव, 'एक बूँद एक सागर' जल संरक्षण में वाटर कूलर का उद्घाटन, तेला तप, प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला, ऑनलाइन क्लास, और भावना चौका आदि के लिए दिए गए।

इस अधिवेशन में हैदराबाद की सदस्यों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया: रंजू बैद ने 'तेरापंथ दर्शन' द्वितीय वर्ष में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रेखा संकलेचा ने 'तेरापंथ तत्व विद्या' भाग-2 में पूरे भारत में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

इन बहनों और मंडल को राष्ट्रीय स्तर पर मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में, हैदराबाद की सदस्या श्रीमती शिल्पा सुराणा का चयन एबीटीएमएमकी कार्यकारिणी सदस्य के रूप में हुआ।

निवर्तमान अध्यक्ष कविता जी आच्छा और मंत्री सुशीला मोदी के सफल नेतृत्व में 2023-25 का कार्यकाल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महिला मंडल की इन विशेष उपलब्धियों पर सभी ने बधाई दी।

हैदराबाद की एसेट एनएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सिद्धार्थ शाह और निशित शाह ने विजयवाड़ा स्थित होटल नोवोटल में केंद्रीय विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, उन्होंने हेरिटेज फूड्स की वाइस चेयरपर्सन और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की पत्नी एन. भुवनेश्वरी देवी से भी मुलाकात की।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गलत तरीके से अनुकंपा पर नौकरी पाने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों पर

एक्शन की तैयारी में योगी सरकार

बदायूं, 23 सितंबर (एजेंसियां)। जिन कर्मचारियों या शिक्षकों ने तथ्यों को छिपाकर मृतक आश्रित के रूप में नौकरी हासिल की है, तो ऐसे कर्मचारियों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। सभी विभाग ऐसे कर्मचारियों का पता लगाने में जुट गए हैं। इसकी जानकारी होने के बाद से ऐसे कर्मचारियों में खलबली मच गई है।

किसी भी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने पर उसके आश्रित को अनुकंपा नौकरी दी जाती है। यदि पति-पत्नी दोनों ही राजकीय सेवा में हैं और किसी एक की मृत्यु सेवा के दौरान होती है, तब आश्रित बच्चों को अनुकंपा नौकरी नहीं दी जा सकती। इसके सभी विभागों के उच्चाधिकारियों को निर्देश भी रहते हैं।

इसके बावजूद बहुत से अधिकारी तथ्यों की जांच किए बिना ही ऐसे कर्मचारियों या शिक्षकों को अनुकंपा नौकरी प्रदान कर देते हैं, जो पात्र की श्रेणी में नहीं आते हैं। जो कर्मचारी या शिक्षक तथ्यों को छिपाकर अनुकंपा नौकरी हासिल करते हैं, उसके पीछे उनके विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से मिलीभगत रहती है। गलत तरीके से अनुकंपा नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों की उनके विरोधियों द्वारा शासन स्तर पर शिकायतें की गई। तब मामले खुलकर सामने आए। हालांकि, विभागीय अधिकारियों ने शिकायतों के बाद ऐसे कर्मचारी शिक्षकों की फाइल तलब कर कर उनसे सारे तथ्य भी मांगे लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

अनुकंपा नौकरी गलत तरीके से लेने की शिकायत शासन स्तर पर होने के बाद से फिर से विभाग ऐसे कर्मचारियों की कुंडली खंगालने में जुट गए हैं। सूत्रों के अनुसार, तथ्यों को छिपाकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों में खलबली मची हुई है और वह अपने बचाव में हर स्तर पर जुटे हुए हैं। सभी विभाग अपनी रिपोर्ट शासन को भेजेंगे। इस बात का तभी राजफाश हो पाएगा कि कितने कर्मचारियों या शिक्षकों ने अनुकंपा नौकरी गलत तरह से प्राप्त की है।

नियम अनुसार वही व्यक्ति अनुकंपा नौकरी हासिल कर सकता है, जिसके माता या पिता में से एक व्यक्ति राजकीय सेवा में है और सेवा के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गई हो। ऐसे में उसके पति, पत्नी या बेटा बेटी को ही अनुकंपा नौकरी मिल सकती है। बाकी मृतक के भाई या अन्य को नहीं लेकिन बताते हैं कि निकायों में ऐसे लोगों को भी अनुकंपा के रूप में नौकरी दे दी गई है, जो उसके पात्र ही नहीं है। यदि निकायों में भी अनुकंपा के रूप में नौकरी लेने वाले सभी कर्मचारियों की जांच की जाए तो बहुत से कर्मचारी लपेटे में आ सकते हैं।

जब भी किसी व्यक्ति को अनुकंपा के रूप में नौकरी दी जाती है, तब संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उसके सारे तथ्यों की जांच की जाती है। उसके बाद ही संबंधित व्यक्ति को अनुकंपा नौकरी दी जाती है। ऐसे में स्पष्ट है कि किसी भी अधिकारी ने गलत तरीके से किसी कर्मचारी या शिक्षक को अनुकंपा नौकरी दी है तो उस अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ऐसे ही एक मामले में अपना आदेश सुनाया है जिसमें एक व्यक्ति ने तथ्यों को छिपाकर अनुकंपा नौकरी हासिल की है। इस व्यक्ति के माता-पिता दोनों ही राजकीय सेवा में थे लेकिन अनुकंपा नौकरी लेते समय इस व्यक्ति ने अपनी मां के शिक्षिका होने की बात छिपाई थी। यह मामला सामने आने के बाद अधिकारियों ने खोजबीन शुरू कर दी है।

मॉल के बाहर फायरिंग मामले में छह सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)। सुशांत गोल्फ सिटी में 19 सितंबर को प्लासियो मॉल के बार में हुए हंगामे और फायरिंग के मामले में पुलिस ने सोमवार को छह सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस ने आरोपियों के नाम नहीं बताए।

इसी मामले में पुलिस महिला डॉक्टर व तीन अन्य को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। 19 सितंबर को सुशांत गोल्फ सिटी के अंसल स्थित रिशिता मैनहट्टन अपार्टमेंट निवासी महिला चिकित्सक स्वाति मंगेतर प्रिंस वर्मा के साथ पलासियों मॉल घूमने गई थीं। प्रिंस के साथ उनके दोस्त संतकबीरनगर निवासी रोहित पटेल व बी-फार्मा छात्र गोमतीनगर निवासी हर्ष मिश्रा भी थे। बार में पार्टी के दौरान बाहर जाने की बात पर सुरक्षाकर्मियों की उनसे कहासुनी हो गई थी। हर्ष ने रोहित की पिस्टल से फायर कर दिया था। पुलिस ने केस दर्ज कर स्वाति उनके मंगेतर प्रिंस, रोहित व हर्ष को गिरफ्तार कर लिया था। अहिमामऊ पुलिस चौकी प्रभारी महेश कुमार सिंह ने 20 सुरक्षाकर्मियों पर भी केस दर्ज कराया था। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टर पर हमला करने वाले सुरक्षाकर्मियों की शिनाख्त की जा रही है।

लड़की के भाई ने युवक को ईंट-पत्थरों से पीटकर मार डाला

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)। शहर के सआदतगंज के लकड़मंडी हाता नूर बेग निवासी अली अब्बास (27) की सोमवार रात करीब एक बजे दूसरे समुदाय की युवती से प्रेम प्रसंग के आरोप में लाठी-डंडे से पिटाई कर दी गई। गंभीर हालत में पुलिस ने घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता आरिफ जमीर ने युवती के भाई हिमालय प्रजापति, उसके साथी स्थानीय निवासी सौरभ प्रजापति और सोनू कोरी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि युवती के भाई ने देर रात अली अब्बास को बहन से शादी कराने का झांसा दे कर घर बुलाया और उस पर हमला कर हत्या कर दी। इंस्पेक्टर संतोष आर्य ने बताया कि अली अब्बास का मोहल्ले की रहने वाली युवती से पिछले काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मामला परिजनों की जानकारी में आया तो आरोपियों ने अली अब्बास की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक अली अब्बास पर सआदतगंज थाने में मारपीट के दो केस दर्ज हैं। वहीं, उसका भाई अस्तर अब्बास सआदतगंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है और जेल में बंद है। उस पर कई थानों में मारपीट व लूट आदि के करीब एक दर्जन मुकदमें दर्ज हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक अली अब्बास पिछले चार- पांच साल से युवती के पीछे पड़ा था। इस मामले में अली अब्बास और युवती के परिजनों में कई बार झगड़ा हुआ था। सोमवार रात करीब 11 बजे अली अब्बास युवती के घर के बाहर खड़ा था। परिजनों के एतराज करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और अली अब्बास वहां से चला गया। उसके बाद एक बजे वो युवती के घर के पास दोबारा दिखाई पड़ा। गली में अंधेरा था। इसलिए स्थानीय लोग उसे चोर समझ कर पीटने लगे। इसी दौरान युवती का भाई हिमालय, सौरभ और सोनू भी घर से बाहर आ गए और ईंट गुम्मों से उस हमला कर दिया। आरोपी हिमालय व साथी सौरभ पेशे से मूर्तिकार हैं।

पूर्वांचल को मिलेगी बड़ी राहत, मंडलीय चिकित्सालय में स्थापित होगी एमआरआई यूनिट

वाराणसी, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्वांचल में सबसे पहले 20 करोड़ रुपये की लागत से मंडलीय चिकित्सालय में एमआरआइ यूनिट स्थापित होने जा रहा है। इससे निश्चित ही एक बड़े वर्ग को एक रुपये के पर्चे पर फायदा होने जा रहा है। अभी तक एमआरआइ मशीन न होने से मरीजों को मजबूरी में रेफर कर दिया जाता था, लेकिन अब सहूलियत मिलने जा रहा है।

पूर्वांचल की जनता पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में छह साल से एमआरआइ के इंतजार में है। सरकारी अस्पताल में एक रुपये के पर्चे पर गरीब जनता को लाभ मिल सके। इसके लिए आजमगढ़ और वाराणसी मंडल में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ के द्वारा भवन निर्माण कराया गया। वाराणसी में 12 मार्च 2019 को ही हैंडओवर भी कर दिया गया, लेकिन आजतक सुविधा का संचालन नहीं हो सका, लेकिन अब मरीजों का इंतजार खत्म होने जा रहा है।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान को छोड़ दें तो पूर्वांचल के सरकारी सिस्टम में एमआरआइ की व्यवस्था नहीं है। परिणाम बीएचयू में जांच के लिए कई माह तक की वेटिंग दर्द बढ़ाती है। प्रांतीय चिकित्सा सेवा में पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में छह साल पहले एमआरआइ मशीन लगाने की तैयारी थी। भवन भी बनकर तैयार हो गया, लेकिन मशीन लगना और संचालन होना तो दूर अब मेडिकल कालेज के लिए भवन टूटने जा रह है। ऐसे में नए स्थान की तलाश की जा रही है। आजमगढ़ में प्रस्तावित मशीन का भी यही हाल है। नौ दिसंबर 2024 को मंडलीय चिकित्सालय में निरीक्षण करने आए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से एमआरआइ मशीन स्थापित कराने के लिए दैनिक जागरण ने कोशिश की थी। इसके बाद 17 अप्रैल 2025 को एमडी एनएचएम एवं चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव डा. पिंकी जोवेल से बात की थी। इस पर उन्होंने सीएमओ को शीघ्र शुरू कराने को कहा था।

पं. दीनदयाल अस्पताल में एमआरआइ मशीन स्थापित कराने के लिए 2018 में प्रयास शुरू किया गया था। अब मेडिकल कालेज खोलना है। चिह्नित स्थान के दायरे में 96.81 लाख रुपये खर्च कर बनाया गया भवन भी आ गया। अब आयुष विंग, सीटी स्कैन सेंटर, ट्रामा सेंटर, साइकिल स्टैंड भी ध्वस्त करने पर निर्णय हो चुका है। ऐसे में वाराणसी मंडल के किसी भी सरकारी अस्पताल में एमआरआइ जांच की व्यवस्था नहीं है।

बीएचयू में इसके लिए पांच हजार से अधिक रुपये लिए जाते हैं। प्राइवेट अस्पताल में 15 से 20 हजार रुपये इस जांच में लग जाते हैं।

तीन टेक्सला का लेटेस्ट माडल एमआरआइ लगने जा रहा है। 22 सितंबर को सीएसआर फंड से प्रस्तावित कर दिया गया है। सीडीओ हिमांशु नागपाल और सीएमओ डा. संदीप चौधरी से सहमति के बाद यह तय हुआ है। एमआरआइ के संचालन के लिए एचएलएल कंपनी से कोशिश की जा रही है। साथ ही अगर पीडीडीयू अस्पताल में भी एमआरआइ मशीन लगवाने के लिए कोशिश सीडीओ के द्वारा की जा रही है।

गजरौला में जहरीली गैस से बिगड़े हालात, काबू करने में एनडीआरएफ को लगे पांच घंटे

गजरौला, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बेस्ट क्रॉप साइंस लिमिटेड द्वारा छोड़ी गई जहरीली गैस से बिगड़े हालात सामान्य करने में नोएडा से आई एनडीआरएफ की टीम को पांच घंटे का समय लगा।

एडीएम, एसडीएम, सीओ, ईओ, दमकलकर्मी सुबह पांच बजे तक फैक्टरी में रहकर जानकारी लेते रहे। रात में ही सूचना मिलने के बावजूद 15 घंटे बाद दोपहर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम फैक्टरी में पहुंची और रिसाव की जानकारी ली।

औद्योगिक क्षेत्र में रेलवे लाइन किनारे स्थित फैक्टरी में खेती में इस्तेमाल किए जाने वाली कीटनाशक दवाइयां बनाई जाती हैं। उसके वेयर हाउस में सोमवार रात करीब 50 टन कच्चा माल रखा था। जिससे पेस्टीसाइड बनाया जाता है। फैक्टरी के प्रशासनिक अधिकारी सुबोध कुमार गुप्ता ने बताया कि वेयर हाउस में रखे कच्चे माल में सीओ-2 व एनओ-2 का एक दूसरे के संपर्क में आ जाने के कारण रात करीब आठ बजे धुआं उठने लगा।

यह थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में फैल गया। आसमान में धुंध छा गई। अल्लीपुर भूड़, तिगरिया भूड़, लक्ष्मी नगर, नाईपुरा, हसनपुर मार्ग पर चौपला के साथ ही नजदीकी गांवों छोया, लिसड़ी बुजुर्ग, सिहाली जागीर आदि गांवों में भी कोहरे जैसी यह धुंध फैल गई। लोगों को सांस लेना दूभर हो गया। आंखों में जलन होने के कारण लोग घरों से बाहर निकल आए थे।

जिसकी जानकारी मिलने पर रात 11 बजे एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजलि कटारिया, एडीएम वित्त एवं राजस्व, ईओ ललित कुमार आर्य मौके पर पहुंचे। यहां पर छा रही धुंध से बिगड़े हालत देख एसडीएम ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम को सूचना दी। सूचना पाकर दमकल कर्मी भी पहुंच गए। प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए बनी टीम रात में नहीं आई।

वह सूचना मिलने के 15 घंटे बाद दोपहर एक बजे फैक्टरी में पहुंची। उधर रात में करीब एक 12 आई एनडीआरएफ की टीम फैक्टरी में गैस रिसाव पर काबू पाने में जुट गई। तड़के करीब 5 बजे तक उसने हालात पर काबू पाया। तब तक अधिकारी व कर्मचारी फैक्टरी में ही डटे रहे।

बेस्ट क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी का वेयर हाउस कच्चे माल से भरा हुआ था। उससे गैस का इस कदर रिसाव हुआ कि फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारियों की भी हालत बिगड़ने लगी। इस बीच नगर के लोगों की हालत खतरे में देख एडीएम व एसडीएम ने गैस रिसाव का ठिकाना वेयर हाउस को तोड़ने के निर्देश दिए। जिस पर हाइड्रा बुलाया गया। उसे तोड़ा गया। तब जाकर कुछ हालात सामान्य हुए। दोपहर को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने फैक्टरी का निरीक्षण किया। गैस रिसाव के कारणों की जानकारी ली।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने खारिज की धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण की योजना

अयोध्या , 23 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण के लिए प्रस्तुत की गई योजना को खारिज कर दिया है। एडीए ने सरकारी विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने का हवाला दिया है। बता दें कि यह जमीन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार राज्य सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित की गई थी। एक आरटीआई के जवाब में, एडीए ने 16 सितंबर को लिखे एक पत्र में कहा कि मस्जिद ट्रस्ट का आवेदन जो 23 जून, 2021 को प्रस्तुत किया गया था उसे खारिज कर दिया गया है। यह आवेदन लोक निर्माण, प्रदूषण नियंत्रण, नागरिक उड्डयन, सिंचाई, राजस्व, नगर निगम और अग्निशमन सेवा विभागों से मंजूरी के अभाव के कारण खारिज किया गया था।

दरअसल, सालों से विवादित अयोध्या राम जन्ममूमि बाबरी मस्जिद मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2019 को अपना फैसला सुनाया था। इस फैसले के मुताबिक

अयोध्या में एक प्रमुख स्थान पर मस्जिद और संबंधित सुविधाओं के निर्माण के लिए सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का आदेश दिया था। इसके बाद 3 अगस्त 2020 को तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट अनुज कुमार झा ने अयोध्या शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में जमीन का कब्ज़ा हस्तांतरित कर दिया। आरटीआई के जवाब में एडीए ने यह भी पुष्टि की कि मस्जिद ट्रस्ट ने परियोजना के लिए आवेदन और जांच शुल्क के रूप में 4,02,628 रुपये जमा किए थे।

इस अस्वीकृति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के लिए जमीन का आवंटन किया था और उत्तर प्रदेश सरकार ने भूखंड आवंटित किया था। मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि सरकारी विभागों ने अनापत्ति क्यों नहीं दी और प्राधिकरण ने मस्जिद की योजना को क्यों खारिज कर दिया।' उन्होंने कहा कि स्थल निरीक्षण के दौरान, अग्निशमन विभाग ने पहुंच मार्ग को लेकर चिंता जताई थी और कहा था कि प्रस्तावित मस्जिद और अस्पताल भवन के मानदंडों के अनुसार यह कम से कम 12 मीटर चौड़ा होना चाहिए, जबकि स्थल पर सड़क केवल लगभग छह मीटर चौड़ी है और मस्जिद के मुख्य प्रवेश द्वार पर केवल चार मीटर चौड़ी है। उन्होंने कहा, 'अग्निशमन विभाग की आपत्ति के अलावा मुझे अन्य विभागों की आपत्तियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सड़कों पर संघर्ष के रास्ते उतरेगी बसपा, लाई-चना खाएंगे रैली सफल बनाएंगे का दिया जाएगा नारा

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के आगामी 9 अक्तूबर को परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली रैली के लिए पार्टी युद्धस्तर पर तैयारियां हो रही हैं। राजधानी के जेल रोड स्थित कांशीराम स्थल पर बसपा सुप्रीमो मायावती इस रैली को संबोधित करेंगी, जिसमें केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। फिलहाल पार्टी का लक्ष्य 5 लाख लोगों को बुलाने का है, हालांकि संसाधनों के अभाव में समर्थकों को अपने साधनों से रैली में आने को कहा गया है।

बसपा ने इस रैली को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में 'लाई-चना खाएंगे, रैली को सफल बनाएंगे' का नारा दिया है। समर्थकों को यह संदेश

भी दिया गया है कि वह अपने साथ सूखा राशन लेकर आएं। पार्टी द्वारा आशियाना स्थित रमाबाई अंबेडकर स्थल पर उनके ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। जहां पर दलित महापुरुषों, कांशीराम और मायावती की उपलब्धियों वाले गाने भी बजाए जाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वह पूरे अनुशासन के साथ रैली स्थल जाएंगे और उसी तरह वापसी भी करेंगे। वहीं कई जिलों में बसपा के पदाधिकारी रेलवे से भी समन्वय स्थापित कर रहे हैं ताकि रैली में जाने वाले पार्टी समर्थकों को कोई असुविधा न हो। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि आगामी 9 अक्तूबर को राजधानी में बसपा समर्थकों का विशाल जमावड़ा होगा, जो बसपा सुप्रीमो मायावती के संदेश को सुनने आएंगे।

रैली को सफल बनाने की कवायद की जा रही है। खासकर बीते दिनों गांवों में आयोजित कैडर कैंपों में शामिल लोगों को अधिक से अधिक संख्या में लोगों को लाने को कहा गया है। कई जिलों मे रैली को सफल बनाने के लिए बहुजन जागरूकता बाइक रैली भी निकाली जा रही है। वहीं कुछ समर्थक रैली में लोगों को ले जाने के लिए क्राउड फंडिंग भी कर रहे हैं।

संपादकीय

'सस्ते दिनों' का शुभारंभ

इसमें प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन का विषय क्या था? जिस दिन जीएसटी परिषद ने दरें घटाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया था, उसके बाद ही देश को सांगोपांग जानकारी मिल गई थी कि जीएसटी सुधार लागू किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से भी राष्ट्र को संबोधित करते हुए दीपावली के 'दोहरे तोहफे' की बात कही थी। चूंकि शारदीय नवरात्रि से 'सस्ते दिनों' का आगाज हुआ है, लिहाजा जीएसटी सुधार लागू करने को शक्ति की उपासना के पर्व-दिवस से जोड़ दिया गया। यह प्रधानमंत्री के 20 मिनट के राष्ट्रीय संबोधन का विषय नहीं था। यदि इस संबोधन से जन-समर्थन जुगाड़ने की मंशा जुड़ी है, तो उस राजनीति के लिए प्रधानमंत्री को रोका नहीं जा सकता। जीएसटी पर राजनीति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने भी की है, जब उन्होंने बयान दिया कि 8 सालों में 55 लाख करोड़ रुपए जीएसटी के रूप में वसूल लिए गए। अब बिल्ली हज करने चली है। बहरहाल राजनीति को छोड़ कर हम जीएसटी सुधारों की बात करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'बचत का उत्सव' भी करार दिया है। इन सुधारों को देश की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी संकल्प से भी जोड़ा है, लिहाजा ये आह्वान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय संबोधन के लिए जरूरी महसूस किए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने देश को भरोसा दिलाया है कि जीएसटी सुधार लागू होते ही, नवरात्रि के सूर्योदय के साथ ही, 375 से अधिक वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। करीब 99 फीसदी वस्तुएं या तो 5 फीसदी जीएसटी के दायरे में होंगी अथवा बिल्कुल 'शून्य कर' वाली होंगी। मसलन कैंसर समेत 33 जीवनरक्षक दवाओं को बिल्कुल 'कर-मुक्त' किया गया है। यकीनन इन 'सस्ते दिनों' से गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिला, किसान, दुकानदार, व्यापारी, उद्यमी आदि को फायदा होगा। 'क्रिसिल' एजेंसी की ताजा रपट के मुताबिक, हर शहरी को हर माह औसतन 1819 रुपए और ग्रामीण को औसतन 1154 रुपए की बचत होगी। मासिक खर्च करीब 27 फीसदी तक घट सकता है। बेशक आम आदमी की जेब में पैसा होगा, तो उसकी क्रय-शक्ति और मांग में बढ़ोतरी होगी। मांग के साथ बाजार भी फलेगा-फूलेगा। बाजार में बढ़ोतरी होगी, तो कंपनियां और छोटे, कुटीर उद्योग भी अपने उत्पादन को गति देंगे। उसे बढ़ाएंगे। उत्पादन बढ़ेंगे, ज्यादा कारोबार होगा, तो देश की अर्थव्यवस्था का भी विस्तार होगा। 2025-26 वित्त वर्ष के अंत तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकेगा। इन संभावनाओं के साथ ही जीएसटी सुधारों की अग्नि-परीक्षा जुड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी का आकलन है कि इन सुधारों के लागू होने से देश के नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी, लिहाजा यह 'बचत का उत्सव' भी है। जीएसटी सुधारों के संदर्भ में सबसे अहम और बुनियादी सवाल यह है कि क्या खुदरा बाजार के स्तर पर आम ग्राहक को घटी दरों पर सामान मिलेगा? पुरानी एमआरपी वाली वस्तुएं भी क्या घटी दरों पर उपलब्ध होंगी? फिलहाल सरकार ने आश्वस्त किया है कि दुकानदार घटी दरों पर ही सामान बेचेंगे। जीएसटी रिटर्न फाइल करते समय दुकानदार इसे एडजस्ट कर सकते हैं। सवाल यह भी है कि क्या इन सुधारों को पूरी तरह लागू करने में केंद्र और राज्य सरकारों का परस्पर सहयोग संभव होगा, क्योंकि कई राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं? राज्य इन सुधारों को लागू जरूर करेंगे, लेकिन उन्होंने कहना शुरू कर दिया है कि दरें घटाने से उन्हें करीब 48,000 करोड़ रुपए का नुकसान होगा, लिहाजा केंद्र इसकी भरपाई की शुरुआत अभी से करे। विरोधाभास है कि आटा, चावल, गेहूं, दालें, ताजा सब्जियां, फल, दूध, दही, छाछ, अंडे, नमक, प्राकृतिक शहद और पेयजल (पैक्ड छोड़ कर) आदि के दामों पर कोई असर नहीं होगा। इनके अलावा, सोना-चांदी, पेट्रोल-डीजल, सिलेंडर, स्मार्ट फोन-लैपटॉप आदि पर जीएसटी पूर्ववत ही रहेगा। इनमें से कई वस्तुएं हमारी रोजमर्रा की जरूरतों की हैं। उन्हें सस्ता क्यों नहीं किया गया है? बहरहाल, विलासिता वाली वस्तुओं पर 40 फीसदी जीएसटी लगाना एक सही फैसला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से भी राष्ट्र को संबोधित करते हुए दीपावली के 'दोहरे तोहफे' की बात कही थी। चूंकि शारदीय नवरात्रि से 'सस्ते दिनों' का आगाज हुआ है, लिहाजा जीएसटी सुधार लागू करने को शक्ति की उपासना के पर्व-दिवस से जोड़ दिया गया। यह प्रधानमंत्री के 20 मिनट के राष्ट्रीय संबोधन का विषय नहीं था। यदि इस संबोधन से जन-समर्थन जुगाड़ने की मंशा जुड़ी है, तो उस राजनीति के लिए प्रधानमंत्री को रोका नहीं जा सकता। जीएसटी पर राजनीति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने भी की है, जब उन्होंने बयान दिया कि 8 सालों में 55 लाख करोड़ रुपए जीएसटी के रूप में वसूल लिए गए। अब बिल्ली हज करने चली है। बहरहाल राजनीति को छोड़ कर हम जीएसटी सुधारों की बात करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'बचत का उत्सव' भी करार दिया है। इन सुधारों को देश की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी संकल्प से भी जोड़ा है, लिहाजा ये आह्वान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय संबोधन के लिए जरूरी महसूस किए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने देश को भरोसा दिलाया है कि जीएसटी सुधार लागू होते ही, नवरात्रि के सूर्योदय के साथ ही, 375 से अधिक वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। करीब 99 फीसदी वस्तुएं या तो 5 फीसदी जीएसटी के दायरे में होंगी अथवा बिल्कुल 'शून्य कर' वाली होंगी।

भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग

भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है। निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है। भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी "अमेरिका फर्स्ट" नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम

अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए। पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी। अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं। वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है। चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीज़ा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-"स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती।" अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा।

देश दुनिया से

राहुल के निशाने पर सरकार या विपक्ष?

2024 के आम चुनाव से पहले खुद इंडिया ब्लॉक ने राहुल गांधी को गठबंधन का नेता मानने से इनकार कर दिया था। ममता और केजरीवाल का विरोध देख कांग्रेस बैकफुट पर थी। ऐन चुनाव के वक्त किसी फजीहत से बचने के लिए पार्टी ने किसी प्रकार मल्लिकार्जुन खड़गे को गठबंधन का अध्यक्ष बनवा लिया था। राहुल चाहे विपक्ष से पीएम कैंडिडेट नहीं बन सके पर खड़गे के अध्यक्ष चुने जाने से कांग्रेस की बड़े भाई वाली भूमिका किसी प्रकार सुनिश्चित हो सकी और यहीं से शुरू हुई राहुल को देश का नेता नंबर दो यानी विपक्ष का नेता नंबर एक बनाने की कवायद। आज कांग्रेस के थिंकटैंक की दृष्टि स्पष्ट है कि केंद्र से लेकर राज्यों तक मोदी का अगर कोई प्रतिद्वंद्वी हो तो वह सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी हों। 2024 के आम चुनाव और उसके बाद पांच राज्यों के चुनावों के नतीजों पर कांग्रेस के आंतरिक मंथन से यही निकलकर आया कि राज्यों में पार्टी की पकड़ बहुत कमजोर हो चुकी है, विशेषकर उन राज्यों में, जहाँ कोई तीसरा दल मजबूत है। यूपी, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली, पंजाब और बंगाल तक कांग्रेस पार्टी को भाजपा से अधिक नुकसान स्थानीय दल पहुंचा रहे हैं। कमजोर संगठन और बड़े चेहरे के अभाव के कारण चुनावों में क्षेत्रीय दलों के साथ आपसी खींचतान के बावजूद कांग्रेस को बहुत कम सीटें दी जाती हैं। इतनी कम कि वह राज्य में उसके गठबंधन की सरकार बन जाने पर भी पार्टी किसी परजीवी से अधिक नहीं दिखाई पड़ती। खस्ताहाल संगठन के भरोसे अकेले चुनाव लड़ना फिलवक्त कांग्रेस के बस का काम नहीं है। कांग्रेस के लिए गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य ज्यादा अच्छे हैं, जहाँ बुरी तरह चुनाव हार जाने पर भी वह भाजपा का अकेला विकल्प बनी रहती है। तीसरी शक्ति की उपस्थिति वाले राज्यों में कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व स्थापित करने के लिए ही पिछले दो-तीन वर्षों से लगातार राहुल गांधी कोई न कोई नया मुद्दा उठाकर राष्ट्रीय चर्चाओं के केंद्र में हैं फिर चाहे वह चीन द्वारा भारत की जमीन हड़पने का आरोप हो या अमेरिका में ही प्रतिबंधित कर दी गयी वित्तीय सलाहकार कंपनी हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और बाद में सरकार और सेना पर उंगली उठाना हो या अब वोट चोरी का मुद्दा। राहुल के

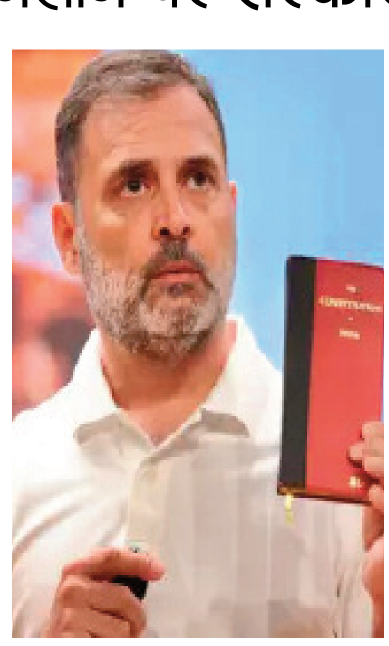

ये हमले प्रथम दृष्टया तो केंद्र सरकार पर हैं मगर इनके गर्भ में भाजपा विरोधी विचारधारा के मध्य उनकी राष्ट्रीय लोकप्रियता को शीर्ष तक पहुंचाना ही असल मकसद है। संक्षेप में कहें तो निशाने पर कोई और दिख रहा है जबकि निशाना है कहीं और ही। राहुल गांधी को राष्ट्रीय स्तर पर मोदी से मोर्चा लेने में सक्षम दिखाने के प्रयास 2018 से ही प्रारंभ हो चुके थे। संसद में कठोर बयानबाजी के शुरुआती प्रयास को सरकार ने अपनी साख-रक्षा में चौतरफा हमले से कमजोर कर दिया। उल्टा सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगकर पार्टी की किरकिरी ही हो गयी। इसके बाद पैदल यात्राओं का प्रयोग हुआ पर इसमें अत्यधिक समय और श्रम खर्चने के बाद भी अल्पसंख्यक समाज के बीच राहुल की वह छाप स्थापित नहीं हो सकी जिसकी अपेक्षा की जा रही थी। ऐसे में आगामी बिहार चुनावों से पहले कांग्रेस मीडिया की सुर्खियों के माध्यम से विपक्षी वोटों के खेमे में राहुल की लोकप्रियता को इस हद तक गहरा करना चाह रही है कि कांग्रेस अपने दम पर 30-35% तक वोट प्राप्त कर सके। कम से कम 25 फीसद तो हो ही। प्रयास यह है कि कांग्रेस का पुराना वोटर यानी मुस्लिम समुदाय राज्यों के चुनाव में भी पार्टी के साथ आए। कुछ दशकों से विधानसभा चुनावों में यह वोटर क्षेत्रीय दलों के साथ चला जाता है। यही कारण है कि क्षेत्रीय दल राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को ज्यादा तरजीह नहीं देते। यह विपक्षी वोटबैंक में सेंध लगाने की कांग्रेस पार्टी की महत्वाकांक्षा ही है जिसके कारण सभी गैर एनडीए दल मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए लगातार गैर लोकतांत्रिक प्रयोग कर रहे हैं। जानकारों का मानना है कि 2024 चुनावों के बाद इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन भी पसोपेश में है। केंद्र में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के बाद राज्यों के चुनाव में किसे समर्थन दिया जाए, इसे लेकर निश्चत रूप से असमंजस है जबकि दिल्ली चुनावों में कांग्रेस ने आआपा की हार सुनिश्चित कराकर विपक्षी वोटबैंक लॉबी को अपनी ताकत का अहसास भी करा ही दिया है। यही कारण है कि बिहार में आरजेडी हो या यूपी में सपा, दोनों ही पार्टियाँ कांग्रेस के निर्णय को लेकर सतर्क भी हैं और राहुल गांधी के साथ सहयोगी भी। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के कार्यक्रम निरस्त करने वाले विपक्षी दल आज कांग्रेस पार्टी के कैम्पेन में खुद सहयोगी बनकर खड़े हैं। मतलब कांग्रेस की रणनीति के पासे इस वक्त बिल्कुल सही पड़ रहे हैं। राहुल गांधी की सरकार विरोधी छवि आखिरी आदमी तक स्थापित हो जाने के बाद राज्यों में सीट बंटवारे के वक्त पार्टी को बैकफुट पर नहीं रहना पड़ेगा। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में मोदी के समक्ष विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा होने के नाते राहुल गांधी को चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार प्रोजेक्ट कराने का रास्ता भी खुल जाएगा। कांग्रेस की आक्रामकता बता रही है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में समूचा विपक्ष साथ दे या न दे, पार्टी राहुल गांधी को निश्चित रूप से चुनाव पूर्व ही बतौर पीएम कैंडिडेट प्रस्तुत करेगी। भाजपा के रणनीतिकार कांग्रेस की समूची मुहिम पर करीब से नजर बनाए हुए हैं हालांकि उन्हें विपक्षी वोटबैंक में राहुल की प्रसिद्धि बढ़ने से अधिक परेशानी नहीं है क्योंकि सीधे चुनाव में भाजपा अधिकतर कांग्रेस पर भारी पड़ती आयी है। यही कारण है कि राहुल गांधी के सनसनीखेज आरोपों के बावजूद पार्टी और सरकार का रुख अपेक्षाकृत लचीला है। भाजपा भी कई मौकों पर दो दलीय या राष्ट्रीय दलों वाले लोकतंत्र की पक्षधर रही है।

आप का नजरिया

ओबीसी संघर्ष की यात्रा

जनता के सामाजिक न्याय का रथ इस बार कांगड़ा से धर्मशाला की ओर निकला, तो ओबीसी मंसूबों की हरारत में आरक्षण की बीमारी के लक्षण जुबान पर आ गए। संविधान के प्रश्न पर देश की सियासत और राजनीति के चूल्हे पर चढ़ा ओबीसी आरक्षण का मुद्दा हिमाचल में अपनी रथयात्रा का पहला पड़ाव तय कर पाया। लगभग साढ़े तीन दशक पूर्व मंडल आयोग की सिफारिशों पर उद्वेलित हुआ माहौल फिर से सुलगा, तो यह आकस्मिक नहीं, बल्कि नजरअंदाज होते समुदाय की एक लंबी कहानी है। आरक्षण के 27 पेंच और दरख्वास्तें लाइलाज बना दी गईं, तो समझना यह भी होगा कि शनिवार को जो इकट्ठे हुए, तो वातावरण में असमानता के झंडे हवाओं से मुकाबिल थे। नारों में केवल हक की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में एक नई अंगड़ाई थी। पिछले कुछ समय से गिरिपार क्षेत्र को कबाइली स्टेटस की दरकार ऊंची हुई और पैरवी का आलम पंजीकृत हो गया। इससे पहले कांगड़ा का गद्दी समुदाय ट्राइबल अधिकारों की श्रेणी में आ चुका है, तो कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना के साथ-साथ कुछ अन्य जिलों के मतदान को सीधा प्रभावित कर ओबीसी समाज क्यों पीछे रह गया। शनिवार की रैली में जाहिर गुस्सा खेत की मेंढ से बाहर अब अपने अस्तित्व की पैरवी में लोकतांत्रिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों को पूरी तरह रेखांकित कर रहा था। ओबीसी समाज की वकालत बदली है, इस इश्तिहार की दरकार बदली है। अब यह एक पढ़ा-लिखा, जागरूक और जिंदादिल समाज की हैसियत से मैदान पर आया है। पैंतीस साल पहले यह आंदोलन ज्वलनशीलता को प्रमाणित कर रहा था, लेकिन अब इसमें इरादों, ऊर्जा, मंजिल और स्पष्टता का इजहार है। हिमाचल में ओबीसी एकता का यह एक नमूना भी रहा, जहां बैनर पर युवा चेहरा और मकसद में एक तयशुदा रणनीति शामिल हुई। कहना न होगा कि ओबीस आंदोलन में जो लय यहां पैदा हुई, उसका राष्ट्रीय महत्त्व पहचाना जा चुका है। ओबीसी समाज ने अपने संघर्ष के बिंदुओं को तराश लिया है, तथा एक बार फिर संविधान का 93वां संशोधन वकालत कर रहा है। आरक्षण के पैमानों में ओबीसी को 27 प्रतिशत का हिसाब और राजनीति में एक नया उछाल चाहिए। यह खतरा उन ओबीसी लीडरों को भी है, जो सत्ता की मलाई में समाज की अगुवाई नहीं कर पाए। पिछले कुछ सालों से ओबीसी की राजनीतिक लीडरशिप अपने हिस्से के प्रभाव को हासिल नहीं कर पाई, तो रमेश धवाला, सरवीण चौधरी और वर्तमान में प्रो. चंद्र कुमार के इर्द-गिर्द हाशिए ही हाशिए नजर आए हैं। ओबीसी समाज ने प्रत्यक्ष रूप में कई कल्याणकारी योजनाओं के आबंटन में हुई बेरुखी को इंगित किया है, तो समाज की मौजूदगी को प्रदेश के आर्थिक संसाधनों में दर्ज करने की पैरवी की है। यहां आरक्षण के तराजू से उपेक्षा के तराजू लड़ रहे हैं। सामाजिक उत्थान की जो पैरवी अनुसूचित व अनुसूचित जनजातीय वर्ग को हासिल हुई, उसके बरअक्स ओबीसी वर्ग की पहचान को न जमीं मिली और न ही आसमां हासिल हुआ। यह केवल शिक्षा में नहीं, बल्कि रोजगार के आवेदनों में भी इस वर्ग की शिकायत है। शिकायत है कि अगर कबाइली छात्रावास शिक्षण संस्थानों में बन गए, तो ओबीसी बच्चों के लिए छात्रावास कब बनेंगे। जाहिर है ओबीसी अब हर जगह हक के साथ स्थापित और प्रमाणित होना चाहते हैं, इसलिए कई प्रतीकात्मक मांगें भी उठी हैं। मसलन चौधरी हरिराम पार्क मटौर या पासू के ओबीसी भवन की अधूरी परिकल्पना से आजिज समाज अब जातीय आधारित मतगणना का शंखनाद भी कर रहा है। मांगों का एक बड़ा सिलसिला और संघर्ष का एक बड़ा काफिला धर्मशाला में गूंजता रहा। सियासत के लिए ओबीसी ने कुछ हलके चिन्हित कर लिए हैं, तो यह आंदोलन भविष्य की राजनीति का सूत्रधार होकर कई नेताओं के साम्राज्य को चुनौती भी दे गया। कुछ घर की बात थी, मगर सेंधमारी जहां हुई, वह छत दूसरे की चारदीवारी थी।

संविधान के प्रश्न पर देश की सियासत और राजनीति के चूल्हे पर चढ़ा ओबीसी आरक्षण का मुद्दा हिमाचल में अपनी रथयात्रा का पहला पड़ाव तय कर पाया। लगभग साढ़े तीन दशक पूर्व मंडल आयोग की सिफारिशों पर उद्वेलित हुआ माहौल फिर से सुलगा, तो यह आकस्मिक नहीं, बल्कि नजरअंदाज होते समुदाय की एक लंबी कहानी है। आरक्षण के 27 पेंच और दरख्वास्तें लाइलाज बना दी गईं, तो समझना यह भी होगा कि शनिवार को जो इकट्ठे हुए, तो वातावरण में असमानता के झंडे हवाओं से मुकाबिल थे। नारों में केवल हक की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में एक नई अंगड़ाई थी। पिछले कुछ समय से गिरिपार क्षेत्र को कबाइली स्टेटस की दरकार ऊंची हुई और पैरवी का आलम पंजीकृत हो गया। इससे पहले कांगड़ा का गद्दी समुदाय ट्राइबल अधिकारों की श्रेणी में आ चुका है, तो कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना के साथ-साथ कुछ अन्य जिलों के मतदान को सीधा प्रभावित कर ओबीसी समाज क्यों पीछे रह गया। शनिवार की रैली में जाहिर गुस्सा खेत की मेंढ से बाहर अब अपने अस्तित्व की पैरवी में लोकतांत्रिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों को पूरी तरह रेखांकित कर रहा था। ओबीसी समाज की वकालत बदली है, इस इश्तिहार की दरकार बदली है। अब यह एक पढ़ा-लिखा, जागरूक और जिंदादिल समाज की हैसियत से मैदान पर आया है। पैंतीस साल पहले यह आंदोलन ज्वलनशीलता को प्रमाणित कर रहा था, लेकिन अब इसमें इरादों, ऊर्जा, मंजिल और स्पष्टता का इजहार है।

कुछ अलग

प्रभु दृष्टि

रामकृष्ण परमहंस के एक शिष्य थे– मथुरा बाबू। एक बार उन्होंने बड़े प्रेम से एक सुंदर मंदिर बनवाया और उसमें भगवान विष्णु की मूर्ति की स्थापना करवाई। मूर्ति को उन्होंने बहुमूल्य वस्त्रों और आभूषणों से सजाया। एक रात कुछ चोर मंदिर में घुसे और मूर्ति से सारे आभूषण चुरा ले गए। मथुरा बाबू दुखी होकर दौड़े-दौड़े मंदिर पहुंचे। मूर्ति के सामने खड़े होकर उन्होंने भावुक होकर कहा, 'भगवान! आपके हाथों में गदा और चक्र हैं। फिर भी आप चोरों को नहीं रोक पाए? आपसे तो हम मनुष्य ही बेहतर हैं, कम से कम विरोध तो करते हैं!' रामकृष्ण परमहंस वहीं खड़े यह सब सुन रहे थे। वे मुस्कुराते हुए बोले, 'मथुरा बाबू, भगवान को तुम्हारी तरह गहनों का लोभ नहीं है, जो दिन-रात जागकर उनकी चौकीदारी करें। उन्हें किसी चीज की कमी नहीं। जो खुद सृष्टिकर्ता हैं, वे चंद आभूषणों के लिए अपने चक्र का प्रयोग क्यों करते?'

दृष्टि कोण

जल्द नहीं थमेगी सोने की कीमत

नौ सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 3673.95 डॉलर पर पहुंच गईं और इस साल अब तक सोने की कीमतों में 38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मजबूत निवेश मांग के चलते ऑस्ट्रेलियाई ऋणदाता एएनजेड समूह ने सोने की कीमत का अनुमान बढ़ाकर इस वर्ष के अंत तक 3800 डॉलर प्रति औंस कर दिया है। एएनजेड ने उम्मीद जताई है कि अगले जून तक कीमतें 4000 डॉलर के करीब पहुंच जाएंगी। कमजोर डॉलर, मजबूत केंद्रीय बैंक खरीददारी, नरम मौद्रिक रुख और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता ने सोने की बढ़ती कीमतों को बल दिया है। केंद्रीय बैंक की सोने की खरीद 2025 में 900 मीट्रिक टन से 950 मीट्रिक टन के बीच रहने का अनुमान है, जिसका अर्थ है कि वर्ष की दूसरी छमाही में 485 टन से 500 टन तक की खरीद होने की उम्मीद है। चीन के केंद्रीय बैंक ने अगस्त में अपने सोने के भंडार में काफी वृद्धि की जिससे लगातार सर्राफा की खरीद जारी रही। श्रम बाजार के लिए बढ़ते जोखिम के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व मार्च 2026 तक अपना नरम रुख जारी रख सकता है। इस वजह से अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड पर दबाव बढ़ेगा, जो सोने की खरीद को प्रेरित कर सकता है। एएनजेड ने सोने की तेजी और मजबूत ईटीएफ प्रवाह का हवाला देते हुए, वर्ष के अंत में चांदी की कीमत का लक्ष्य भी बढ़ाकर 44.7 डॉलर प्रति औंस कर दिया है। सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी : 1988 में सोने की कीमत 430 डॉलर प्रति औंस थी, जो सितंबर 2018 तक बढक़र 1195 डॉलर प्रति औंस हो गई, यानी 30 वर्षों में 3.43 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि। लेकिन पिछले 7 वर्षों में सोने की कीमत लगभग 17.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढक़र अब 3654 डॉलर तक पहुंच गई है। दुनिया भर के आर्थिक विश्लेषक सोने की कीमतों में उछाल के पीछे वैश्विक मौद्रिक और वित्तीय स्थितियों में महत्वपूर्ण बदलावों की ओर इशारा कर रहे हैं। भारत में सोने के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव है, जो शायद कई देशों में नहीं पाया जाता, और यही बात लोगों को यह जानने के लिए

उत्सुक बनाती है कि सोने की कीमतों में अचानक इतनी तेजी क्यों आई है। लोग, खासकर हमारी महिलाएं, अपनी बचत को सोने के रूप में रखने में गर्व महसूस करती हैं। अनुमान है कि दुनिया में कुल ज्ञात सोने में से, जो 187000 टन है, लगभग 25000 टन भारत में पाया जाता है, जो भारतीय घरों में ऐतिहासिक रूप से रखे गए सोने और समय के साथ दुनिया के बाकी हिस्सों से सोने की खरीद का परिणाम है। भारत के केंद्रीय बैंक, यानी भारतीय रिजर्व बैंक के पास 31 दिसंबर 2024 तक 876 टन सोना है, जो अब दुनिया में 8वां सबसे बड़ा भंडार है। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 में भारत का स्वर्ण भंडार दुनिया में 9वां सबसे बड़ा था। लेकिन दिसंबर 2023 और दिसंबर 2024 के बीच 73 टन सोने की खरीद के साथ, भारत का स्वर्ण भंडार अब दुनिया में 8वां सबसे बड़ा है। डॉलर से विमुखता, यानी सोने के प्रति प्रेम : दुनिया के देशों, खासकर विकासशील देशों को, पिछले कुछ दशकों में डॉलर के लगातार मजबूत होने के कारण भारी नुकसान हुआ है। इस मामले में भारत भी कोई अपवाद नहीं है। हाल ही में भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में रुपए की भूमिका बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। इस संबंध में, लगभग 20 देशों के साथ रुपए में अंतरराष्ट्रीय भुगतान निपटान के लिए व्यवस्था की गई है। दूसरी ओर, उथल-पुथल और खासकर अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में कठिनाई के कारण, स्थानीय मुद्राओं में भुगतान करने के प्रयासों में उल्लेखनीय तेजी आई है।

पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी टीटीपी के साथ आए अफगान आतंकी

इस्लामाबाद,23 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अधिकारियों को पुख्ता सबूत मिले हैं कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हाल ही में किए गए हमलों में शामिल 70 प्रतिशत आतंकवादी अफगान नागरिक थे। यह पिछले वर्षों में दर्ज पांच-10 प्रतिशत की तुलना में काफी ज्यादा है।

सूत्रों के हवाले से यह चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह रहस्योद्घाटन हाल ही में दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अफगानिस्तान पर एक बंद कमरे में हुई बैठक में अफगानिस्तान मामलों पर पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि राजदूत मोहम्मद सादिक ने किया। इस पर ईरान के प्रतिनिधि ने अपना दृष्टिकोण साझा किया और कहा कि उनका देश भी इसी तरह की समस्या का सामना कर रहा है। ईरानी प्रतिनिधि ने चाबहार बंदरगाह पर हुए हमले का हवाला दिया, जहां 18 हमलावरों में से 16 अफगान नागरिक थे।

आतंकवादी हमलों में अफगान आतंकी नागरिकों की बढ़ती संलिप्तता ने इस्लामाबाद में खतरे की घंटी बजा दी है। अधिकारी अब सीमा पार आतंकवाद में अफगानिस्तान की बढ़ती उपस्थिति को एक नए और खतरनाक चलन के रूप में देख रहे हैं। अधिकारियों को डर है कि यह सिलसिला नहीं रुका तो इस्लामाबाद और काबुल के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंध और बिगड़ सकते हैं।

पाकिस्तान लंबे समय से अफगान तालिबान पर टीटीपी नेताओं और लड़ाकों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है। हालांकि तालिबान ने सार्वजनिक रूप से इस समूह को खुली छूट देने से इनकार किया है, लेकिन इस्लामाबाद जोर देकर कहता है कि अफगानिस्तान में टीटीपी के सुरक्षित ठिकाने बरकरार हैं। खैबर-पख्तूनख्वा में कई घातक हमलों के बाद हाल के हफ्तों में तनाव और बढ़ गया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में जेन जी प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का आदेश देने वाले गृह सचिव को हटाया गया

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम सरकार ने 8 सितंबर को काठमांडू में हुए जेन जी प्रदर्शन के दौरान बल

प्रयोग का आदेश देने वाले गृह सचिव को उनके पद से हटा दिया है। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने गृह सचिव गोकर्ण मणि दुवाडी को गृह सचिव के पद से हटा दिया है। वैसे तो इस मामले में सरकार ने एक न्यायिक जांच का गठन कर दिया है। जांच पूरी होने तक गृह सचिव दुवाडी को इस पद से हटाकर उन्हें योजना आयोग भेज दिया गया है। गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने गृह सचिव दुवाडी को हटाने की पुष्टि करते हुए कहा कि फिलहाल रक्षा सचिव रामेश्वर डंगाल को गृह सचिव बनाया गया है। डंगाल ने गृह सचिव का कार्यभार संभाल लिया है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में मिलेंगे ट्रंप और प्रमुख मुस्लिम देशों के नेताओं से

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रमुख मुस्लिम देशों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। शहबाज कल यहां पहुंचे हैं। उनके साथ उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी हैं। शरीफ संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय सत्र में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। पाकिस्तान के जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, शरीफ संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के अलावा राष्ट्रपति ट्रंप और प्रमुख मुस्लिम देशों के नेताओं के बीच बैठक का हिस्सा होंगे। बैठक में गाजा पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं को बताया कि ट्रंप पाकिस्तान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मिस्र, जॉर्डन, तुर्की और इंडोनेशिया के साथ एक बहुपक्षीय बैठक करेंगे। ट्रंप इस दौरान गाजा में शांति और युद्धोत्तर शासन के लिए एक प्रस्ताव रख सकते हैं। वाशिंगटन चाहता है कि अरब और मुस्लिम देश गाजा में सैन्य बल भेजने पर सहमत हों ताकि इजराइल की वापसी हो सके और संक्रमणकालीन तथा पुनर्निर्माण कार्यक्रमों के लिए धन सुरक्षित हो सके।

पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा को पद से हटाने के लिए विशेष

अधिवेशन बुलाने को लेकर पार्टी के भीतर ही एक हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है। नेपाली कांग्रेस के दोनों महासचिव गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में यह हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए महामंत्री थापा ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी करते हुए पुराने नेतृत्व को बदलने और पार्टी के विशेष अधिवेशन से नया नेतृत्व के चयन का आह्वान किया है। पार्टी के नेता गुरुराज घिमिरे के मुताबिक अब तक 109 केंद्रीय सदस्य और महाधिवेशन प्रतिनिधियों ने इस पर हस्ताक्षर कर दिया है। नेपाली कांग्रेस के पार्टी विधान के अनुसार विशेष अधिवेशन बुलाने का निर्णय केंद्रीय समिति ले सकती है या फिर 40 प्रतिशत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर होने चाहिए। यदि वर्तमान केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति इसे आवश्यक समझे या यदि केन्द्रीय महाधिवेशन के 40 प्रतिशत सदस्य केन्द्रीय महाधिवेशन की बैठक बुलाने के लिए विशिष्ट कारण बताते हुए केन्द्र को लिखित अनुरोध प्रस्तुत करें, तो अनुरोध के तीन महीने के भीतर विशेष अधिवेशन बुलाया जा सकता है। दूसरी तरफ, शेर बहादुर देउवा की पत्नी आरजू देउवा ने पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं को फोन कर इस हस्ताक्षर अभियान को रोकने का आग्रह किया है। सैनिक अस्पताल में इलाज करा रहे देउवा की तरफ से पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ नेता गोपालन श्रेष्ठ ने कहा कि जब पार्टी अध्यक्ष अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे हों, तो ऐसे समय उन्हें पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाने से पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गलत संदेश जाएगा।

बांग्लादेश फरवरी में संसदीय चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार, प्रो. यूनुस ने अमेरिकी विशेष दूत गोर से मुलाकात में साझा की योजना

न्यूयॉर्क (अमेरिका),23 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को यहां दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत और भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। मुख्य सलाहकार प्रो. यूनुस ने उन्हें बताया कि बांग्लादेश अगले संसदीय चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और अंतरिम सरकार स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस ने न्यूयॉर्क में एक बैठक के दौरान सर्जियो गोर से कहा, चुनाव फरवरी में होंगे। यह स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होगा। देश पूरी तरह तैयार है। मुख्य सलाहकार के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद मजूमदार ने बताया कि सर्जियो गोर ने मुख्य सलाहकार के नेतृत्व की सराहना की और देश के प्रयासों का समर्थन करने की अमेरिका की इच्छा दोहराई।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने व्यापार, दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग, सार्क के पुनरुद्धार, रोहिंग्या संकट और ढाका को निशाना बनाकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं सहित कई द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। मुख्य सलाहकार ने कॉक्स बाजार शिविरों में रह रहे दस लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए अमेरिका से निरंतर समर्थन की मांग की। गोर ने आश्वासन दिया कि रोहिंग्याओं के लिए उनकी जीवन रक्षक सहायता जारी रहेगी।

यूनुस ने बताया कि अंतरिम सरकार ने सार्क को पुनर्जीवित करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने आसियान में शामिल होने में बांग्लादेश की रुचि भी व्यक्त की और कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ एकीकरण से देश के विकास में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा उन्होंने नेपाल और भूटान के साथ-साथ भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के साथ आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम घनिष्ठ क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से अपने आर्थिक विकास को गति दे सकते हैं।

मुख्य सलाहकार ने सर्जियो गोर को सुविधानुसार शीघ्र बांग्लादेश आने का निमंत्रण दिया। यूनुस सोमवार दोपहर (न्यूयॉर्क समय) जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वह संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। अमेरिका में बांग्लादेश के राजदूत तारिक मोहम्मद अरिफुल इस्लाम ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। उनके साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी यात्रा पर है। प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और उच्च अधिकारी शामिल हैं।

विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने बताया कि मुख्य सलाहकार 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देंगे। 30 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र पहली बार म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति पर एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन आयोजित करेगा। मुख्य सलाहकार के दो अक्टूबर को स्वदेश लौटने की संभावना है।

बांग्लादेश के एनसीपी नेता अख्तर हुसैन पर अमेरिका में हमला

ढाका/वाशिंगटन। बांग्लादेश की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की वरिष्ठ संयुक्त सदस्य सचिव डॉ. तस्नीम जारा ने कहा है कि पार्टी के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन पर अमेरिका में हमला हुआ। अपने फेसबुक पोस्ट में उन्होंने कहा, अमेरिका पहुंचने के बाद हमारी पार्टी के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन पर हमला हुआ। उन पर अंडे फेंके गए और उन्हें अपशब्द कहे गए। रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक पोस्ट में साथ में दिए गए एक वीडियो में अख्तर को अपनी पीठ से टपकती हुई अंडे की जर्दी के साथ भागते हुए दिखाया गया है, जबकि अन्य लोग उन्हें हमलावरों से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस संक्षिप्त वीडियो क्लिप में एक हमलावर जुलाई विद्रोह के नेता पर एक और अंडा फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर सुबह लगभग 520 बजे (बांग्लादेश समयानुसार) पोस्ट किया, यह अख्तर हुसैन पर एक व्यक्ति के रूप में हमला नहीं था, बल्कि उनकी राजनीतिक पहचान के कारण था। वह उस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं जो फासीवाद को खत्म करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। जारा ने कहा कि यह हमला स्पष्ट रूप से पराजित ताकतों के बीच भय और हताशा की सीमा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि यह हमला अख्तर हुसैन को जरा भी कमजोर नहीं करेगा, बल्कि यह उनके संकल्प को और मजबूत करेगा।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने संघीय व्यापार आयुक्त रेबेका स्लॉटर को बर्खास्त करने के ट्रंप के फैसले को बरकरार रखा

वाशिंगटन,23 सितंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 6-3 के बहुमत से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघीय व्यापार आयुक्त रेबेका स्लॉटर को बर्खास्त करने के फैसले को कम से कम अंतरिम आधार पर बरकरार रखा। न्यायाधीशों ने कहा कि वे कार्यकारी शक्ति के दायरे को लेकर चल रहे इस बड़े विवाद की समीक्षा में तेजी लाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, रूढ़िवादी बहुमत वाले सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले की व्याख्या नहीं की, लेकिन यह कदम हाल ही में दिए गए अन्य आदेशों के अनुरूप रहा। इन फैसलों में महत्वपूर्ण कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करने वाली स्वतंत्र एजेंसियों के कर्मचारियों की नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति को व्यापक सम्मान दिया गया। स्लॉटर को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। ट्रंप ने स्लॉटर को बिना किसी कारण के विशुद्ध रूप से नीतिगत मतभेदों का हवाला देते हुए हटा दिया। न्यायाधीश एलेना कागन, सोनिया सोतोमयोर और केतनजी ब्राउन जैक्सन ने संघीय कानून का हवाला देते हुए इस फैसले से असहमति जताई। कागन ने कहा कि राष्ट्रपति बिना किसी कारण के किसी संघीय व्यापार आयुक्त को बर्खास्त नहीं कर सकते। उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि दिसंबर में होने वाली सुनवाई के दौरान सीधे इस मिसाल पर विचार किया जाएगा और इस बात की जांच होगी कि क्या संघीय व्यापार आयुक्तों का निष्कासन सुरक्षा शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन करता है। एक अलग आदेश में, न्यायालय ने बर्खास्त मेरिट सिस्टम्स प्रोटेक्शन बोर्ड की सदस्य कैथी हैरिस और बर्खास्त नेशनल लेबर रिलेशंस बोर्ड की सदस्य ग्वेने विलकॉक्स की त्वरित अपीलों पर विचार करने से इनकार कर दिया।

फ्रांस के कई शहरों में फिलिस्तीनी झंडा नहीं फहराने की सरकारी चेतावनी का उल्लंघन

पेरिस। फ्रांस में सोमवार को 80 से अधिक नगरपालिकाओं ने फिलिस्तीनी ध्वज फहराया, जबकि सरकार ने इसे न करने की चेतावनी जारी की थी। यह कदम राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रों द्वारा न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की तैयारी के बीच आया है। इस मान्यता की घोषणा ने इजराइल में राजनीतिक स्तर पर कड़ी आलोचना को जन्म दिया है। फ्रांस के बड़े शहरों – जैसे ल्योन, नांतेस, रेन और बेसांकॉन के नगरपालिकाओं ने फिलिस्तीनी झंडा फहराया। पेरिस में भी वामपंथी नगर परिषद के सदस्यों ने मेयर एन हिदाल्गो के विरोध के बावजूद आधे घंटे के लिए सिटी हॉल पर झंडा लगाया। अंदरूनी मंत्रालय ने बताया कि देशभर की 34,875 नगरपालिकाओं में से केवल 86 नगरपालिकाओं ने फ़िलिस्तीनी ध्वज फहराया। मंत्रालय ने इस कदम को सरकारी आदेश की अवहेलना बताया है। फ्रांस में यह घटना देश में फिलिस्तीनी मुद्दे पर बढ़ती संवेदनशीलता और स्थानीय राजनीति में इसे लेकर अलग-अलग रुझानों को उजागर करती है।

दक्षिण कोरिया की पूर्व प्रथम महिला को उपहार देने के मामले में यूनिफिकेशन चर्च की प्रमुख हान हक-जा गिरफ्तार

सियोल(दक्षिण कोरिया),23 सितंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के सर्वाधिक शक्तिशाली यूनिफिकेशन चर्च धार्मिक साम्राज्य की प्रमुख हान हक-जा को जेल भेज दिया गया। इससे पहले उन्हें दक्षिणी सियोल स्थित सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ले जाया गया। उन्हें अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में कोर्ट ने जेल भेजने का आदेश दिया। यूनिफिकेशन चर्च विशाल धार्मिक साम्राज्य है। इसकी स्थापना दिवंगत रेवरेंड मून सन-म्यांग ने की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी सियोल स्थित सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने देश की पूर्व प्रथम महिला किम कियोन को चुनाव के समय उपहार देने के आरोप में हान हक-जा को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। कोर्ट में पेशी के दौरान अभियोजकों ने हान हक-जा को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की। कोर्ट ने अभियोजकों की मांग स्वीकार कर ली। इस गिरफ्तारी को देश के राजनीतिक और धार्मिक प्रतिष्ठान को जकड़े हुए एक घोटाले में अब तक का सबसे नाटकीय मोड़ माना जा रहा है।

अभियोजकों का आरोप है कि 82 वर्षीय हान हक-जा ने यून नामक एक पूर्व चर्च अधिकारी के साथ मिलकर 2022 में पीपल पावर पार्टी के सांसद क्वेओन सियोंग-डोंग को 10 करोड़ वॉन देने की साजिश रची थी। बदले में, क्वेओन से यह अपेक्षा की गई थी कि अगर यून सुक येओल राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं तो वह चर्च के लिए लाभ सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। आरोप है कि हान ने कथित तौर पर चर्च के अधिकारियों को किम को महंगे हैंडबैग और आभूषण सहित विलासितापूर्ण उपहार देने का आदेश दिया था। इस बीच चर्च ने इन आरोपों का खंडन किया है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने गिरफ्तारी को इस आधार पर उचित ठहराया कि हान के बाहर रहने से सबूत नष्ट होने का खतरा है। हान को व्हीलचेयर के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। यह मामला येओल के राष्ट्रपति पद से जुड़े कथित भ्रष्टाचार की दक्षिण कोरिया में चल रही विशेष जांच के तहत व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।।

जयशंकर की न्यूयॉर्क में अमेरिकी विदेशमंत्री रुबियो और यूरोपीय संघ के नेताओं से मुलाकात

न्यूयॉर्क (अमेरिका),23 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को यहां अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की। इसके अलावा उनकी यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ मुलाकात हुई। जयशंकर ने इस अवसर के फोटो और संक्षिप्त विवरण अपने एक्स हैंडल पर साझा किए हैं।

जयशंकर ने एक्स पोस्ट में लिखा, न्यूयॉर्क में अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत में वर्तमान चिंता के कई द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रगति के लिए निरंतर सहयोग के महत्व पर सहमति हुई। हम संपर्क में बने रहेंगे। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में यूरोपीय संघ के नेताओं से मुलाकात पर खुशी जताई। जयशंकर ने दूसरी पोस्ट में लिखा, न्यूयॉर्क में यूरोपीय संघ के विदेशमंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में उनसे मिलकर मुझे खुशी हुई। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास को मेजबानी के लिए धन्यवाद। यह बहुपक्षवाद, भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी, यूक्रेन संघर्ष, गाजा, ऊर्जा और व्यापार पर विचारों के खुले आदान-प्रदान का अवसर रहा। भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर की इन नेताओं से यह बातचीत ऐसे समय पर हुई, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का उच्चस्तरीय 80वां सत्र शुरू होने वाला है। रुबियो से उनकी मुलाकात लोटे न्यूयॉर्क पैलेस में हुई। रुबियो और जयशंकर के बीच यह बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के बाद आमने-सामने की पहली मुलाकात है। इसके साथ ही भारत पर अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है।

उठने लगी तबाही की लहरें, बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा गति से दौड़ रहा है सुपर टाइफून तूफान

वॉशिंगटन। फिलिपींस, ताइवान और चीन में सुपर टायफून 'रागासा' का खतरा मंडरा रहा है। सोमवार दोपहर, तूफान फिलिपींस के कगायन प्रांत के पनुइतान द्वीप से टकराया। इसकी वजह से कई जगहों पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई और अपायाओ प्रांत में पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। अब यह तूफान बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा गति से ताइवान और हांग कांग की तरफ बढ़ रहा है। ऊंची लहरें भी उठती नजर आ रही हैं। तूफान ताइवान और हांगकांग के दक्षिणी हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। ताइवान के तैतुंग और पिंगतुंग काउंटी में स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए। कई द्वीपों के लिए उड़ानें और फेरी सेवाएं भी रद्द की गईं। चीन के दक्षिण-पूर्वी प्रांत फुजियान और गुआंगदोंग में बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। शेन्जेन शहर से करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने की योजना है। मंगलवार रात से शेन्जेन हवाई अड्डे पर उड़ानें रोक दी जाएंगी। हांगकांग में मंगलवार शाम 6 बजे के बाद हवाई सेवाओं पर असर पड़ेगा और 500 से ज्यादा उड़ानें रद्द होने की संभावना है। सोमवार को आए इस भीषण तूफान ने हजारों लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचने के लिए मजबूर कर दिया। स्कूल, दफ्तर और हवाई सेवाएं बंद कर दी गईं, जबकि तटीय इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंचीं भारतीय महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला खिलाड़ियों ने आईसीसी की नवीनतम वनडे महिला खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो विकेट लेने वाली भारतीय खिलाड़ी दीप्ति शर्मा दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें (651) स्थान पर पहुंच गई हैं। आईसीसी के अनुसार पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के साथ चारों देशों के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों श्रृंखलाओं में रनों का अंबार लगा।

भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ (23 पायदान ऊपर 39वें स्थान पर) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है, जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन (795 रेटिंग अंक) आगामी विश्व कप से पहले शीर्ष रैंकिंग वाली एकदिवसीय गेंदबाज़ के रूप में 85 अंकों की बढ़त बनाए हुई हैं। दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद लाहौर में 36 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद तीन पायदान ऊपर 15वें (548 अंक) स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज़ ताज़मीन ब्रिट्स ने महिला वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में सबसे उल्लेखनीय सुधार किया है।

लाहौर में प्रोटियाज़ सीरीज़ जीत में लगातार दो नाबाद शतकों की बदौलत वे 15 स्थान ऊपर छठे (669 रेटिंग अंक) पर पहुंच गईं। 2025 कैलेंडर वर्ष में ब्रिट्स का वनडे में औसत 91.85 है और उन्होंने 94.14 के स्ट्राइक रेट से 643 रन बनाए हैं। सितंबर 2023 की शुरुआत में 73वें स्थान पर रहने वाली प्रोटियाज़ बल्लेबाज़ ने बेहतरीन बढ़त हासिल की है। इस बीच, पाकिस्तानी बल्लेबाज सिदरा अमीन ने 10 स्थान की छलांग लगाई है, उन्होंने तीन मैचों में 121, नाबाद 122 और नाबाद 50 रन बनाए थे। अमीन की 636 अंकों की रेटिंग उनके करियर की सर्वोच्च रेटिंग। वह अब 13वें स्थान पर है, जो शीर्ष 10 स्थान से केवल 19 अंक दूर है। इस बीच, बेथ मूनी ने दो स्थान (727 अंक) ऊपर चढ़कर शीर्ष दो पर जगह बनाई है, हालांकि शीर्ष पर अभी भी स्मृति मंधाना काफी आगे हैं, जिन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए मुकाबले में लगातार दो शतकों के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 818 पर पहुंच गई हैं। क्रिकेट विश्व कप में नीचे की ओर जाने वाली अन्य बड़ी खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल (28 स्थान ऊपर 61वें स्थान पर) और पाकिस्तान की नतालिया परवेज शामिल हैं, जो दूसरे वनडे में अर्धशतक की बदौलत शीर्ष 100 से बाहर रहते हुए 54 स्थान ऊपर आ गई हैं। अफ्रीका की मारिजाने कप आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में ऐश गार्डनर के करीब पहुंच गईं,वह हेले मैथ्यूज को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान (420) पर पहुंच गईं, जिन्होंने लगातार दो मैचों में शतक और दो विकेट लिए, जबकि उनकी टीम की साथी क्लो ट्रायोन ने स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में अपना जलवा दिखाया और श्रृंखला में दो विकेट लिए।

ताहलिया मैकग्राथ, गेंद से लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की बदौलत नौ स्थान ऊपर चढ़कर 30वें (128 अंक) स्थान पर पहुंच गईं, वह भी एक बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार दिख रही हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

वेंटिलेटर से स्वर्ण पदक तक, साहस और प्रेरणा से भरी है भाग्यश्री जाधव की अद्वितीय कहानी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के शांतिपूर्ण गांव होंवाडज में जन्मी और पली-बढ़ी भाग्यश्री मधवराव जाधव की कहानी अद्वितीय है। 2006 में हुए एक दुखद हादसे ने उनके जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया, जिससे उन्हें गंभीर न्यूरोलॉजिकल चोटें लगीं। महीनों तक उन्होंने वेंटिलेटर पर जीवन के लिए संघर्ष किया और कठिन पुनर्वास प्रक्रिया से गुज़रते हुए अपनी हिम्मत को परखा। भाग्यश्री के परिवार ने उन्हें हार मानने नहीं दिया। भाई और प्रियजनों के प्रोत्साहन से उन्होंने पैरालंपिक खेलों में कदम रखा। 2017 में पुणे में आयोजित मेयर कप में अपनी पहली प्रतियोगिता में उन्होंने दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सभी को चौंका दिया और निराशा को नए उद्देश्य में बदल दिया। तभ ीसे भाग्यश्री ने एफ34 श्रेणी में शॉट पुट एथलीट के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। उन्होंने 2022 एशियाई पैरागेम्स में सिल्वर मेडल जीता और टोक्यो 2020 तथा पेरिस 2024 पैरालंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। पेरिस पैरालंपिक्स में वह देश की ध्वजवाहक भी थीं और महिलाओं की शॉट पुट एफ34 प्रतियोगिता में पांचवें स्थान पर रही। भाग्यश्री का 39 साल की उम्र में भी जोश कम नहीं हुआ है। 2025 खेलो इंडिया पैरागेम्स में शॉट पुट और जैवलिन में गोल्ड मेडल जीतने के बाद भाग्यश्री अब नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैराऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पीएसजी स्टार डेम्बेले ने जीता बैलन डी'ओर 2025 अवॉर्ड

पेरिस। फ्रांस के फॉरवर्ड उस्मान डेम्बेले ने सोमवार को फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत अवॉर्ड बैलन डी'ओर जीत लिया। उन्हें यह पुरस्कार पिछले सीजन में पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) को चैंपियंस लीग ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाने के लिए मिला।

28 वर्षीय डेम्बेले ने बार्सिलोना और स्पेन के किशोर सनसनी लामिन यामल को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया। वे मैनचेस्टर सिटी और स्पेन के मिडफील्डर रॉड्री के उत्तराधिकारी बने, जिन्होंने 2024 में यह ट्रॉफी जीती थी। डेम्बेले, जो पहले बोरुसिया डॉर्टमुंड और बार्सिलोना के लिए खेल चुके हैं, 2018 में विश्व कप जीतने वाली फ्रांस टीम का भी हिस्सा थे। बीते सीजन में उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किए और पीएसजी को पहली बार क्लब इतिहास में चैंपियंस लीग, साथ ही फ्रेंच लीग और कप डबल जिताने में अहम योगदान दिया। इमोशनल डेम्बेले ने अवॉर्ड जीतने के बाद कहा, मेरे पास सच में शब्द नहीं हैं। पीएसजी के साथ यह सीजन अविश्वसनीय था। यह व्यक्तिगत ट्रॉफी है, लेकिन असल में इसे पूरी टीम ने जीता है। बैलन डी'ओर मेरा करियर का लक्ष्य कभी नहीं रहा, लेकिन मैंने चैंपियंस लीग जिताने के लिए कड़ी मेहनत की।

स्पेन की आइटाना बोनमती ने लगातार तीसरी बार जीता महिला बैलन डी'ओर का खिताब

पेरिस। पेरिस में सोमवार को आयोजित समारोह में स्पेन और बार्सिलोना की स्टार मिडफील्डर आइटाना बोनमती ने लगातार तीसरी बार महिला बैलन डी'ओर का खिताब अपने नाम किया। 27 वर्षीय बोनमती ने अपनी हमवतन साथी मारियोना कालदेंतेई को पीछे छोड़ा, जो इंग्लैंड के खिलाफ महिला यूरो 2025 फाइनल में स्पेन की पेनाल्टी शूटआउट हार के बावजूद दमदार प्रदर्शन कर रही थीं। हालांकि क्लब स्तर पर बोनमती को निराशा झेलनी पड़ी और उनकी टीम बार्सिलोना महिला चैंपियंस लीग फाइनल में कालदेंतेई की आर्सेनल से हार गई। यूरो 2025 में बोनमती को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, जबकि शुरुआत के दो मैच वह वायरल मैनिनजाइटिस से उबरने के कारण नहीं खेल पाई थीं। इस पुरस्कार में इंग्लैंड की चैंपियन टीम की स्ट्राइकर अलेसिया रूसो तीसरे स्थान पर रहीं। महिला बैलन डी'ओर 2018 से शुरू हुआ था और अब तक सिर्फ नॉर्वे की आडा हेगरबर्ग और अमेरिका की मेगन रापिनो ही इसे जीत पाई हैं। इससे पहले बार्सिलोना और स्पेन की एलेक्सिया पुटेयास ने लगातार दो बार यह ट्रॉफी जीती थी। बोनमती अब फुटबॉल दिग्गज लियोनेल मेस्सी और मिशेल प्लातिनी की उस खास सूची में शामिल हो गई हैं।

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम तैयार

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)।

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के शुरू होने में अब सिर्फ एक सप्ताह से थोड़ा अधिक समय बाकी है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट और उनकी टीम इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आठ टीमों की आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप प्रतियोगिता 30 सितंबर से 2 नवंबर तक भारत और श्रीलंका में खेली जाएगी। भारत में नवी मुंबई, गुवाहाटी, इंदौर और विशाखापट्टनम स्थल होंगे, जबकि श्रीलंका में केवल कोलंबो में मैच होंगे। पाकिस्तान की सभी मुकाबले श्रीलंका में ही आयोजित होंगे। दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान में हालिया श्रृंखला जीत के बाद उत्साह और आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। आईसीसी के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में प्रोटियास टीम आईसीसी इवेंट्स में सफलता के बेहद करीब रही है। उन्होंने पिछले दो महिला वनडे विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और लगातार दो आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में उपविजेता रही। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने कहा, हमने इस टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी की है और पिछले आईसीसी इवेंट्स से बहुत कुछ सीखा है। पिछले कुछ वनडे विश्व कप में हमने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। मुझे याद है 2017 का पहला सेमीफाइनल हारना - यह टीम के लिए काफी कठिन था, लेकिन इसने हमें दिखाया कि हम दुनिया की बेहतरीन टीमों से मुकाबला कर सकते हैं। एक दिन की फाइनल तक पहुँचने का सवाल 'अगर' नहीं बल्कि 'कब' है। हमारे टीम में विश्वास बहुत मजबूत है। 26 वर्षीय कप्तान ने कहा कि टीम के पास 15 खिलाड़ियों की मजबूत कोर टीम है। उन्होंने कहा, हमारी बल्लेबाजी गहरी है और कई ऑल-राउंडर हमें विभिन्न गेंदबाजी विकल्प देते हैं, जो मेरे लिए रोमांचक है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें प्रक्रिया पर भरोसा रखना होगा और हर मैच को एक-एक करके खेलना होगा। यह लंबा टूर्नामेंट है और दबाव भी बहुत है, इसलिए अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना ज़रूरी है। वोलवार्ड्ट ने कहा कि भारत और श्रीलंका की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी। उन्होंन ेकहा, सबकॉन्टिनेंट की परिस्थितियों में स्थानीय टीमों को फायदा होता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमें हमेशा मजबूत रहती हैं।

महिला वनडे विश्व कप 2025 : ग्रेस हैरिस ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर, हीथर ग्राहम हुईं शामिल

नई दिल्ली। आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को बढ़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस कॉल्फ स्ट्रेन के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। यह चोट उन्हें भारत के खिलाफ पिछले सप्ताह हुए मैच के दौरान लगी। ग्रेस हैरिस अपनी पावर-हिटिंग और गेंदबाजी दोनों के लिए जानी जाती हैं। उनकी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में स्ट्राइक रेट 155.52 है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 21 विकेट भी लिए हैं। उनका स्थान अब हीथर ग्राहम ने ले लिया है। हीथर ग्राहम फास्ट-बॉलिंग ऑलराउंडर हैं और उन्होंने महिला नेशनल क्रिकेट लीग में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दो मैच खेले हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक उनकी 6 पारियों में 9 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम: एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोबी लिचफील्ड, ताल्हिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मून, एलिस पेरी, मेगन शुट, एन्नाबेल सुदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

केएल राहुल गोवा गार्डियंस के सह-मालिक बने, चौथे पीवीएल सत्र से पहले लीग में पदार्पण

पणजी,23 सितंबर (एजेंसियां)।

आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के चौथे सत्र से पहले भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल को गोवा गार्डियंस टीम का सह-मालिक बनाया गया है। यह लीग का चौथा सत्र है और गोवा गार्डियंस इस बार पहली बार इसमें हिस्सा ले रही है। राहुल ने कहा कि पीवीएल भारत में वॉलीबॉल के लिए एक 'टर्निंग पॉइंट' है और उनका लक्ष्य है कि वह इस खेल को स्क्रीन टाइम और पहचान दें, जिसकी यह हकदार है।

गोवा एक खेल-प्रेमी क्षेत्र है, जहाँ समुदायों में वॉलीबॉल को व्यापक लोकप्रियता मिली है। इसी लोकप्रियता के चलते गोवा गार्डियंस स्थानीय और कोंकण क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए प्रतिबद्ध है। राहुल का कहना है कि गोवा की जीवंत खेल संस्कृति नई प्रतिभाओं को प्रेरित करने के लिए आदर्श है।

गोवा गार्डियंस के प्रिंसिपल ओनर राजू चेकुरी ने कहा, हमें खुशी है कि केएल राहुल हमारे साथ जुड़ रहे हैं। उनके वॉलीबॉल के प्रति जुनून और इसकी क्षमता में विश्वास हमें एक ऐसी फ्रैंचाइजी बनाने में मदद करेगा जो प्रशंसकों को प्रेरित करे और खिलाड़ियों को सशक्त बनाए। वॉलीबॉल दुनिया के सबसे ज्यादा खेले जाने वाले खेलों में से एक है, और सही मंच मिलने पर यह भारत की अगली ओलिंपिक सफलता बन सकता है।

गोवा गार्डियंस के प्रबंध निदेशक राजू चेकुरी ने कहा, केएल राहुल हमारे साथ जुड़कर हमें गर्व महसूस करा रहे हैं। यह यात्रा हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी उनके लिए है; वह भारत को वैश्विक खेल में प्रमुख शक्ति बनाने की हमारी महत्वाकांक्षा को साकार करने में मदद करेंगे। उनकी उपस्थिति से वॉलीबॉल की पहचान बढ़ेगी और देशभर के अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को नए अवसर मिलेंगे।

पीवीएल के सीईओ जॉय भट्टाचार्य ने कहा, केएल राहुल का समर्थन हमारे लिए बेहद मूल्यवान है; हमारा सपना है कि भारत वॉलीबॉल में ओलिंपिक में खेले। राहुल की मौजूदगी अधिक दर्शकों को आकर्षित करेगी और इस खेल के विकास को तेज करेगी।

लीग के सभी मैच 02 से 26 अक्टूबर 2025 के बीच सॉनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर प्रसारित होंगे तथा पीवीएल के यू-ट्यूब चैनल पर लाइव दिखाए जाएंगे।

श्रेयस ने निजी कारणों से भारत ए की कप्तानी छोड़ी

नई दिल्ली। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। श्रेयस अचानक ही भारत ए की कप्तानी छोड़कर मुम्बई लौट गये हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला था जो ड्रॉ रहा था। श्रेयस ने निजी कारणों से दूसरे मैच से अपना नाम वापस लिया है। उनके बाहर जाने से अब भारत ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल या फिर रजत पाटीदार टीम को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार ये पता नहीं चला है कि श्रेयस ने अचानक ऐसा फैसला क्यों किया है। उन्होंने अपनी फैसले की जानकारी बीसीसीआई को भी दे दी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति के लिए भारत पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)।

अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मैच में धीमी ओवर गति के कारण भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इस रोमांचक मैच में 43 रनों से हराया, जिसमें बेथ मूनी और स्मृति मंधाना ने शतक बनाए। भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंक पाई। आईसीसी के अनुसार एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की जीएस लक्ष्मी ने यह प्रतिबंध लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए टीम की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप से पहले यह दोनों टीमों का आखिरी मैच था, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपना अभियान 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू करेगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगले दिन इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में हार के बावजूद, मंधाना ने केवल 50 गेंदों में वनडे क्रिकेट में किसी भी भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक बनाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने 2013 में जयपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में भारत के लिए सबसे तेज वनडे शतक बनाया था।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान बनी झांसी की ज्योति

ऑस्ट्रेलिया में दिखाएगी अपनी हॉकी का दम, पांच मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची टीम

झांसी,23 सितंबर (एजेंसियां)।

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की वीर भूमि झांसी अपने शौर्य और पराक्रम के लिए चर्चित रही है। खेल के क्षेत्र में भी इस भूमि के खिलाड़ियों ने विश्व में अपना लोहा मनवाया है। यह क्रम आज भी जारी है। नगर की बेटी ज्योति सिंह को 23 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। टीम 26 सितंबर से दो अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेगी, जहां कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में पांच मैच 26,

27, 29, 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को खेलेगी। यह दौरा आगामी एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2025 की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम है। यह टूर्नामेंट दिसंबर में चिली की राजधानी सैंटियागो में आयोजित होगा।

खेल विश्लेषक बृजेन्द्र सिंह यादव ने मंगलवार को बताया कि चयनित टीम बीते रोज बैंगलोर से प्रस्थान कर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है। वहां बुंदेलखंड के हृदयस्थल झांसी की बेटी ज्योति सिंह हॉकी टूर्नामेंट में अपना दम दिखाएगी। कप्तान ज्योति सिंह ने इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान सीनियर टीम में जगह बनाई थी। उनकी इस टीम में डिफेंडर, मिडफील्डर और फॉरवर्ड खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है। पिता ने बेटी पर जताया गर्व भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान ज्योति के एथलीट पिता धीरज सिंह ने बताया कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है कि इस छोटे से शहर से निकल कर उसने अपनी मातृभूमि समेत हम सबका मान बढ़ाया। अब वह देश का मान बढ़ाए ईश्वर से यही प्रार्थना है। उन्होंने बताया कि उसे तैयार करने में उन्हें ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए पूर्व क्रिकेटर युवराज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े एक मामले में पूछताछ की है। ईडी ने धन शोधन के मामले में युवराज को पूछताछ के लिए कार्यालय में पेश होने को कहा था। युवराज दोपहर बारह बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। इससे पहले इसी मामले को लेकर सुरेश रैना, शिखर धवन ,रोबिन उत्थाप्पा सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। युवराज समेत कई क्रिकेटर और फिल्मी सितारे इस इस ऐप का प्रचार कर रहे थे। इसी कारण कई फिल्मी सितारों से भी पूछताछ हुई है। वहीं सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत युवराज के उनके बयान दर्ज किये। इसके अलावा पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ हुई है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ऐसे सट्टेबाजी ऐप और प्लेटफार्म के खिलाफ व्यापक जांच कर रही है जिनपर करोड़ों रुपये की ठगी करने और कथित तौर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की भारी मात्रा में चोरी करने के आरोप हैं।

उबर ने अहमदाबाद, हावड़ा स्टेशन पर सेवाओं के लिए भारतीय रेलवे के साथ की साझेदारी

साझेदारी का उद्देश्य प्रमुख परिवहन केंद्रों पर यात्री संपर्क में सुधार करना

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने अहमदाबाद और हावड़ा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए भारतीय रेलवे के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी का उद्देश्य प्रमुख परिवहन केंद्रों पर यात्री संपर्क में सुधार करना और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत करना है। यह पहल यात्रियों के लिए रेलवे स्टेशन तक आने-जाने की प्रक्रिया को आसान और निर्बाध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उबर के एक अधिकारी ने बताया कि इस साझेदारी से शहरी परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उबर की तकनीक को रेलवे स्टेशनों के साथ जोड़कर एक सुगम और सहज परिवहन प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे यात्रियों को स्टेशन से अपनी मंजिल तक पहुंचने में सुविधा होगी। यह कदम यात्रियों के लिए विभिन्न प्रकार के परिवहन के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। हावड़ा रेलवे स्टेशन पूर्वी भारत का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है, जहां प्रतिदिन 10 लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। वहीं, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन देश का सातवां सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है, जो प्रतिदिन 1.2 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। अनुमान है कि 2053 तक अहमदाबाद स्टेशन की क्षमता तीन लाख से अधिक यात्रियों तक बढ़ जाएगी। यह साझेदारी भारत में रेलवे स्टेशनों पर उबर का पहला प्रबंधित परिचालन भी है। इस सहयोग से रेलवे और उबर दोनों को ही यात्रियों के लिए बेहतर सेवा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उबर की यह पहल यात्रियों के लिए शहरों में आवागमन को और अधिक सरल, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने जुलाई में 21.04 लाख नए सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई महीने में शुद्ध रूप से 21.04 लाख सदस्यों को जोड़ा है। इसमें सालाना आधार पर 5.55 फीसदी की वृद्धि हुई है। ईपीएफओ ने जुलाई 2025 में शुद्ध रूप से 9.79 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। इनमें 18-25 आयु वर्ग के 5.98 लाख युवा शामिल हैं, जो कुल नए ग्राहकों का 61.06 फीसदी हैं। इस वर्ग में शुद्ध पेरोल वृद्धि 9.13 लाख रही। श्रम और रोजगार मंत्रालय आंकड़े से पता चलता है कि ईपीएफओ सदस्य अंतिम निपटान के बजाय ईपीएफ खाते में जमा राशि स्थानांतरित कर अपनी सामाजिक सुरक्षा बनाए रखने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पहले नौकरी छोड़ चुके लगभग 16.43 लाख पुराने सदस्य जुलाई में दोबारा ईपीएफओ के साथ जुड़े हैं। इसमें सालाना आधार पर 12.12 फीसदी की दर्ज की गई। जुलाई में 2.80 लाख नई महिला सदस्य जुड़ीं, जिससे कुल महिला शुद्ध पेरोल वृद्धि करीब 4.42 लाख रही। इसमें सालाना आधार पर 0.17 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई, जो कार्यबल में बढ़ती विविधता को दर्शाती है। वेतन भुगतान आंकड़ों के राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि शीर्ष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल वेतन में लगभग 60.85 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जिससे जुलाई के दौरान कुल करीब 12.80 लाख कुल वेतन भुगतान जुड़े हैं। जुलाई के दौरान सभी राज्यों में महाराष्ट्र 20.47 फीसदी कुल वेतन जोड़कर सबसे आगे है। मंत्रालय के मुताबिक ईपीएफओ का ये पेरोल आंकड़ा अस्थायी है, क्योंकि कर्मचारियों का रिकॉर्ड अद्यतन करने की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है।

विदेशी धरती पर लगा भारत का डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेटअप, टीएएस मोरक्को में बनाएगी व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स (टीएएस) अफ्रीकी देश मोरक्को में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी शुरू कर रही है। टीएएस की मोरक्को में शुरू हो रही

इस डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (डब्लूएचएपी) का निर्माण किया जाएगा। विदेशी धरती पर भारत पहली बार डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने वाला है। दावा किया जा रहा है कि मोरक्को में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करके भारत ने डिफेंस सेक्टर में मेक इन इंडिया से आगे बढ़ते हुए मेक फॉर द वर्ल्ड की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मोरक्को के बेर्रेचिड में शुरू हो रही ये कंपनी जिस व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (डब्लूएचएपी) का निर्माण करने वाली है, उसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स (टीएएस) ने मिलकर डिजाइन किया है। आठ चक्कों वाला ये युद्धक वाहन जमीन के साथ पानी में भी चल सकता है। इसके साथ ही ये बैलिस्टिक और बारूदी सुरंगों को लेकर भी एडवांस लेवल की सुरक्षा मुहैया कराती है।

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने किया 10:1 स्टॉक स्प्लिट का ऐलान, 14 अक्टूबर को रिकॉर्ड डेट घोषित

नई दिल्ली। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पहली बार अपने शेयर का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद 14 अक्टूबर 2025 को रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस दिन जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, उन्हें नए शेयर दिए जाएंगे। स्टॉक स्प्लिट का अनुपात 10:1 रखा गया है, जिसका मतलब है कि हर एक पुराने शेयर को 10 नए शेयरों में बदला जाएगा। इसके साथ ही पुराने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर नए शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए कर दी जाएगी। 23 सितंबर 2025 को टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयर बीएसई पर 7,392 रुपए की कीमत पर ट्रेड कर रहे थे, जो सुबह 10 बजे 1.55 रुपए ऊपर थे। स्टॉक स्प्लिट के बाद, शेयर की कीमत लगभग दस गुना घट जाएगी, लेकिन कुल निवेशकों की संपत्ति में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि निवेशक के पास शेयरों की संख्या तो बढ़ेगी, लेकिन उनकी कुल कीमत लगभग पहले के बराबर रहेगी। टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयर ने पिछले एक साल में 8 फीसदी मुनाफा दिया है।

उतार-चढ़ाव के बीच लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों को लगी 1.39 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)। दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के पहले सत्र में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का दम दिखाया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दोबारा बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर कर बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ने 0.07 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, रियल्टी, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई ओवरऑल कमजोरी के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 463.67 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.06 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,311 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,808 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,345 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 158 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,768 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,176 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,592 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 12.60 अंक की मामूली गिरावट के साथ 82,147.37 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक पहले 5 मिनट में ही करीब 150 अंक की तेजी के साथ 82,307.50 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 383.44 अंक की कमजोरी के साथ 81,776.53 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 590 अंक से अधिक उछल कर 210.41 अंक की मजबूती के साथ 82,370.38 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। कारोबार के आखिरी घंटे में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 265 अंक से अधिक टूट कर 57.87 अंक की कमजोरी के साथ 82,102.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 6.65 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,209 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले 5 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक उछल कर 25,250.85 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले निफ्टी 117.70 अंक की कमजोरी के साथ 25,084.65 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद निफ्टी निचले स्तर से 175 अंक से अधिक की रिकवरी करके 59.55 अंक की मजबूती के साथ 25,261.90 तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 90 अंक से अधिक फिसल कर 32.85 अंक की गिरावट के साथ 25,169.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भारत में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन : ग्रामीण इलाकों और प्राथमिक छात्रों में तेजी से बढ़ोतरी

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में कोचिंग की भागीदारी सबसे अधिक

नई दिल्ली,23 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में निजी ट्यूशन और कोचिंग संस्थान अब पारंपरिक स्कूल शिक्षा के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण पूरक प्रणाली बन गए हैं। 6 से 11 वर्ष के प्राथमिक छात्रों में भी कोचिंग की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, 2017-18 में 16.4 प्रतिशत छात्र कोचिंग संस्थानों से जुड़े थे, जो 2024-25 में बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गए हैं। मध्य विद्यालय के छात्रों की हिस्सेदारी 21.9 प्रतिशत से बढ़कर 29.6 प्रतिशत और उच्च माध्यमिक के छात्रों की संख्या 27.5 प्रतिशत से 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कोचिंग का प्रचलन अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा। ग्रामीण इलाकों में भी इस शिक्षा प्रणाली की मांग तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण छात्रों की कोचिंग में भागीदारी 17.3 प्रतिशत से बढ़कर 25.5 प्रतिशत हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 26 प्रतिशत से बढ़कर 30.7 प्रतिशत हो गई है। छात्राओं की संख्या भी ग्रामीण कोचिंग में बढ़ रही है, जो अब लगभग 25 प्रतिशत हो गई है। इस बात से साफ होता है कि शिक्षा की प्रतिस्पर्धा अब गांवों में भी गहराई से महसूस की जा रही है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में कोचिंग की भागीदारी सबसे अधिक है। त्रिपुरा में 78.6 प्रतिशत विद्यार्थी कोचिंग लेते हैं, जबकि मणिपुर (77.8 फीसदी), पश्चिम बंगाल (74.6 फीसदी), ओडिशा (57.1 फीसदी) और बिहार (52.5 फीसदी) भी इस मामले में आगे हैं। यह क्षेत्र शिक्षा पर विशेष सांस्कृतिक महत्व और कड़ी प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। वहीं राजस्थान के कोटा जैसे कोचिंग हब में केवल 7.2 प्रतिशत छात्र स्कूल के बाद कोचिंग जाते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में कोचिंग की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में निजी कोचिंग संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। चाहे शहर हो या गांव, छात्र-छात्राएं बेहतर शैक्षणिक परिणाम और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग का सहारा ले रहे हैं। यह बदलाव शिक्षा प्रणाली के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है और परिवारों द्वारा बच्चों पर शैक्षणिक दबाव भी बढ़ा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वीटो पावर की...

विस्तार का विस्तृत पैराग्राफ शामिल करवाया, जो पहली बार इतनी स्पष्टता से सुधार की मांग करता है। पीएम मोदी ने ग्लोबल साउथ की अगुवाई में इस मुहिम को तेज किया है। संयुक्त राष्ट्र का यह समर्थन भारत की कूटनीतिक ताकत को रेखांकित करता है। गुटेरेस ने भारत सरकार के साथ अपने अच्छे संबंधों का जिक्र किया और कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। यदि सुधार होता है, तो भारत को न केवल स्थायी सीट मिल सकती है, बल्कि वीटो पावर की मांग भी मजबूत हो जाएगी। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और पाकिस्तान जैसे विरोधियों के कारण प्रक्रिया लंबी खिंच सकती है। फिर भी, यह कदम भारत को वैश्विक मंच पर और मजबूत बनाता है, जहां वह शांति, विकास और बहुपक्षवाद का प्रतीक है।

सात महीनों में सात...

ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इन भयंकर युद्धों में हजारों लोग मारे गए थे, और संयुक्त राष्ट्र से उन्हें कोई मदद नहीं मिली। संयुक्त राष्ट्र अपनी क्षमता के करीब भी नहीं पहुंच रहा है, उन्होंने कटाक्ष किया।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के संदर्भ में ट्रंप ने कहा कि 10 मई को वाशिंगटन की मध्यस्थता में रात भर लंबी बातचीत के बाद दोनों देश पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हुए। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने करीब 50 बार यह बात दोहराई है। यह दावा 2025 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष से जुड़ा है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले से शुरू हुआ। इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेसिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली, जिसमें 26 नागरिक (ज्यादातर हिंदू पर्यटक) मारे गए। भारत ने इसे पाकिस्तान प्रायोजित बताया और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और हवाई हमले किए गए। चार दिनों तक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को युद्धविराम हुआ। पाकिस्तान ने हमले को फॉल्स फ्लैग बताया, जबकि भारत ने इंडस वाटर ट्रीटी सस्पेंड कर दी। भारत ने ट्रंप के दावे को बार-बार खारिज किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि युद्धविराम डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशंस) स्तर पर सीधी बातचीत से हुआ, कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए किसी विदेशी नेता ने हस्तक्षेप नहीं किया। भारत का रुख है कि यह द्विपक्षीय मामला था, और ट्रंप का दावा अतिशयोक्ति है। वहीं, पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात कही, लेकिन भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि संघर्ष सैन्य दबाव से समाप्त हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का दावा उनकी विदेश नीति की छवि बनाने का प्रयास है।

ट्रंप के दावे पर दुनिया मिश्रित प्रतिक्रिया दे रही है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा साइडलाइन्स पर ट्रंप से मुलाकात की, जहां मध्यस्थता की सराहना की गई। भारत ने इसे करीब से निगरानी में रखा। अन्य युद्धों पर ट्रंप का दावा विवादास्पद है-जैसे आर्मेनिया-अजरबैजान में उनकी भूमिका को मान्यता मिली, लेकिन भारत-पाक और ईरान-इजरायल पर विवाद बरकरार। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुधार की वकालत की, लेकिन ट्रंप की आलोचना पर चुप्पी साधी। ट्रंप ने अवैध प्रवासन पर भी चेतावनी दी, कहा कि संयुक्त राष्ट्र इसे बढ़ावा दे रहा है।

ट्रंप के भाषण से ...

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के प्रमुख एजेंट मैट मैकूल ने कहा, यह सिस्टम सेल टावरों को गिरा सकता था, जिससे लोग संवाद नहीं कर पाते-न टेक्स्ट, न कॉल। संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे आयोजन के साथ जुड़ जाए तो शहर के लिए विनाशकारी हो सकता था। फॉरेंसिक जांच जारी है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट्स में विदेशी राष्ट्रों और पहले से संदिग्ध व्यक्तियों से जुड़े सेलुलर संचार मिले हैं, जो बड़ी साजिश की आशंका पैदा करते हैं।

एजेंसी की एडवांस्ड थ्रेट इंटरडिक्शन यूनिट ने वसंत में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को धमकियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क का पता लगाया। शुरुआती विश्लेषण में नेशन-स्टेट थ्रेट एक्टर्स (राष्ट्र-राज्य खतरों) और संघीय कानून प्रवर्तन को ज्ञात व्यक्तियों के बीच संपर्क पाए गए। एक कानून प्रवर्तन स्रोत के अनुसार, यह प्लॉट चीनी सरकार से जुड़ा हो सकता है। डायरेक्टर सीन करन ने कहा, इस नेटवर्क से अमेरिकी टेलीकॉम ढांचे को गंभीर खतरा था। हमारी प्राथमिकता ऐसे खतरों को रोकना है और दुश्मनों को संदेश देना कि अमेरिका की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं। जांच में होमलैंड सिक्योरिटी, जस्टिस डिपार्टमेंट और एनवाईपीडी जैसे एजेंसियां शामिल हैं। अभी तक संयुक्त राष्ट्र महासभा को सीधा निशाना बनाने का सबूत नहीं मिला, लेकिन समय और स्थान संदिग्ध हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नेटवर्क जून में हुई घटनाओं से जुड़ा हो सकता है, जहां अज्ञात व्यक्तियों ने एआई का इस्तेमाल कर व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की नकल की। जून में, रुबियो के नाम से सिग्नल ऐप पर फर्जी अकाउंट बनाकर तीन विदेशी मंत्रियों, एक अमेरिकी गवर्नर और एक कांग्रेस सदस्य से संपर्क साधा गया। एआई से बनी आवाज और लेखन शैली का इस्तेमाल कर सूचना चुराने की कोशिश की गई। मई में वाइल्स की नकल की गई थी, जहां उनके संपर्कों को फोन और मैसेज भेजे गए। स्टेट डिपार्टमेंट ने जुलाई में कर्मचारियों को अलर्ट जारी किया था कि यह प्रयास सूचना या अकाउंट्स हासिल करने का था।संयुक्त राष्ट्र महासभा का यह सत्र बेटर टुगेदर: 80 ईयर्स फॉर पीस, डेवलपमेंट एंड ह्यूमन राइट्स थीम पर चल रहा है, जहां गाजा, यूक्रेन जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है। ट्रंप का भाषण शाम को होने वाला है, जिसमें वे अपनी विदेश नीति पर जोर देंगे। मैकूल ने चेतावनी दी कि अन्य शहरों में भी ऐसे नेटवर्क हो सकते हैं। ब्रिटेन ने अप्रैल में सिम फार्म्स पर प्रतिबंध लगाया है, जो इसी तरह के हमलों को रोकता है। एजेंसी ने कहा कि जब्त डिवाइस अब खतरा नहीं हैं, लेकिन जांच जारी रहेगी। यह घटना अमेरिकी साइबर सिक्योरिटी की कमजोरियों को उजागर करती है, खासकर एआई और टेलीकॉम हमलों के दौर में।

राजनाथ ने किया ...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और मोरक्को सदियों से समुद्री व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सम्मान से जुड़े रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा, उर्वरक, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन और अब रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया है। यह साझेदारी आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक दृष्टि से दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित होगी।टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की मोरक्को सुविधा से स्थानीय इंजीनियरों, तकनीशियनों और कुशल श्रमिकों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह संयंत्र स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और छोटे व्यवसायों का इकोसिस्टम विकसित करेगा, नवाचार को बढ़ावा देगा और कैसाब्लांका क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देगा।रक्षा मंत्री ने बताया कि यह संयंत्र केवल निर्यात-आयात का माध्यम नहीं, बल्कि वास्तविक साझेदारी का प्रतीक है। मोरक्को अफ्रीका का प्रवेश द्वार और वैश्विक व्यापार की कड़ी के रूप में महत्वपूर्ण है, जबकि भारत तकनीकी और औद्योगिक नवाचार का केंद्र बन चुका है। यह सुविधा दोनों देशों के लिए आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से लाभकारी है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को भी साकार करेगी।

भारत-श्रीलंका के...

इसके अलावा, दोनों नौसेनाएँ बहुपक्षीय कार्यक्रमों जैसे इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम, गॉल डायलॉग, मिलान, गोवा मैरिटाइम कॉन्क्लेव और कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेती हैं।

इसी दौरे के तहत, भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा भी कोलंबो पहुँचा है, जहाँ इसका चालक दल अपने श्रीलंकाई समकक्षों के साथ साझा नौसैनिक अभ्यास करेगा। इस दौरान योगाभ्यास और दोस्ताना खेल सत्र भी आयोजित किए जाएँगे।

भारत का प्रयास है कि वह श्रीलंका के साथ रणनीतिक रूप से और करीब आए, ताकि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

मोहनलाल को दादासाहेब ...

और लचीलेपन के प्रति एक सामूहिक सम्मान के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्हें केंद्र से पहली बार यह समाचार मिला तो वे न केवल इस सम्मान से, बल्कि मलयालम सिनेमाई परंपरा की आवाज़ को आगे बढ़ाने के लिए चुने जाने के सौभाग्य से भी अभिभूत थे।

7.44 करोड़ की...

अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई ने दिसंबर 2018 में उनके, उनकी पत्नी पूनम जैन और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मार्च 2022 में, ईडी ने इस मामले में 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी और अभियोजन पक्ष की शिकायत दर्ज की थी, जिस पर बाद में दिल्ली की एक अदालत ने संज्ञान लिया था। नवीनतम कार्रवाई के साथ, अब कुर्की की कुल राशि 12.25 करोड़ रुपये हो गई है - एजेंसी के अनुसार यह राशि जैन द्वारा कथित रूप से अर्जित आय से अधिक संपत्ति के पूरे मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है।

ईडी के अनुसार, नवंबर 2016 में नोटबंदी के तुरंत बाद, सत्येंद्र जैन के करीबी सहयोगियों अंकुश जैन और वैभव जैन ने आय प्रकटीकरण योजना (आईडीएस) के तहत अग्रिम कर के रूप में 7.44 करोड़ रुपये नकद जमा किए थे। उन्होंने चार कंपनियों के नाम पर 16.53 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी, जिनके बारे में अधिकारियों ने बाद में निर्धारित किया कि वे सत्येंद्र जैन के स्वामित्व और नियंत्रण में थीं।

आयकर विभाग और दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने ही जैन के सहयोगियों को बेनामी धारक माना था, तथा उनकी अपीलों को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस निष्कर्ष को बरकरार रखा था। इसके बाद, ईडी ने अपने निष्कर्ष सीबीआई के साथ साझा किए, जिसने जैन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों को बढ़ाते हुए एक पूरक आरोपपत्र दायर किया। ईडी ने कहा है कि वह जल्द ही इस मामले में एक पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज करेगा। इस बीच, नई दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट में मुकदमा चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर में सिर्फ...

साझा नहीं की गई है। लेकिन सूत्र सीआरपीएफ की कंपनियों को वहां से हटाने की एक बड़ी वजह इन्हें आने वाले समय में एंटी-नक्सली अभियान में लगाना बता रहे हैं।

वैसे, अभी कुछ रोज पहले नक्सलियों की तरफ से एक पत्र जारी करके सरकार से एक महीने के लिए सीजफायर करने की मंशा जाहिर की गई थी। जिसमें नक्सलियों ने हथियार छोड़कर समाज की मुख्य धारा में आने की बात कही थी। लेकिन इसके दो दिन बाद ही नक्सलियों के दूसरे ग्रुप से एक और पत्र जारी करके कहा गया कि पहला जो पत्र जारी किया गया था। वह सभी नक्सली कैडर को विश्वास में लेकर नहीं किया गया था। हम सरकार के सामने सरेंडर करने के पक्ष में नहीं है। ऐसे में नक्सलियों में ही दो फाड़ सामने आ रही है।

नवरात्र में मां दुर्गा को अर्पित करें ये फूल
माता रानी प्रसन्न होकर पूरी करेंगी सारी इच्छा

नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है। इस बार नवरात्रि के महापर्व की शुरुआत 22 नवंबर से हो चुकी है और 2 अक्टूबर विजयदशमी तक रह पर्व चलेगा। इस बार नवरात्रि का पर्व बेहद खास है दरअसल, इस बार नवरात्रि पूरे 10 दिन के हो रहे हैं। मान्यता है कि नवरात्र में मां दुर्गा के प्रिय फूल अर्पित करने से देवी जल्दी प्रसन्न होती। नवरात्र के दिनों में मां दुर्गा को फूल अर्पित करते हुए अपनी मनोकामना कहें। मान्यता है कि ऐसा करने से मां दुर्गा व्यक्ति की सारी मनोकामना जल्दी पूरी करती हैं। आइए जानते हैं नवरात्र के दिन कौन से फूल अर्पित करने चाहिए।

नवरात्र में मां दुर्गा को अर्पित करें ये 5 फूल

नवरात्र के दिन मां दुर्गा को रोजाना एक लाल गुड़हल का फूल अर्पित करें। क्योंकि, मां दुर्गा को लाल रंग अधिक प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि लाल गुड़हल का फूल अर्पित करने से घर परिवार में सु समृद्धि बनी रहती है। साथ ही व्यक्ति को किसी भी तरह की धन धान्य की कोई कमी नहीं होती है।

इसके अलावा नवरात्र में मां दुर्गा को कमल का फूल अर्पित करना चाहिए। कमल का फूल अर्पित करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसी के साथ बेला और चमेली का फूल भी आप अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से साहस, पराक्रम की प्राप्ति होती है।

अगर किसी व्यक्ति को रोग या शोक आदि है तो मां दुर्गा को पीले कनेर के फूल अर्पित करने चाहिए। इस फूल को अर्पित करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है।

अगर किसी व्यक्ति के विवाह में बाधा आ रही हैं तो मां दुर्गा को गेंदे के फूल अर्पित करें। ऐसा करने से मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त होता है साथ ही विवाद में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

वहीं, मां दुर्गा को रातरानी का फूल चढ़ाने से व्यक्ति भय मुक्ति, दुख और नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही मां को सफेद मोगरा का फूल भी अधिक प्रिय है। इन फूल को चढ़ाने से पापों से मुक्ति मिलती है।

क्यों देवी देवताओं को फूल अर्पित किए जातें हैं ?

मान्यताओं के अनुसार, देवी देवताओं को फूल अर्पित करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही यह पवित्रता और सुद्धता का प्रतीक भी है। वहीं, व्यक्ति को पुण्य और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही फूल अर्पित करने से सारी मनोकामाएं भी पूरी होती हैं।

नवरात्रि में बना राजयोग और धन योग का महसंगम

महानवमी से पहले इन चार राशियों को मां दुर्गा की कृपा से मिलेगा लाभ

नवरात्रि में इस बार ग्रहों का बेहद ही दुर्लभ और अद्भुत संयोग बन रहा है। अबकी बार नवरात्रि में धन योग का महासंगम हो रहा है। इस बार बुधादित्य राजयोग, धन योग, भद्र राजयोग, सम योग और वरिष्ठ योग का शुभ संयोग बनेगा। दरअसल, इस नवरात्रि मंगल और चंद्रमा की युति तुला राशि बनने से धन योग का निर्माण होगा। साथ ही इस समय कन्या राशि में बुध और सूर्य की युति होने से बुधादित्य राजयोग बना है। जबकि बुध के अपनी मूल त्रिकोण राशि कन्या में होने से भद्र राजयोग प्रभाव में आया है। इसी के साथ सम योग और वरिष्ठ योग का भी संयोग बन रहा है। ग्रहों की इस शुभ स्थिति के प्रभाव से इस नवरात्रि वृषभ, मिथुन सहित 5 राशियों को लाभ के साथ साथ कई अच्छे अवसर मिलने वाले हैं। इन राशियों पर मां दुर्गा की विशेष कृपा बरसेगी। मां दुर्गा के आशीर्वाद से लाभ और उन्नति के कई सुनहरे अवसर मिलेंगे।

वृषभ राशि को मिलेगा धन लाभ

वृषभ राशि से पंचम भाव में बुधादित्य और भद्र राजयोग बनने जा रहा है। ऐसे में आपको मां दुर्गा की कृपा से करियर में ऐसे अवसर मिलेंगे जो आपको नई ऊंचाइयों पर लेकर जा सकते हैं। साथ ही आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ मिलने की भी संभावनाएं हैं। साथ ही आपको संतान से जुड़ी सारी चिंताएं दूर होंगी और विदेशी क्षेत्रों से आपको लाभ मिलेगा। जो लोग आईटी आदि से जुड़े हैं उन्हें लाभ मिलने की प्रबल संभावनाएं हैं। जो लोग उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं उन्हें लाभ मिलने के आसार हैं।

मिथुन राशि करियर में अचानक मिलेगा लाभ

मिथुन राशि के जातकों को मां दुर्गा की कृपा से इस नवरात्रि दोहरा लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। आपकी राशि के चतुर्थ भाव में बुधादित्य राजयोग और भद्र राजयोग बनेगा। ऐसे में आपको सुख साधनों में वृद्धि होगी। साथ ही आपके लिए धन योग के उत्तम संयोग भी बन रहे हैं। साथ ही कार्यस्थल पर आपको कामकाज में बहुत ही सुकून मिलेगा और आपकी किस्मत का सितारा भी बुलंद होगा। आपको अपने करियर में अचानक ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

कन्या राशि आपकी छवि होगी मजबूत

कन्या राशि में ही बुधादित्य राजयोग और भद्र राजयोग बन रहा है। ऐसे में कन्या राशि के लोगों को डबल राजयोग से डबल मुनाफा मिलने वाला है। आपको ज्ञान की प्राप्ति होगी। साथ ही मान सम्मान में तेजी से वृद्धि होने की संभावनाएं हैं। मां दुर्गा की कृपा से इस अवधि में आप कुछ ऐसा करेंगे जिससे समाज में आपके एक अलग और सकारात्मक छवि बनेगी। साथ ही आप अपने ज्ञान से लोगों को प्रभावित करेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अवसर मिल सकते हैं।

तुला राशि धन संपत्ति का मिलेगा सुख

तुला राशि में ही धन योग बन रहा है। दरअसल, इस समय मंगल और चंद्रमा आपकी राशि में युति करते हुए धन योग बनाएंगे। ऐसे में मां दुर्गा की कृपा से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी साथ ही आपको इस अवधि में धन संपत्ति या वाहन का सुख भी मिल सकता है। मंगल के कारण आपके अंदर एक अलग ही लीडरशिप क्वालिटी देखने को मिलेगी। आप कार्यस्थल पर खुद को साबित करेंगे। जिससे आपके अधिकारी भी आपसे काफी प्रसन्न होंगे और आपको करियर में आगे बढ़ने के लिए नए अवसर देंगे।

जब श्रद्धा मिले सही विधि से, तब मां की पूजा लाती है जीवन में चमत्कार

भगवती दुर्गा समस्त देवों के तेज से निकली हैं, इसलिए अपने भक्तों को शुभ फल देने में देर नहीं करतीं, अतः इन बातों को ध्यान में रखकर आप मां भगवती का पूजन करेंगें तो निश्चित ही भगवती कृपा से सभी मार्ग प्रशस्त होंगें।

भगवती दुर्गा की पूजा-उपासना करते समय भक्त को अपना मुख हमेशा पूर्व अथवा उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए।

नवरात्रि में भक्त मां भगवती की प्रतिमा के समक्ष अखण्ड ज्योति जलाते है, अखण्ड ज्योति के दीपक को वास्तुशास्त्र के अनुसार दक्षिण-पूर्व, अग्निकोण में स्थापित करना चाहिए।

घर में यदि श्रीयन्त्र स्थापित हो तो उसकी नवरात्र में पूजा अवश्य करनी चाहिए और यदि न हो ता श्रीयन्त्र स्थापित करने का यह सबसे अच्छा मुहूर्त है।

मां दुर्गा की मूर्ति अथवा तस्वीर को साफ-सुथरा, स्वच्छ रखना चाहिए।

नवरात्रि के समय रोज़ गूगुल की धूप और लाल गुड़हल के फूलों की माला मां को अर्पण करने से मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं।

मां को चढ़ाने वाले फूल ताजे और सुगंधित होने चाहिए, कटे-फटे या किसी भी प्रकार से दूषित फूल देवी को नहीं चड़ाने चाहिए।

मां दुर्गा की पूजा गीले अथवा फटे-पुराने वस्त्र पहनकर नहीं करनी चाहिए, सूखे, साफ-सुथरे वस्त्र पहनकर ही देवी आराधना करें।

नवरात्र में दुर्गा सप्तशती का पाठ अथवा अनुष्ठान के बीच में परिवार में किसी को भी बाल तथा नाखून काटना एवं पुरूषों को दाड़ी बनवाने से परहेज करना चाहिए।

मां की पूजा के स्थल पर ज्यादा वजनदार वस्तुओं को रखना अनुचित माना गया है, पूजाघर को स्टोररूम नहीं बनाना चाहिए न ही स्टोररूम में मूर्तियां रखकर पूजा करनी चाहिए।

देवी के जिस स्वरूप की आराधना आप कर रहे हैं, उसका ध्यान मन ही मन अवश्य करते रहना चाहिए।

घर में अगर मां दुर्गा की दो तस्वीर या मूर्तियां हैं, तो उन्हें हमेशा साफ-सुथरा रखें और बराबर नमन करते रहें।

धन प्राप्ति के लिए अगर नवरात्र में आप माता महालक्ष्मी की आरधना करते हैं, तो विशेष लाभ के लिए माता की मूर्ति स्फटिक की होनी चाहिए।

घर में देवी दुर्गा जी की तीन मूर्तियां वर्जित हैं, अर्थात् घर या पूजा घर में देवी की तीन मूर्तियाँ एक साथ नहीं होनी चाहिए।

नवरात्रि मे सिमटा है जीवन का हर पहलू

भारत में नवरात्रि को पर्व के रूप में मनाया जाता है। सबसे ज्यादा लोकप्रिय शारदीय नवरात्रि है, जोकि वर्तमान समय में पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। शायद ही किसी को पता हो कि एक वर्ष में 4 नवरात्रि होते हैं। प्रत्येक नवरात्रि के अलग-अलग महत्व होते हैं। देवी पुराण में ऐसा कहा गया है कि साल भर में मुख्य रुप से नवरात्र का त्योहार 2 बार आता है।

नवरात्र शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- नव और रात्र। नव का अर्थ है नौ और रात्र शब्द में पुनः दो शब्द निहित हैं: रा+त्रि। रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू- शरीर, मन और आत्मा।

इंसान को तीन तरह की समस्याएं घेर सकती हैं- भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक। इन समस्याओं से जो छुटकारा दिलाती है वह रात्रि है। रात्रि या रात आपको दुख से मुक्ति दिलाकर आपके जीवन में सुख लाती है। इंसान कैसी भी परिस्थिति में हो, रात में सबको आराम मिलता है। रात की गोद में सब अपने सुख-दुख किनारे रखकर सो जाते हैं।

साल में दो बार नवरात्र रखने का विधान है। चैत्र मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिन अर्थात नवमी तक, ओर इसी प्रकार ठीक छह महीने बाद आश्विन मास, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक माता की साधना और सिद्धि प्रारम्भ होती है। दोनों नवरात्रों में शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। नवरात्र के नौ दिनों में यज्ञ और हवन का सिलसिला चलता रहता है। ये यज्ञ संसार में दुख और दर्द के हर तरह के प्रभाव को दूर कर देते हैं। नवरात्रि के हर दिन का अपना महत्व और प्रभाव है और उस दिन के अनुरूप ही यज्ञ और हवन किए जाते हैं। जीवन में हमें बुरे और अच्छे दोनों तरह के गुण प्रभावित करते हैं।

नवरात्र हमें यह सिखाते हैं कि किस तरह इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त कर सकता है और स्वयम् के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कर सकता है। जिस तरह मां के गर्भ में नौ महीने पलने के बाद ही एक जीव का निर्माण होता है ठीक वैसे ही ये नौ दिन हमें अपने मूल रूप, अपनी जड़ों तक वापस ले जाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। इन नौ दिनों का ध्यान, सत्संग, शांति और ज्ञान प्राप्ति के लिए उपयोग करना चाहिए।

हिन्दू पंचाग के अनुसार चैत्र यानि मार्च-अप्रैल में मां दुर्गा के पहले नवरात्र पर 9 दिन आराधना जाती है, जिन्हें वासंतीय नवरात्र कहा जाता है। अश्विन मास यानि सितम्बर-अक्टूबर में आने वाले नवरात्र को मुख्य नवरात्र कहा जाता है, जिसे जनमानस शारदीय नवरात्र के नाम से जानता है। शारदीय नवरात्र के बाद से ही देश भर में त्योहारों की धूम मच जाती है। शारदीय नवरात्र के समापन पर ही दशहरे का त्योहार मनाया जाता है जो कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसके अलावा एक वर्ष के भीतर 2 गुप्त नवरात्रि भी मनाई जाती है जो गृहस्थों के लिए नहीं होती है। यह दोनों नवरात्रि आषाढ़ यानि जून-जुलाई और दूसरा माघ यानि जनवरी-फरवरी में आते हैं।

इस प्रकार से साल में चार नवरात्रि आती हैं। जिसमें जनसामान्य के लिए बासंतिक और शारदीय नवरात्रि ही प्रमुख है। दो गुप्त नवरात्रों में ऋषि मनीषि साधना और आराधना करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अत: इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरूआत होगी। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था।

नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं। ये तीन देविया हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी)। इन नौ दिनों में बाकी सारे क्रियाकलापों से ऊपर समारोह और व्रत को प्राथमिकता दी जाती है। हर शाम को डांडिया और गरबा जैसे धार्मिक नृत्य के जरिए मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

नौ रातों का यह उत्सव आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि को आरंभ होता है। इस दौरान नौ ग्रहों की प्रतिष्ठा की जाती है। 8वें और 9वें दिन मां दुर्गा की पूजा के साथ विजयाष्टमी और महानवमी मनाई जाती है। इस दौरान 700 श्लोकों वाली दुर्गा शप्तशती जिसे देवी महात्म्य के नाम से भी जाना जाता है, का पाठ किया जाता है साथ ही दुर्गा चालीसा और देवी को समर्पित विभिन्न मंत्रों एवं श्लोकों के जरिए उन देवियों की आराधना की जाती है जिन्होंने दुष्टों का संहार किया।

पहले तीन दिन: इस दौरान नवरात्रि के पहले दिन पूजाघर में मिट्टी का एक तख्त बनाया जाता है जिसमें जौं बोए जाते हैं। ये तीन दिन शक्ति और ऊर्जा की देवी मां दुर्गा को समर्पित होते हैं।

दूसरे तीन दिन: इन तीन दिनों में शांति और धन-सौभाग्य की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

तीसरे दो दिन: नवरात्र के 7वें और 8वें दिनों में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है जो ज्ञान और आध्यात्म की प्रतीक हैं। ज्ञान एवम् आध्यात्म सांसारिक मोह-माया से हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आठवें दिन यज्ञ किया जाता है।

महानवमी: इस रंगबिरंगे, ऊर्जा से भरपूर पर्व का समापन महानवमी को होता है। इस दिन कन्या पूजा की जाती है। नौ कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया जाता है। इन नौ कन्याओं की पूजा मां के नौ रूप मानकर की जाती है।

आश्विन मास में शुक्लपक्ष कि प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नौ दिन तक चलने वाले नवरात्र शारदीय नवरात्र कहलाते हैं। नव का शाब्दिक अर्थ नौ है और इसे

नव अर्थात नया भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रों में दिन छोटे होने लगते है। मौसम में परिवर्तन शुरू हो जाता है। प्रकृति सर्दी की चादर में लिपटने लगती है। ऋतु के परिवर्तन का प्रभाव लोगों को प्रभावित न करे, इसलिए प्राचीन काल से ही इन दिनों में नौ दिनों के उपवास का विधान है।

दरअसल, इस दौरान उपवासक संतुलित और सात्विक भोजन कर अपना ध्यान चिंतन और मनन में लगकर स्वयं को भीतर से शक्तिशाली बनाता है। इससे न वह उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करता है बल्कि वह मौसम के बदलाव को सहने के लिए आंतरिक रूप से खुद को मजूबत भी करता है।नवरात्रों में माता के नौ रुपों की आराधना की जाती है। माता के इन नौ रुपों को हम देवी के विभिन्न रूपों की उपासना, उनके तीर्थो के माध्यम से समझ सकते है।

नवरात्र का वैज्ञानिक आधार

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि हिंदुओं के पवित्र त्योहारों में से एक है। इन 9 दिनों में नौ-दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। साल में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों की अराधना की जाती है। इस दौरान घर-घर में भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है। शारदीय नवरात्रि को पूर्वी भारत में दुर्गापूजा और पश्चिमी भारत में डांडिया के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्र शब्द से 'नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियां) का बोध' होता है। इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है क्योंकि 'रात्रि' शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। यही कारण है कि दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है। यदि, रात्रि का कोई विशेष रहस्य न होता तो ऐसे उत्सवों को रात्रि न कह कर दिन ही कहा जाता। जैसे- नवदिन या शिवदिन। लेकिन हम ऐसा नहीं कहते।

नवरात्र के वैज्ञानिक महत्व को समझने से पहले हम नवरात्र को समझ लेते हैं। मनीषियों ने वर्ष में दो बार नवरात्रों का विधान बनाया है- विक्रम संवत के पहले दिन अर्थात चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा (पहली तिथि) से नौ दिन अर्थात नवमी तक। इसी प्रकार इसके ठीक छह मास पश्चात् आश्विन मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी अर्थात विजयादशमी के एक दिन पूर्व तक नवरात्र मनाया जाता है। लेकिन, फिर भी सिद्धि और साधना की दृष्टि से शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है। इन नवरात्रों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं। यहां तक कि कुछ साधक इन रात्रियों में पूरी रात पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक या बीज मंत्रों के जाप द्वारा विशेष सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। नवरात्रों में शक्ति के 51 पीठों पर भक्तों का समुदाय बड़े उत्साह से शक्ति की उपासना के लिए एकत्रित होता है और जो उपासक इन शक्ति पीठों पर नहीं पहुंच पाते वे अपने निवास स्थल पर ही शक्ति का आह्वान करते हैं।

हालांकि आजकल अधिकांश उपासक शक्ति पूजा रात्रि में नहीं बल्कि पुरोहित को दिन में ही बुलाकर संपन्न करा देते हैं। यहां तक कि सामान्य भक्त ही नहीं अपितु, पंडित और साधु-महात्मा भी अब नवरात्रों में पूरी रात जागना नहीं चाहते और ना ही कोई आलस्य को त्यागना चाहता है। आज कल बहुत कम उपासक ही आलस्य को त्याग कर आत्मशक्ति, मानसिक शक्ति और यौगिक शक्ति की प्राप्ति के लिए रात्रि के समय का उपयोग करते देखे जाते हैं।

जबकि मनीषियों ने रात्रि के महत्व को अत्यंत सूक्ष्मता के साथ वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में समझने और समझाने का प्रयत्न किया। अब तो यह एक सर्वमान्य वैज्ञानिक तथ्य भी है कि रात्रि में प्रकृति के बहुत सारे अवरोध खत्म हो जाते हैं। हमारे ऋषि-मुनि आज से कितने ही हजारों-लाखों वर्ष पूर्व ही प्रकृति के इन वैज्ञानिक रहस्यों को जान चुके थे। आप अगर ध्यान दें तो पाएंगे कि अगर दिन में आवाज दी जाए, तो वह दूर तक नहीं जाती है, किंतु यदि रात्रि में आवाज दी जाए तो वह बहुत दूर तक जाती है। इसके पीछे दिन के कोलाहल के अलावा एक वैज्ञानिक तथ्य यह भी है कि दिन में सूर्य की किरणें आवाज की तरंगों और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती हैं।

रेडियो इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। आपने खुद भी महसूस किया होगा कि कम शक्ति के रेडियो स्टेशनों को दिन में पकड़ना अर्थात सुनना मुश्किल होता है जबकि सूर्यास्त के बाद छोटे से छोटा रेडियो स्टेशन भी आसानी से सुना जा सकता है। इसका वैज्ञानिक सिद्धांत यह है कि सूर्य की किरणें दिन के समय रेडियो तरंगों को जिस प्रकार रोकती हैं ठीक उसी प्रकार मंत्र जाप की विचार तरंगों में भी दिन के समय रुकावट पड़ती है। इसीलिए ऋषि-मुनियों ने रात्रि का महत्व दिन की अपेक्षा बहुत अधिक बताया है। मंदिरों में घंटे और शंख की आवाज के कंपन से दूर-दूर तक वातावरण कीटाणुओं से रहित हो जाता है।

यही रात्रि का तर्कसंगत रहस्य है। जो इस वैज्ञानिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए रात्रियों में संकल्प और उच्च अवधारणा के साथ अपनी शक्तिशाली विचार तरंगों को वायुमंडल में भेजते हैं, उनकी कार्यसिद्धि अर्थात मनोकामना सिद्धि, उनके शुभ संकल्प के अनुसार उचित समय और ठीक विधि के अनुसार करने पर अवश्य होती है।

नवरात्र के पीछे का वैज्ञानिक आधार यह है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में एक साल की चार संधियां हैं जिनमें से मार्च व सितंबर माह में पड़ने वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं। इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है। ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं। अत: उस समय स्वस्थ रहने के लिए तथा शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णत: स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम 'नवरात्र' है।

नवरात्र में नौ दिन या नौ रात को गिना जाना चाहिए?

अमावस्या की रात से अष्टमी तक या पड़वा से नवमी की दोपहर तक व्रत नियम चलने से नौ रात यानी 'नवरात्र' नाम सार्थक है। चूंकि यहां रात गिनते हैं इसलिए इसे नवरात्र यानि नौ रातों का समूह कहा जाता है। रूपक के द्वारा हमारे शरीर को नौ मुख्य द्वारों वाला कहा गया है और, इसके भीतर निवास करने वाली जीवनी शक्ति का नाम ही दुर्गा देवी है।

इन मुख्य इन्द्रियों में अनुशासन, स्वच्छ्ता, तारतम्य स्थापित करने के प्रतीक रूप में, शरीर तंत्र को पूरे साल के लिए सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के लिए नौ द्वारों की शुद्धि का पर्व नौ दिन मनाया जाता है। इनको व्यक्तिगत रूप से महत्व देने के लिए नौ दिन, नौ दुर्गाओं के लिए कहे जाते हैं।

हालांकि शरीर को सुचारू रखने के लिए विरेचन, सफाई या शुद्धि प्रतिदिन तो हम करते ही हैं किन्तु अंग-प्रत्यंगों की पूरी तरह से भीतरी सफाई करने के लिए हर 6 माह के अंतर से सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें सात्विक आहार के व्रत का पालन करने से शरीर की शुद्धि, साफ-सुथरे शरीर में शुद्ध बुद्धि, उत्तम विचारों से ही उत्तम कर्म, कर्मों से सच्चरित्रता और क्रमश: मन शुद्ध होता है, क्योंकि स्वच्छ मन मंदिर में ही तो ईश्वर की शक्ति का स्थायी निवास होता है।

रिमी सेन ने जब रियलिटी शो बिग बॉस को बताया था जेल

बैन करने की कर डाली थी डिमांड

रिमी सेन, जिनका असली नाम शुभमित्रा सेन है, एक भारतीय अभिनेत्री और फिल्म प्रोड्यूसर हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। 21 सितंबर 1981 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में जन्मीं रिमी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापनों से की थी। अभिनेत्री रिमी सेन ने अपने करियर में कई हैरान कर देने वाले फैसले लिए। ऐसा ही एक किस्सा उनकी रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' में भागीदारी से जुड़ा है, जहां उन्होंने साबित कर दिया कि वह बाकी कंटेस्टेंट्स से बिल्कुल अलग हैं।

जहां बिग बॉस के घर में हर कंटेस्टेंट जीतने और फेम के लिए संघर्ष कर रहा था, वहीं रिमी सेन सिर्फ घर से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रही थीं। उनकी यह उदासीनता न केवल घर के बाकी सदस्यों के लिए बल्कि खुद शो के होस्ट सलमान खान के लिए भी एक बड़ा सवाल था।

एक टास्क के दौरान, उन्होंने घर के नियमों का उल्लंघन किया और साफ-साफ कह दिया कि उन्हें यह गेम पसंद नहीं है। उन्होंने खुले तौर पर यह भी कह दिया था कि वह यहां पैसों के लिए नहीं आई हैं बल्कि उनके पास पहले से ही बहुत पैसा है। उनका यह बयान रातोंरात वायरल हो गया और उन्हें दर्शकों से बहुत आलोचना मिली। लेकिन रिमी सेन ने इसकी परवाह नहीं की।

यह उनका एकमात्र बड़ा टीवी अपीयरेंस था, लेकिन शो में उनके एटिट्यूड और बयानबाजी ने खूब सुर्खियां बटोरीं। रिमी सेन को शो की सबसे 'इरिटेटिंग' और 'कुछ न करने वाली' कंटेस्टेंट माना गया, जिससे घरवाले परेशान रहे। यहां तक कि होस्ट सलमान खान ने कई बार उनकी क्लास लगाई। शो से बाहर आने के बाद रिमी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि 'बिग बॉस' का घर उनके लिए जेल जैसा था। उन्होंने कहा, कितना अच्छा लग रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे जेल से बाहर आ गई हूं। ये जो 2-3 हफ्ते मैंने बिग बॉस के घर में बिताए, उन्होंने मुझे रिश्तों के साथ-साथ लाइफ में मेरी आजादी की वैल्यू भी सिखा दी। अब मुझे बाहर बर्तन भी नहीं धोने पड़ेंगे जैसे बिग बॉस के घर में धोती थी।

रिमी ने शो को 'यूजलेस' (बेकार) भी बताया और कहा कि उन्हें पहले लगता था कि यह स्क्रिप्टेड है, लेकिन अंदर जाकर पता चला कि यह पूरी तरह रियल है और यही उन्हें परेशान कर गया।

शो में वे मात्र 49 दिनों तक रहीं, लेकिन इसके लिए उन्हें 2.25 करोड़ रुपए की मोटी फीस मिली। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि पैसे के लालच में ही शो किया था। इतना ही नहीं, शो के दौरान रिमी ने कहा कि वह चाहती हैं कि 'बिग बॉस' को बैन कर दिया जाए क्योंकि यह मानसिक रूप से थका देने वाला है।

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने इंटरनेशनल पंजाबी एंथम के बाद बांग्ला गाने की दी झलक

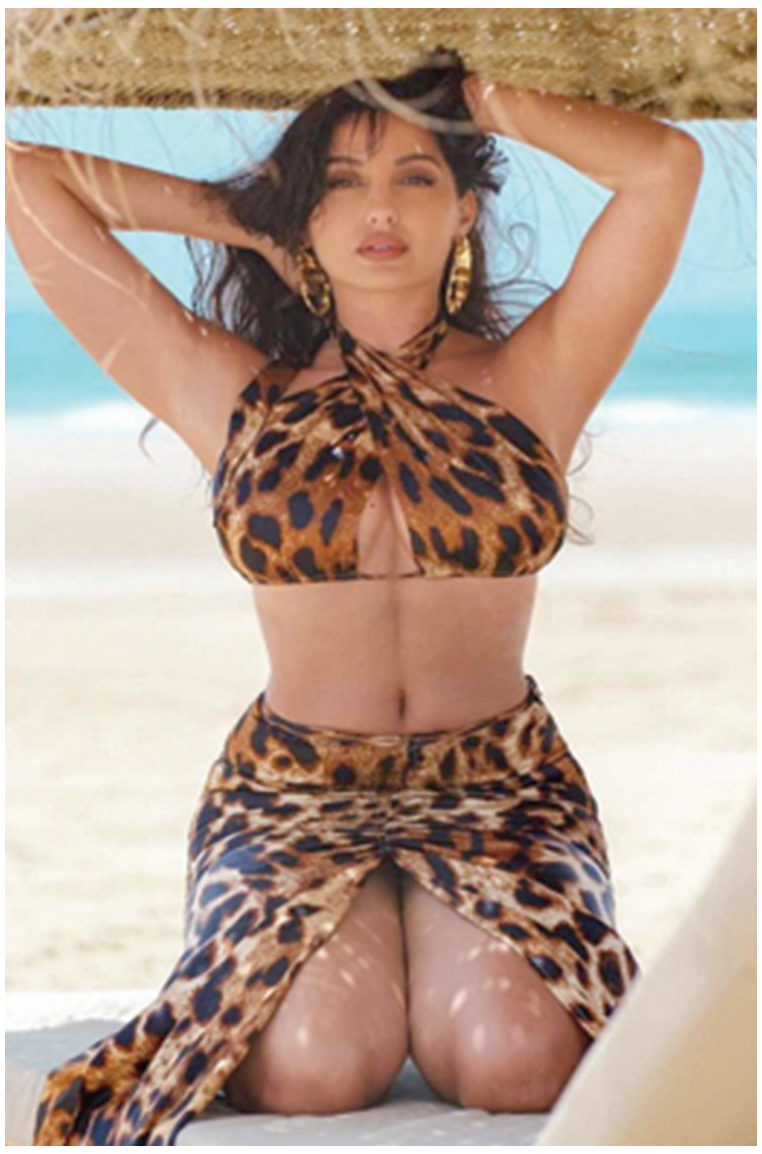

हाल ही में, ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने यो यो हनी सिंह के साथ अपने धमाकेदार इंटरनेशनल पंजाबी एंथम, आई एम सो रिच की घोषणा की। इस ट्रैक को पहले से ही अगला ग्लोबल पार्टी एंथम माना जा रहा है। लेकिन यह एंथम रिलीज़ होने से पहले ही, नोरा ने संगीतकार संजॉय के साथ अपनी हालिया बातचीत से एक नया उत्साह जगा दिया है - इस बार बांग्ला में!

यह हल्की-फुल्की बातचीत जल्द ही एक मज़ेदार वादा बन गई, जब नोरा ने हँसते हुए कहा, दोस्तों, मुझे नहीं पता इस आदमी ने मुझसे क्या करवाने के लिए राजी कर लिया है... हम एक बांग्ला गाना कर रहे हैं। मेरे लिए दुआ करना! संजॉय ने तो एक संभावित हुक लाइन भी सुझा दी: की माया, लगाइसो।

अगर यह प्रयोग साकार होता है, तो बांग्ला दर्शकों को जल्द ही नोरा की आवाज़ में अपनी भाषा का कोरस सुनने को मिल सकता है - और यह उनकी बहुभाषी ग्लोबल आर्टिस्ट की पहचान को और मजबूत करेगा। नोरा ने कहा, सिर्फ ग्लोबल होना ही नहीं, बल्कि हर संस्कृति को सच्चे दिल से सेलिब्रेट करना ज़रूरी है।

इस बीच, अपने संगीत प्रयोगों के अलावा, नोरा फ़तेही बड़े पर्दे पर भी अपने पंख फैला रही हैं - वह कंचना 4 में लीड रोल में नज़र आएंगी और कई नए प्रोजेक्ट्स की तैयारी में हैं। चाहे संगीत हो या सिनेमा, यह ग्लोबल स्टार फिलहाल रुकने के मूड में नहीं है।

करीना कपूर : कहो ना प्यार है ठुकराकर रिफ्यूजी फिल्म को चुना

बॉलीवुड में बेबो के नाम से मशहूर

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ ही नाम ऐसे हैं जो अपनी विरासत और पहचान को दृढ़ता से दर्शाते हैं। 21 सितंबर 1980 को जन्मी करीना कपूर ने न केवल अपने महान दादा राज कपूर की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि अपनी खुद की एक अनूठी और प्रभावशाली पहचान भी गढ़ी। 'बेबो' के नाम से मशहूर, करीना का सिनेमा में प्रवेश महज एक स्टार किड के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे कलाकार के रूप में हुआ, जो अपनी शर्तों पर काम करने को तैयार थी। करीना कपूर के फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2000 में जेपी दत्ता की युद्ध-आधारित नाटकीय फिल्म 'रिफ्यूजी' से हुई। इस फिल्म में उन्होंने अभिषेक बच्चन के साथ अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जहां फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। उनके पहले इंटरव्यू से ही यह स्पष्ट हो गया था कि वह अपने करियर के प्रति बेहद आश्वस्त थीं और उनकी मासूमियत दर्शकों को आज भी उनके 25 साल पुराने वीडियो में दिखाई देती है।

अपने सशक्त प्रदर्शन के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री' का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, जिसने यह साबित कर दिया कि उनका आगमन महज एक स्टार किड के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रतिभाशाली कलाकार के रूप में हुआ था।उल्लेखनीय है कि 'रिफ्यूजी' को चुनने के लिए उन्होंने उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक 'कहो ना प्यार है' को ठुकरा दिया था। केवल व्यावसायिक सफलता के पीछे भागने के बजाय, वह हमेशा एक ऐसी भूमिका की तलाश में रही हैं जो उनके अभिनय कौशल को परख सके।

उनके शुरुआती करियर में दो ऐसे किरदार थे जिन्होंने उनकी सार्वजनिक पहचान पर एक अमिट छाप छोड़ी, लेकिन उनके लिए एक विरोधाभास भी पैदा किया। पहला किरदार करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' (2001) में 'पू' (पूजा शर्मा) का था। यह किरदार अपनी फैशन-फॉरवर्ड शैली और बेबाक संवादों के कारण एक सांस्कृतिक घटना बन गया। 'पू' का किरदार आज भी जेन-जी के बीच बेहद लोकप्रिय है और अक्सर मीम संस्कृति का हिस्सा बन जाता है। इस किरदार ने उन्हें एक फैशन आइकन के रूप में स्थापित किया, लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी था। स्वयं करीना ने स्वीकार किया है कि इस किरदार के कारण उन्हें एक खास छवि में बांध दिया गया।उन्हें इस स्टीरियोटाइप को तोड़ने और यह साबित करने में लगभग एक दशक का समय लगा कि वह केवल ग्लैमरस भूमिकाओं तक सीमित नहीं हैं। इसी स्टीरियोटाइप को तोड़ने के लिए, करीना ने अपने करियर के मध्य में कुछ बेहद साहसी और गैर-ग्लैमरस भूमिकाओं का चुनाव किया। साल 2004 में, उन्होंने फिल्म 'चमेली' में एक वेश्या का किरदार निभाया। यह उनकी स्थापित 'ग्लैमरस' छवि के बिल्कुल विपरीत था। इस फिल्म ने उन्हें समीक्षकों से शानदार प्रतिक्रिया दिलाई और उन्हें एक 'गंभीर अदाकारा' की श्रेणी में ला खड़ा किया।

यह फिल्म पहले किसी और अभिनेत्री को ऑफर की गई थी, लेकिन करीना ने यह मौका लपक लिया, जो उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा का प्रमाण है। इसके बाद, विशाल भारद्वाज की क्राइम ड्रामा 'ओंकारा' (2006) में 'डॉली मिश्रा' के रूप में उनका प्रदर्शन एक और मील का पत्थर साबित हुआ। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड मिला। उनकी इस यात्रा का शिखर 'जब वी मेट' (2007) में 'गीत ढिल्लों' के किरदार के साथ आया। यह फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता थी और 'गीत' का किरदार उनके ग्लैमर और अभिनय क्षमता का सही मिश्रण था।

यह एक चुलबुला, स्वतंत्र और आत्मविश्वासी किरदार था, जिसे दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा। मैं अपनी फेवरिट हूं जैसे संवाद आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं और इंटरनेट संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। इस भूमिका के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, जिसने उनकी प्रतिभा को एक बार फिर से स्थापित किया।

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कलाकार होने के साथ-साथ, करीना कपूर ने एक बॉक्स ऑफिस क्वीन के रूप में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है जिन्होंने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। उनकी सबसे सफल फिल्मों में कबीर खान द्वारा निर्देशित 'बजरंगी भाईजान' (2015) सबसे ऊपर है, जिसने दुनिया भर में 922.17 करोड़ रुपए का कारोबार किया। इसके बाद राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' (2009) का नाम आता है, जिसने दुनियाभर में 460 करोड़ रुपए और भारत में 202.47 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। अक्षय कुमार के साथ उनकी फिल्म 'गुड न्यूज' (2019) भी एक बड़ी हिट थी, जिसने दुनिया भर में 316 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। उनकी अन्य सफल फिल्मों में 'बॉडीगार्ड' (2011) और 'गोलमाल 3' (2010) शामिल हैं।

उन्होंने 'गोलमाल 3' में एक टॉमबॉय 'डब्बू' की भूमिका निभाई, जबकि 'उड़ता पंजाब' (2016) में एक डॉक्टर के रूप में उनकी गंभीर भूमिका को भी सराहा गया।

अभिनय की दुनिया से परे, करीना कपूर खान ने खुद को एक शक्तिशाली ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। उनकी लोकप्रियता केवल सिनेमा तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रांड एंडोर्समेंट, लेखन और एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में भी फैली हुई है।पिछले कुछ सालों में, करीना कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा रही हैं, जिनमें लैक्मे, प्यूमा, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स और सफोला शामिल हैं। उनकी बेबाक शैली, आत्मविश्वास और 'रियल' व्यक्तित्व ने उन्हें ब्रांड्स के लिए एक आदर्श चेहरा बना दिया है, खासकर उन ब्रांड्स के लिए जो आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण दर्शाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, करीना अन्य कई सारे प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की ब्रांड फेस रह चुकी हैं, जिनमें ब्लिंकिट जैसे शॉर्ट डिलीवरी प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं।अभिनय और ब्रांडिंग के अलावा, करीना ने अपनी रचनात्मक यात्रा में एक नया अध्याय भी जोड़ा है। उन्होंने अपनी गर्भावस्था पर एक किताब लिखी है, जिसका शीर्षक है करीना कपूर खान्स प्रेग्नेंसी बाइबल: द अल्टीमेट मैन्युअल फॉर मॉम्स-टू-बी।हाल ही में, उन्होंने थ्रिलर शैली में कदम रखा है, जिसमें 'जाने जां' और 'द बकिंघम मर्डर्स' जैसी फिल्में शामिल हैं। 'द बकिंघम मर्डर्स' में एक पुलिस अधिकारी के रूप में उनका नया अवतार समीक्षकों द्वारा सराहा गया है।

सना सईद : एक मशहूर किरदार की वजह से नई पहचान बनाने के लिए करनी पड़ी मशक्कत

1998 में, जब करण जौहर की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' सिनेमाघरों में आई, तो इसने न सिर्फ शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी को नई बुलंदिया दी, बल्कि एक नन्हीं सी बच्ची को भी घर-घर में मशहूर कर दिया। यह बच्ची थी सना सईद, जिसने 'छोटी अंजलि' का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी मासूम मुस्कान और प्यारे डायलॉग के साथ जगह बना ली।

सना सईद ने महज 8 साल की उम्र में 'कुछ कुछ होता है' में अंजलि का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनकी मासूमियत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। कहानी में अंजलि अपनी मां की डायरी के जरिए अपने पिता (शाहरुख खान) को उनकी खोई हुई दोस्त से मिलाने की कोशिश करती है। सना का यह किरदार कहानी का एक अहम हिस्सा था, जिसने न सिर्फ फिल्म को भावनात्मक गहराई दी, बल्कि सना को लाखों दिलों में बसने का मौका भी दिया।

बचपन में मिली इस कामयाबी ने सना को रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन यह स्टारडम एक 'दोधारी तलवार' साबित हुआ। सना की मासूम छवि इतनी गहरी थी कि लोग उन्हें उसी रूप में देखना चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, यह छवि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई।

सना ने बतौर बाल कलाकार 'हर दिल जो प्यार करेगा' और 'बादल' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी असली वापसी हुई 2012 में, जब करण जौहर की ही फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में उन्होंने एक ग्लैमरस और बोल्ड किरदार निभाया। इस फिल्म में सना ने अपनी नई छवि के साथ दर्शकों को चौंकाया। उनकी स्टाइल, आत्मविश्वास और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन इसके बावजूद, दर्शकों के दिमाग में 'छोटी अंजलि' की छवि अभी भी जस की तस थी।

सना ने कई इंटरव्यूज में खुलकर बताया कि 'अंजलि' की पहचान उनके लिए शुरुआत में बोझ बन गई थी। लोग उन्हें सेट्स पर, सड़कों पर, हर जगह 'अंजलि' कहकर बुलाते थे। वह कहती हैं, एक समय था जब मुझे यह सुनकर शर्मिंदगी महसूस होती थी। मुझे लगता था कि लोग मेरे नए काम को देख ही नहीं रहे। यह एक ऐसा दौर था जब सना को अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

22 सितंबर 1988 को जन्मी सना सईद ने सिर्फ फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी कदम रखा और 'बाबुल का आंगन छूटे ना' और 'लो हो गई पूजा इस घर की' जैसे धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा, रियलिटी शोज ने उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। 'झलक दिखला जा', 'नच बलिए 7' और 'खतरों के खिलाड़ी 7' में सना ने न सिर्फ अपनी डांसिंग और स्टंट स्किल्स दिखाईं, बल्कि अपनी मजबूत और बिंदास पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया। इन शो ने सना को मासूम बच्ची की छवि से बाहर निकालने में मदद की और उन्हें एक आत्मविश्वास से भरी कलाकार के रूप में पेश किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक़्त देने से बेहतर है अपने आपको वक़्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख़्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक़्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही ज़ाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 सितंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 05:37 तक
नक्षत्र : चित्रा दोपहर 02:46 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 07:32 तक
करण : तैतिल सायं 04:28 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:14 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:02 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्र घंटा पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान बनेगा एविएशन की पाठशाला

विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का हो रहा निरंतर विस्तार : भजनलाल

भीलवाड़ा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में राजस्थान एविएशन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां पायलट ट्रेनिंग की विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं के निरंतर विस्तार से युवाओं के लिए आसमान में अनंत संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीरों की भूमि राजस्थान के पायलट पूरे विश्व में देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। हमारे युवाओं को ट्रेनिंग के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान न केवल अपने युवाओं को पायलट बनाएगा, बल्कि दुनिया भर के युवाओं के लिए एविएशन की पाठशाला बनेगा। यहां से निकले पायलट केवल विमान नहीं उड़ाएंगे, बल्कि भारत के एविएशन सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार एविएशन सेक्टर के तीव्र विकास के लिए राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति–2024 लाई है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना और राजस्थान को देश का एविएशन हब बनाना है। साथ ही, निवेश आकर्षित करना भी है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में एविएशन सेक्टर निरंतर नई उचाईयां छू रहा है। इसमें कोटा का ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एयरपोर्ट न केवल राजस्थान बल्कि मध्य भारत के लिए एक महत्वपूर्ण गेटवे बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उदयपुर के एयरपोर्ट विस्तार के लिए 145 एकड़ भूमि के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। वहीं, जयपुर के एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल के निर्माण के लिए 12 हजार 778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन भी शुरू हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत–विकसित राजस्थान के संकल्प पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई सुविधाओं के निरंतर विस्तार और सुदृढ़ीकरण राजस्थान के विकास को अधिक गति मिलेगी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक लादू लाल पितलिया, सुरेश धाकड़, अशोक कुमार कोठारी, गोपाल लाल, उदयलाल भडाणा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, आमजन एवं ड्यूंस एविएशन एकेडमी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मंजूरी दी

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्टाचार एवं आय से अधिक 7 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति देते हुए आरोपित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने का अनुमोदन किया है। साथ ही, भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम–2018 की धारा 17–ए के अंतर्गत भी एक प्रकरण में विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने का अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध राज्यपाल से अनुमोदित 2 प्रकरणों में पेंशन रोक कर दण्डित किया है। इसके साथ ही, सीसीए नियम–34 के तहत अपील याचिका को भी खारिज करते हुए पूर्व प्रदत्त दण्ड को यथावत रखा गया है।

शर्मा ने लघु शास्ति के 2 प्रकरणों में सीसीए नियम–23 के अन्तर्गत प्रस्तुत अपील को स्वीकार करते हुए 2 अधिकारियों को राहत प्रदान की है। वहीं, वृहत शास्ति के 1 प्रकरण में भी आरोप प्रमाणित नहीं होने पर बरी किया गया।

कांस्टेबल भर्ती 2025 : आंसर–की पर आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि बढ़ी

जयपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल भर्ती–2025 की लिखित परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों के लिए एक महत्व–पूर्ण खबर है। पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड ने परीक्षा की उत्तर कुंजी (आंसर–की) पर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है।

उप महानिरीक्षक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड मनोज कुमार ने बताया कि 13 और 14 सितंबर, 2025 को आयोजित हुई लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्रों की उत्तर कुंजी पहले ही पुलिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दी गई थी। पहले आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 23 सितंबर थी, जिसे अब बढ़ाकर 25 सितंबर, 2025 को रात 11:59 बजे तक कर दिया गया है। जिन उम्मीदवारों को किसी भी प्रश्न या उत्तर पर आपत्ति है, वे इस बढ़े हुए समय का उपयोग करके अपनी आपत्ति ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। बोर्ड ने सभी उम्मीदवारों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी आपत्तियां जमा करने की अपील की है।

नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से देश के हर नागरिक की होगी प्रत्यक्ष बचत : गजेन्द्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। बजट घोषणा 2024– 25 के तहत 9 करोड़ रुपये की लागत के अटल प्रगति पथ निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास समारोह मंगलवार को पशु मेला मैदान पाल में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार लोक कल्याण के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा मोदी सरकार में भ्रष्टाचार में कमी आई, देश की सीमाएं सुरक्षित हुई, आतंकवाद पर अंकुश लगा और देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ी है।

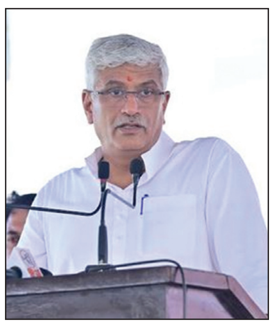

शेखावत ने कहा मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था और टैक्स स्ट्रक्चर में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। जिसकी बदौलत आज भारत विश्व की चार प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा। उन्होंने कहा 'एक राष्ट्र एक कर और एक बाजार' के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए वर्ष 2017 में जीएसटी कानून लाया गया। जिसकी बदौलत देश का सवा तीन गुना टैक्स कलेक्शन बढ़ा और विकास के कार्यों के लिए अधिक धन उपलब्ध होने लगा। उन्होंने कहा टैक्स रिफॉर्म्स के कारण टैक्सपेयर्स की संख्या 65 लाख से बढ़कर एक करोड़ 65 लाख हो गई है। शेखावत ने कहा नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से देश के हर नागरिक की प्रत्यक्ष बचत होगी। उन्होंने कहा दैनिक उपयोग की प्रत्येक वस्तु पर लगभग 0 या 5 प्रतिशत ही जीएसटी लगेगी। उन्होंने कहा जीएसटी रिफॉर्म के कारण एक वर्ष में देश के नागरिकों की 2.50 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी।

उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आह्वान करते हुए कहा हमें स्वदेशी के उपयोग को अधिकाधिक बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के संकल्प साकार करना है। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकसित सड़क तंत्र निर्माण के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा महज डेढ़ वर्ष में 21 हजार 650 करोड रुपये व्यय कर 30 हजार 381 किमी सड़कों के विकास का कार्य करवाया गया है।उन्होंने कहा राजस्थान को चार भागों में बांट कर अत्याधुनिक 9 ग्रीन एक्सप्रेस वे का निर्माण करवाया जाएगा।

बैंकों के एटीएम से अब निकलेगे 100 व 200 के नोट

भीलवाड़ा, 23 सितंबर (एजेंसियां)। देश मे 100 व 200 के नोटो का प्रचलन अधिक करने के उदेश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश के सभी बैंको को निर्देश जारी किये गये है कि एटीएम के माध्यम से 100 व 200 मुल्य वर्ग के नोटो का अधिक से अधिक वितरण किया जाए। भारतीय रिजर्व बैंक के मुख्य महाप्रबंधक सुमन नाथ द्वारा जारी आदेश संख्या डीसीएम/एस/312/20–02–001 के तहत देश के सभी बैंकों के अध्यक्ष एवं निदेशको तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिये गये है कि 30 सितंबर 2025 तक सभी एटीएम मे से 75 प्रतिशत एटीएम कम से कम एक कैसेट से 100 व 200 मूल्यवर्ग के नोट निकालेगें।

साथ ही 31 मार्च 2026 तक सभी एटीएम मे से 90 प्रतिशत एटीएम कम से कम एक कैसेट से 100 व 200 मूल्य वर्ग के नोट निकालेगें। इस आदेश से जाहिर होता है कि भारतीय रिजर्व बैंक देश मे 500 मूल्य वर्ग के नोट का प्रचलन धीरे–धीरे कम करने जा रही है।

विधानसभा चुनाव में इनेलो और भाजपा का था अघोषित गठबंधन : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। आज देश और प्रदेश में बदलाव की जरूरत है, क्योंकि पिछले ग्यारह सालों से देश में भाजपा की सरकार है और यह सरकार दो लोग अडानी और अंबानी की है। यह लोग दोनों हाथों से देश को लुटकर अपना खजाना भर रहे है और इसी पैसे से सत्ता में बैठे लोग मोज लूट रहे है। आज सरकारी संस्थानों को गिरवी रखा जा रहा है और ईडी का डर दिखाकर लोगों की जमीनें हड़पी जा रही है। यह बात जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कही। वे मंगलवार को सिरसा में जेजेपी के युवा योद्धा जिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अजय चौटाला ने यह भी कहा कि देश की तरह प्रदेश के भी हालात खराब है, क्योंकि यहां भी लंबे समय से भाजपा का शासन है और यहां गुंडे राज कर रहे है। उन्होंने कहा कि सरेआम बड़े–बड़े अपराध हो रहे है और बदमाशों को रोकने वाला कोई नहीं है। भाजपा सरकार में जनता की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है।

डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा में बाढ़ से किसानों की लाखों एकड़ पक्की पकाई फसल बर्बाद हुई है और सीएम हवा–हवाई बयान देते है कि हम किसानों के आंसू पोंछेंगे।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि पड़ौसी राज्यों पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड में बाढ़ पीड़ितों की मदद करने का दावा करने वाली हरियाणा की भाजपा सरकार ने दुख की घड़ी में क्या अपनों को संभाला ? अजय चौटाला ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय मंत्री यहां फोटो खिंचवा कर बड़ी–बड़ी बातें करके चले गए, लेकिन अब तक पीड़ितों को मुआवजा नहीं मिला। डॉ चौटाला ने कहा कि तमाम हालातों को देखते हुए युवाओं को बदलाव की अंगड़ाई लेनी होगी।

भाजपा सरकार कपास किसानों को बर्बाद कर विदेशी कंपनियों को फायदा पहुंचा रही है : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने विदेशी कपास पर 11% आयात शुल्क खत्म करके भारतीय किसानों की पीठ में छुरा मारने जैसा फैसला किया है। कपास की खेती वाले इलाकों में किसान मज़दूरी, मंडी कारोबार और वस्त्र उद्योग से जुड़े लाखों परिवार इस फैसले से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। किसान पहले ही महंगी खाद–बीज–डीज़ल और लगातार गिरती फसल पैदावार से परेशान हैं। अब सरकार ने उनकी आखिरी उम्मीद भी छीन ली है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाया है, बजाय जवाबी कार्रवाई करने के बीजेपी सरकार ने 11% आयात शुल्क को ख़त्म करके अमेरिका और विदेशी कंपनियों को खुश करने के लिए भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात किया है। स्वदेशी का नारा लगाने वाली बीजेपी सरकार किसानों की नहीं, बल्कि बड़े पूंजीपतियों और विदेशी कंपनियों की जेब भरने के लिए काम कर रही है। उन्होंने मांग करी कि विदेशी कपास पर 11% इम्पोर्ट ड्यूटी वापस बहाल की जाए। टेक्सटाइल इंडस्ट्री को घरेलू कपास खरीदने के लिए बाध्यकारी नीति बनाई जाए। हरियाणा, पंजाब समेत सभी राज्यों के कपास किसानों को चडझ गारंटी मिले, सरकारी खरीद हो। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा का टेक्सटाइल उद्योग 50% से अधिक 'टैरिफ' की मार से पहले ही 'निर्यात बंदी' के चलते आर्थिक बर्बादी की कगार पर है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा कपास पर आयात टैरिफ खत्म करने का फैसला विदेशी कंपनियों और उद्योगपतियों को लाभ पहुँचाने वाला साबित हो रहा है।

अगर कोविड न होता तो जीएसटी सुधार बहुत पहले हो चुके होते: कृष्ण बेदी

कैथल, 23 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार में मंत्री कृष्ण बेदी ने केंद्र सरकार की तरफ से जीएसटी स्लैब में किए गए सुधारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए हालिया सुधार आम उपभोक्ताओं और उद्योग जगत दोनों के लिए बड़ी राहत देने वाले साबित होंगे।

कृष्ण बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी परिषद का गठन किया गया था। गहन विचार–विमर्श के बाद लागू किए गए इस बड़े टैक्स सुधार को समय–समय पर और बेहतर बनाने की मांग उठती रही। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने इस वर्ष 15 अगस्त को लाल किले से इसकी घोषणा की और मात्र एक महीने में इसे लागू कर दिया गया।

कृष्ण बेदी ने सरकार ने जीएसटी सुधार का फैसला किसी के दबाव में नहीं लिया है। यह फैसला आम जनता के हित को देखते हुए लिया गया है। सरकार ने उन चीजों पर ज्यादा टैक्स लगाया है जो आम जनमानस के हित में नहीं हैं।

कांग्रेस जीएसटी लागू नहीं कर सकी तो वह वैट लगाती थी। वैट में पारदर्शिता का अभाव था। कांग्रेस जीएसटी काउंसिल की बैठक में समर्थन करती है, लेकिन बाहर निकलने के बाद विरोध करना शुरू कर देती है।हरियाणा सरकार के मंत्री ने कहा कि अब जीएसटी के केवल दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रह गए हैं। इस बदलाव का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। कार, टू–व्हीलर, फ्रिज, एसी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी वस्तुएं सस्ती होंगी।

महानायक राव तुलाराम जैसे सेनानी हमारे प्रेरणास्त्रोत : राव इंद्रजीत सिंह

चंडीगढ़, 23 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस के अवसर पर मंगलवार को रेवाड़ी जिले में अमर शहीदों के स्मारक स्थलों पर गणमान्य लोगों ने महान विभूतियों को नमन किया। शहर के अमर शहीद राव तुलाराम चौक और राव तुलाराम शहीद स्मारक पार्क में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, रेवाड़ी से विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली से विधायक अनिल यादव, पटौदी से विधायक बिमला चौधरी और भाजपा जिलाध्यक्ष वन्दना पोपली ने महान स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पचक्र अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं, गांव रामपुरा में भी अमर शहीदों की शहादत को सलाम किया गया।

राव इंद्रजीत सिंह ने आगे कहा कि राष्ट्र रक्षा में अपने आप को दिन–रात न्यौछावर करने वाले वीर योद्धाओं के बलिदान से देश सदैव प्रेरणा लेता रहेगा। देश के वीर सपूतों और शहीदों के गौरवमयी इतिहास को याद करते हुए युवा शक्ति में देशभक्ति का संचार करने का यह सुनहरा अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि स्वतंत्रता के समय अंग्रेजों के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए आजादी दिलाने में और आजादी के बाद देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी के रूप में हमारे रणबांकुरों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया, जो युवाशक्ति के लिए प्रेरणादायक है।

हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम की प्रतिमा के समक्ष नमन करते हुए कहा कि अमर शहीद राव तुलाराम न केवल क्षेत्र, बल्कि पूरे देश का गौरव हैं।

कांग्रेस का सीडब्ल्यूसी की मीटिंग से पहले दावा

बिहार से बड़े आंदोलन और क्रांति की हो रही शुरुआत

पटना (एजेंसियां)। बिहार में आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की मीटिंग होने जा रही है जिससे राज्य का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पटना के सदाकत आश्रम में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक कल होगी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कमेटी के 170 सदस्य शामिल होंगे।

कांग्रेस ने कहा है कि बिहार में बेरोजगारी और कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह बैठक बहुत ज़रूरी है। दूसरी तरफ, बीजेपी और उसके साथी दलों ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि चुनाव आते ही उन्हें बिहार की याद आती है। इस बैठक में देश और बिहार से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक पटना में होने वाली है। आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस की एक बहुत महत्वपूर्ण बैठक बिहार में हो रही है। इससे पहले देश के आजाद होने से पहले पटना में पार्टी की एक बैठक हुई थी। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अल्का लांबा ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस वर्किंग

कमेटी की बैठक पटना में हो रही है। यह बहुत महत्वपूर्ण है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी पटना पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की जीत पक्की है। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'बिहार बहुत अच्छा राज्य है। यहां के लोग मेहनती हैं, लेकिन यहां बेरोजगारी की समस्या है। सरकार अच्छा काम नहीं कर पाई, इसलिए पहले महागठबंधन बना था। पूरा इंडिया गठबंधन बिहार को सपोर्ट करने के लिए यहां है। हमें विश्वास है कि बदलाव आएगा। बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती है।'

कांग्रेस के पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने कहा कि बैठक में देश की समस्याओं पर भी बात होगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'बिहार में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यह बैठक बहुत ज़रूरी है। देश जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, जिन्हें सरकार मानना नहीं चाहती, उन पर चर्चा होगी।'

एनडीए के नेताओं ने कांग्रेस के इस कदम को बेकार बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस का हाल भी बाकी राज्यों जैसा ही होगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'मुझे खुशी है कि सीडब्लूसी को बिहार की याद आई। किसी को याद नहीं कि सीडब्लूसी की बैठक आखिरी बार बिहार में कब हुई थी। यह दबाव की राजनीति है। वे दबाव महसूस कर रहे हैं। इसके अलावा, कांग्रेस बिहार में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए भी तैयार नहीं है। अब पार्टी सीडब्लूसी की बैठक कर रही है।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा, 'कांग्रेस ने दिल्ली में भी सीडब्लूसी की बैठक की थी और उसे दिल्ली में जीरो सीटें मिलीं। चाहे कितनी भी बैठकें कर लें, कुछ नहीं होने वाला। कांग्रेस महाराष्ट्र में हारी, हरियाणा में हारी, दिल्ली में हारी और अब बिहार में भी हारेगी।

बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि एनडीए फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा, 'बिहार के लोग जानते हैं कि आज़ादी के इतने सालों बाद भी इस बैठक का उन पर कोई असर नहीं होने वाला। पहले जब ये नेता सत्ता में थे, तो उन्होंने कभी ऐसी बैठकें नहीं कीं। अब वे सत्ता के लालच में मजबूर होकर ये बैठकें कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इन बैठकों का बिहार के लोगों पर कोई असर नहीं होगा। बिहार के लोग उन्हें पहले ही नकार चुके हैं। उन्होंने सत्ता में रहते हुए जो काम किए, फंड का गलत इस्तेमाल किया, घोटाले किए और भ्रष्टाचार किया, उसे लोग देख चुके हैं। बिहार के लोग ऐसे भ्रष्ट नेताओं को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। वे सिर्फ पीएम मोदी पर विश्वास करते हैं। हमें विश्वास है कि नीतीश सरकार इस बार फिर सत्ता में आएगी।

इस बैठक को लेकर अलग-अलग नेताओं ने अपनी राय दी। कांग्रेस इसे महत्वपूर्ण बता रही है, तो वहीं बीजेपी इसे सिर्फ चुनावी दिखावा कह रही है। कांग्रेस के नेता इस बैठक को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका मानना है कि इससे पार्टी को बिहार में मजबूती मिलेगी। वहीं, बीजेपी का कहना है कि कांग्रेस सिर्फ लोगों को बेवकूफ बना रही है। उसे बिहार की जनता पर भरोसा नहीं है।

बिना पासपोर्ट के भारत में प्रवेश कर रहीं दो उज्बेकिस्तानी महिला गिरफ्तार

सुपौल (एजेंसियां)। बिना वैध पासपोर्ट और दस्तावेजों के भारतीय सीमा में प्रवेश कर रही दो उज्बेकिस्तानी महिलाओं को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी सुपौल जिला सीमा से सटे मधुबनी जिले के बेलही चेकपोस्ट के समीप की गई है। जिसके बाद सुपौल में भी एसएसबी ने इंडो-नेपाल बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि नेपाल पुलिस ने सप्तरी के रास्ते भारत आ रही दोनों उज्बेकिस्तानी महिलाओं से संदेह के आधार पर पहले पूछताछ की। वही संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर दोनों को हिरासत में ले लिया गया। उज्बेकिस्तानी महिलाओं की पहचान 39 वर्षीय फेरुजा यखसिमुरातोवा और 39 वर्षीय शोखिस्ता अकबरोवा के रुप में हुई है।

नेपाल पुलिस के अनुसार, दो दिन पहले बेलही सीमा चौकी के रास्ते दोनों भारत में प्रवेश करने के प्रयास में थी। इसी दौरान गश्त पर तैनात नेपाल पुलिस के एक दल ने सप्तरी जिले के बालन बिहुल ग्रामीण नगर पालिका-4 के बेलही में भारत की ओर जा रही बाइक (बीआर 07 एवाय 1876) पर सवार दो लोगों पर शक होने पर उनकी जांच की। डीएसपी जितेंद्र कुमार बसनेत के अनुसार, बिहार के मधुबनी के लालमनिया डुमरबाना निवासी नीतीश कुमार बिंद (20 वर्ष) द्वारा बाइक पर दोनों महिलाओं को

भारतीय सीमा में ले जाने का प्रयास किया जा रहा था। महिलाओं के पास वैध पासपोर्ट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं थे। लिहाजा, दोनों को हिरासत में लिया गया।

डीएसपी जितेंद्र कुमार बसनेत ने कहा दोनों महिलाओं ने पुलिस को बताया कि वे काठमांडू के एक होटल में ठहरी थी। हालांकि जांच के वक्त दोनों के पास पासपोर्ट सहित अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं थे। दोनों महिलाओं का कहना है कि पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज होटल में ही छूट गए हैं। लिहाजा, पुलिस होटल से भी संपर्क साधने का प्रयास कर रही है। डीएसपी ने बताया कि फिलहाल पूछताछ में दोनों महिलाओं ने ने भारत जाने का कारण नहीं बताया है। लिहाजा, मामले की जांच की जा रही है। बाइक सवार नीतीश से भी पूछताछ की जा रही है।

इससे पूर्व भी सुपौल में इंडो-नेपाल बॉर्डर पर बिना वैध दस्तावेजों के उज्बेकिस्तानी महिलाओं को भारतीय सीमा में प्रवेश करते पकड़ा गया है। 29 मार्च 2021 को एसएसबी 56वीं बटालियन ने सुपौल के वीरपुर इलाके में उज्बेकिस्तानी महिला ऐनापेटा पेंको को गिरफ्तार किया था। हालांकि, तब मामला महिला को बहला कर भारत लाने का था। इस प्रकरण में वीरपुर थाने में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज होने पर काफी विवाद हुआ था। मामले में कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों पर जुर्माना भी लगाया था। 13 अप्रैल 2022 को भी मानव तस्करों द्वारा सुपौल के भीमनगर चेकपोस्ट के रास्ते दो उज्बेकिस्तानी महिलाओं को भारतीय सीमा में लाने का प्रयास किया गया। लेकिन, एसएसबी 45वीं बटालियन के जवानों ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए बाइक सवार दो तस्कर सहित दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नेताओं की मूर्तियों के निर्माण के लिए जनता के पैसों को उपयोग न करें

नई दिल्ली/चेन्नई(एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका खारिज कर दी है।

इस याचिका में सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि की प्रतिमा तिरुनेलवेली जिले में लगाने की अनुमति मांगी गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि आप पूर्व नेताओं की महिमा गाने के लिए सार्वजनिक धन का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं?

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील पी. विल्सन ने कोर्ट से कहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि मेहराब की अनुमति दी जा सकती है, क्योंकि इसे चुनौती नहीं दी गई है और इस पर पहले ही 30 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर विचार करने से इनकार कर दिया और सीधे तौर पर मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया।

बता दें कि हाई कोर्ट ने कहा था कि सरकार सार्वजनिक स्थानों पर मूर्तियां स्थापित करने की अनुमति देने के आदेश जारी नहीं कर सकती है। कोर्ट ने कहा था कि 'लीडर्स पार्क' का निर्माण इस देश के युवाओं के लिए बहुत फायदेमंद होगा लीडर्स पार्क बनाने के लिए ठोस प्रयास करने के बजाय, सरकार सार्वजनिक स्थानों पर मूर्तियां स्थापित करने की अनुमति देने के आदेश जारी नहीं कर सकती। भारी यातायात भीड़भाड़ और अन्य कारणों से, ऐसी अनुमतियां देने पर आम जनता को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर मूर्तियां स्थापित करने की अनुमति न देने का आदेश दिया है, तो राज्य सरकार ऐसी कोई भी अनुमति देने का आदेश नहीं दे सकती।

दूसरे दिन उमड़ा आस्था का सैलाब, माता ब्रह्मचारिणी के जयकारों से गूंजा मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। नवरात्र पर्व का आज दूसरा दिन बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस बार नवरात्र 10 दिनों तक चलेंगे। दूसरे दिन मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि माता ब्रह्मचारिणी की उपासना से भक्तों के सभी दुख दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

सुबह से ही शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हर ओर जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। मंदिरों में विशेष सजावट और

भक्ति-भाव का माहौल देखने को मिला। देवी पुराण के अनुसार, नवरात्र के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी के पूजन और दर्शन से साधक को तप, त्याग, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है।

मुजफ्फरपुर के राजराजेश्वरी देवी मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। वहीं, शहर के प्रसिद्ध बगलामुखी मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर परिसर 'जय माता दी' के नारों से गूंज उठा।

मंदिर के पुजारियों के अनुसार, यह देवी मंदिर अपने आप में विशेष महत्व रखता है। यहां न केवल नवरात्र में, बल्कि सालभर अलग-अलग जिलों से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और माता से अपनी मनोकामना मांगते हैं। मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों की हर मुराद पूरी होती है।

नवरात्र को लेकर मंदिरों में खास इंतजाम किए गए हैं। सुबह 5 बजे से मंदिरों के पट खोल दिए जाते हैं और नवरात्र में दिनभर खुले रहते हैं। भक्तों की सुविधा के लिए कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी को कठिनाई न हो। भक्त माता के दर्शन और विशेष पूजन में शामिल होकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं।

बिहार में अब असदुद्दीन ओवैसी की सीमांचल न्याय यात्रा

एआईएमआईएम नया गठबंधन बनाने की कोशिश में

पटना (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी मंगलवार को बिहार के सीमांचल इलाके में चुनावी बिगुल फूंकने वाले हैं। हैदराबाद के सांसद ओवैसी किशनगंज से अपने प्रचार की शुरुआत करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी योजनाओं की जानकारी दी और बताया कि वे कई कार्यक्रमों और रैलियों में हिस्सा लेंगे। ओवैसी इंडिया गठबंधन, बिहार में जिसे महागठबंधन कहा जा रहा है, में शामिल होना चाहते थे लेकिन उन्हें आरजेडी की ओर कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। ऐसे में वे सीमांचल में क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाने की कोशिश कर सकते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। वे 24 सितंबर से 'सीमांचल न्याय यात्रा' निकालेंगे। ओवैसी का कहना है कि चुनाव प्रचार तो पहले से ही शुरू हो गया है। ओवैसी ने कहा, 'यह कहना गलत है कि चुनाव प्रचार अब शुरू हो रहा है। चुनाव प्रचार तो पहले ही शुरू हो चुका है और हमारे अख्तरुल इमान के नेतृत्व में काम चल रहा है। अब सीमांचल में हमारी चार दिन की यात्रा की योजना है। हम विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में जाएंगे, जनता से मिलेंगे और जनसभाएं करेंगे।'

उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस रिकॉर्ड से जाति का जिक्र हटाने का आदेश दिया है। इस पर ओवैसी ने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'जाति आधारित राजनीति जो बीजेपी करती है, उस पर आप क्या कहेंगे। उन्हें जाति आधारित रैलियों को देखना चाहिए।'

असदुद्दीन ओवैसी ने एक दिन पहले अपने एक्स हैंडल पर अपनी चुनाव प्रचार योजनाओं की घोषणा

की। उन्होंने सीमांचल में अलग-अलग पब्लिक प्रोग्राम और रैलियों को कवर करते हुए पांच दिनों का विस्तृत कार्यक्रम का उल्लेख किया। अपने सोशल मीडिया मैसेज में उन्होंने नए गठबंधनों और राजनीतिक समीकरणों का संकेत दिया।

ओवैसी ने इससे पहले कहा था, 'मैं कल किशनगंज पहुंचूंगा और इंशाअल्लाह 27 सितंबर तक सीमांचल, बिहार में रहूंगा। मैं कई साथियों से मिलने और कई नई दोस्ती बनाने के लिए उत्सुक हूं।' इस स्टेटमेंट को एक स्पष्ट संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि ओवैसी इंडिया गठबंधन से कोई जवाब नहीं मिलने के बाद अब सीमांचल के भीतर क्षेत्रीय राजनीतिक साझेदारी तलाश रहे हैं।

गौरतलब है कि लगभग डेढ़ महीने पहले, एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने ओवैसी के कहने पर इंडिया गठबंधन के नेताओं को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने सीमांचल के पिछड़ेपन और उपेक्षा पर प्रकाश डाला था। उन्होंने उनसे आगामी चुनावों में एनडीए के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया था। हालांकि बिहार में मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की ओर से कोई जवाब नहीं आया।

ओवैसी के कैंपेन से पहले अखचखच की बिहार इकाई ने राज्य भर में अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से, खासकर सीमांचल में, कैंपेन में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है, ताकि क्षेत्र के लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने में मदद मिल सके।

बिहार के सीमांचल में चार जिले शामिल हैं- किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार। इन सभी जिलों में मुस्लिम आबादी अच्छी खासी है। यह डेमोग्राफी एआईएमआईएम के लिए राजनीतिक रूप से अनुकूल है। सीमांचल प्रभावी रूप से एआईएमआईएम की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए एक उपजाऊ जमीन बन गया है।

परंपरागत रूप से सीमांचल आरजेडी का गढ़ रहा है। एक समय में इस सभी चार जिलों में आरजेडी के दबंग नेता और पूर्व सांसद तस्लीमुद्दीन का दबदबा था। वे आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी विश्वासपात्र थे। हालांकि तस्लीमुद्दीन की मृत्यु के बाद क्षेत्र में आरजेडी का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो गया है। एआईएमआईएम के सीमांचल की राजनीति में प्रवेश ने निस्संदेह आरजेडी के लिए राजनीतिक परिदृश्य को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है।

साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल क्षेत्र में पांच सीटें जीतकर एक मजबूत चुनावी शुरुआत की थी। इससे पहले 2015 में पार्टी को किशनगंज के उपचुनाव में असफलता मिली थी। सन 2020 में इसने चार सीमांचल जिलों में 24 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और पांच क्षेत्रों में इसे विजय मिली। इससे उसकी सीमांचल मौजूदगी उल्लेखनीय रूप से बढ़ गई।

यह बात अलग है कि 2022 में एआईएमआईएम के सभी चार विधायक आरजेडी में चले गए, जिससे राज्य में पार्टी की पकड़ कमजोर हो गई। इस झटके के बावजूद एआईएमआईएम ने धर्मनिरपेक्ष वोट को विभाजित होने से बचाने के लिए 2025 के चुनावों में महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की, हालांकि उसे इस प्रयास में अभी तक कोई फल नहीं मिला है।

सीमांचल के विशेष रूप से किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार जिले लंबे समय से सामाजिक और आर्थिक विकास में पिछड़े हुए हैं।

राजद पर बिफरे जीतन मांझी

2005 से पहले जंगलराज था, आज हर घर 24 घंटे बिजली

गया जी (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि, हे मां, बिहार ने पिछले 20 वर्षों में गरीबी, पलायन, भुखमरी, अपराध, भ्रष्टाचार और स्वास्थ्य की बेहाली सब कुछ सहा। अब बिहार को इस दुःख से उबारिए। जनसेवा के लिए हमें शक्ति दीजिए ताकि हर घर में समृद्धि और खुशहाली ला सकें।

इस पोस्ट पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पलटवार किया। मांझी ने कहा कि तेजस्वी यादव को मां से मांफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी और उनकी पार्टी की कुछ बैठकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता के प्रति अभद्र बातें हुई हैं, इसके लिए उन्हें मां से क्षमा मांगनी चाहिए।

मांझी ने बिहार के विकास पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि 2005 से पहले उनके पिता के समय बिहार में 'जंगलराज' था, जबकि आज राज्य में 8400 मेगावाट बिजली उपलब्ध है और हर घर 24 घंटे बिजली पा रहा है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को ये बदलाव और प्रगति नजर नहीं आती, इसलिए उन्हें मां से प्रार्थना करनी चाहिए। मांझी ने अंत में कहा कि हम प्रार्थना करते हैं कि तेजस्वी यादव और कांग्रेस के नेताओं को सद्बुद्धि मिले ताकि वे शांति, विकास और अमन के कामों को समझ सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com